@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 14 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 101 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी सेवा तीर्थ का लोकार्पण

● बोले- स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान, गुलामी से मुक्त निशान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सेवा तीर्थ परिसर से कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। इससे पहले पीएम मोदी ने शुक्रवार सुबह 'सेवा तीर्थ' कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया था। यह नया भवन प्रधानमंत्री कार्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय का केंद्र बन गया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि अब उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन किया जाएगा।पीएम मोदी ने सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि यह कदम विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देने का संकल्प लेकर सेवा-तीर्थ और कर्तव्य भवन में प्रवेश की

दिशा में अहम है। आज नया इतिहास बनते देख रहे हैं। आज भारत नए आरंभ का साक्षी बन रहा है। यह भारत कि विकास यात्रा में नई शुरुआत है। पुराने भवनों में जगह की कमी थी। सुविधाओं की सीमाएं थी। करीब 100 साल पुरानी इमारतें अंदर से जर्जर होती जा रही थी। मैं समझता हूं कि इन चुनौतियों के बारे में भी देश को निरंतर बताया जाना चाहिए।

पीएम ने कहा 'आजादी के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक में अनेक अहम निर्णय हुए, कई नीतियां बनीं लेकिन ये इमारते ब्रिटिश शासन के प्रतीक के तौर पर बनाई गई थीं। इनका मकसद भारत को सदियों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रखना था। एक समय था, जब कोलकाता शहर देश की राजधानी हुआ करता था।' उन्होंने कहा कि 1905 के बंगाल विभाजन के दौर में कोलकाता ब्रिटिश विरोधी आंदोलन का प्रबल केंद्र बन चुका था। इसलिए 1911 में अंग्रेजों ने भारत की राजधानी को दिल्ली शिफ्ट किया। उसी के बाद अंग्रेजी हुकूमतों की जरूरतों और उसकी सोच को ध्यान में रखकर नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतें बनी। भवन ब्रिटेन के महाराज के सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। रायसीना हिल्स को इसलिए चुना गया ताकि ये इमारते अन्य इमारतों से ऊंची रहे। सौभाग्य से सेवा तीर्थ की इमारते जमीन से जुड़ी है, पहाड़ पर नहीं है।

सेवा तीर्थ पर लिखा है- नागरिक देवो भव

स्पीच से कुछ देर पहले प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स की पट्टिका का अनावरण किया। दीवार पर 'सेवा तीर्थ' के नीचे 'नागरिक देवो भव' लिखा गया है। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।

कर्नाटक में सियासी रस्साकशी

हमेशा उम्मीद और भरोसे के साथ जीता हूं, समय सारे जवाब देगा : डीके शिवकुमार

एजेंसी

दिल्ली । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात कर वापस लौट आए हैं। राज्य में नेतृत्व बदलने की चर्चाओं के बीच उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वह उम्मीद और भरोसे के साथ जीते हैं। उन्होंने जोर दिया कि इंसान की कोशिशों का फल उसे हमेशा मिलता है। शिवकुमार के अनुसार, जहां मेहनत है वहां फल है और जहां भक्ति है वहां भगवान हैं।

जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उनकी कोशिशों का फल जल्द मिलने वाला है, तो उन्होंने कहा कि इस बारे में फिर कभी बात करेंगे। मुख्यमंत्री बदलने की खबरों पर उन्होंने कहा कि समय ही जवाब देगा। पार्टी नेतृत्व 17 फरवरी के आसपास मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार को सत्ता के बंटवारे पर चर्चा के लिए

दिल्ली बुला सकता है। इस सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा, मुझे नहीं पता। देखते हैं। समय सब कुछ बता देगा।

अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान शिवकुमार ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। हालांकि उन्होंने कहा कि नेताओं के साथ नेतृत्व के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई, लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि सब्र का फल मीठा होता है। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व राज्य के हित में सही समय पर फैसला लेगा।

भगवंत मान सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के लिए साल भर का रोडमैप तैयार: हरपाल सिंह चीमा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 13 फरवरी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पंजाब कैबिनेट की सब- समिति ने आज यहां श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए साल भर के विस्तृत रोडमैप को अंतिम रूप देने के लिए अपनी दूसरी बैठक की। इस बैठक में इन समागमों को विश्व स्तर पर ले कर जाने और गुरू साहिब के बराबरी, मानवता एंव भक्ति के संदेश को राज्य के प्रत्येक कोने और इससे बाहर तक पहुंचाने का पक्का अहद लिया गया। बैठक के दौरान वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, कैबिनेट मंत्री डा. रवजोत सिंह, कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद, पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली और विशेष इनवायटी पवन टीनूं ने महीनावार प्रोग्रामों के प्रबंधों के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिससे यह सुनिश्चित बनाया जा सके कि इन प्रोग्रामों में आध्यात्मिक श्रद्धा, शैक्षिक प्रसार और समाज भलाई पहलकदमियों का संतुलित सुमेल हो। समागमों के आध्यात्मिक पहलू पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, हमारा उदेश्य इस ऐतिहासिक मौके को

ऐसे स्तर पर मनाना है जो समाज पर श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के गहरे प्रभाव को दर्शाता है। हम यह यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध है कि प्रत्येक नागरिक, विशेष कर हमारे युवा,बेगमपुरा के संदेश - एक ऐसा समाज जो दुखों और भेदभाव से मुक्त हो- के साथ जु?। कैबिनेट सब- समिति ने वाराणसी, फरीदकोट, जम्मू और बठिंडा से चार ब?ी शोभा यात्राएं निकालने का निर्णय किया है, जो गुरू जी के पवित्र तप स्थान श्री खुरालग? साहिब में नतमस्तक होंगी। पंजाब के अलग- अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं को वाराणसी स्थित श्री गुरु रविदास जी के जन्म स्थान मंदिर के दर्शनों के लिए तीर्थ यात्राओं की सुविधा देने का भी ?सला लिया गया। गुरू जी का दर्शन नई पी?ी तक सार्थक ढंग से पहुंचाने के लिए सब- समिति ने राज्य के स्कूलों, कालेजों और यूनिवर्सिटियों में श्री गुरु रविदास जी के जीवन और शिक्षाओं पर सैमीनार करवाने की मंजूरी दी। इस रोडमैप में हर जिले में ड्रोन शो और गांवों में डाक्यूमेंट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग के द्वारा नवीनताकारी प्रचार भी शामिल है।

शेष पृष्ठ 3 पर

भोपाल नगर निगम की अपील पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख, कचरा प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने पर दिया जोर

● 'नए नियमों की शुरुआत एक स्वागत योग्य कदम है'

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवाटर को कहा है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों में बार-बार बदलाव करने से जमीनी हकीकत में तब तक सुधार नहीं होगा, जब तक अधिकारी आने वाले सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2026 के हिसाब से वेस्ट मैनेजमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत नहीं करते। जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने भोपाल नगर निगम द्वारा दायर उन अपीलों की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिनमें राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल द्वारा लगाए गए भारी पर्यावरणीय मुआवजे को चुनौती दी गई थी। ग्रीन ट्रिब्युनल ने अपने 31 जुलाई 2023 और 11 अगस्त 2023 के विवादित आदेशों के माध्यम से, नगर निकाय को क्रमशः 1.80 करोड़ रुपए और 121

करोड़ रुपए का पर्यावरणीय मुआवजा देने का निर्देश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन को नियंत्रित करने वाली विकसित हो रही वैधानिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कहा कि नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन और संचालन) नियम, 2000 को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था, जिसे अब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है, जो 1 अप्रैल, 2026 से लागू होने वाला है, हालांकि जस्टिस मिथल की अध्यक्षता वाली पीठ ने जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में मौजूद कमियों पर चिंता व्यक्त की। आदेश में कहा गया है, 'अदालत का मानना है कि जमीनी स्तर पर कई कारकों के कारण वैधानिक तंत्र वांछित परिणाम नहीं दे रहा है।' नए नियमों की शुरुआत को 'स्वागत योग्य कदम' बताते हुए शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि जब तक समय पर प्रारंभिक कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक नए नियमों की मात्र अधिसूचना पर्याप्त नहीं होगी। पीठ ने टिप्पणी की, 'नए नियमों की शुरुआत एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रभावी तिथि से पहले आवश्यक कार्य पूरा कर लें, अन्यथा 2026 के नियम जमीनी हकीकत में सुधार नहीं ला पाएंगे।'

वंदे मातरम का विरोध करने वालों को यहां रहने का कोई अधिकार नहीं: सीएम योगी आदित्यनाथ

● 'आठ वर्षों के अंदर डबल इंजन सरकार के द्वारा किए गए सतत प्रयास से बहुआयामी गरीबी की रेखा से ऊपर किया गया है।'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान कहा कि 6 करोड़ से अधिक की आबादी को पिछले आठ वर्षों के अंदर डबल इंजन सरकार के द्वारा किए गए सतत प्रयास से बहुआयामी गरीबी की रेखा से ऊपर किया गया है। उन्होंने कहा कि ये नीति आयोग के वे आंकड़े हैं जो उन्होंने पूरे देश भर में सरकार की विकासपरक योजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप सामने आए हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि उनको अन्य योजनाओं से वंचित कर दिया जाए। उनको जो राशन की सुविधा मिल रही है, वह यथावत मिलेगी। उन्हें स्वास्थ्य की सुविधाएं जो मिल रही हैं, वे यथावत मिलती रहेंगी और शासन की अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं वैसे ही मिलती रहेंगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कानून चंद हाथों की जागीर बन गई थी। कर्फ्यू और दंगा आम बात हो गई थी, पर्व आस्था नहीं आशंका के पर्याय बन गए थे, पुलिस का मनोबल टूटा था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी। उन्होंने कहा कि आज उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में

आज भय का वातावरण नहीं, बल्कि लोगों के मन में आस्था का भाव है। कर्फ्यू कल्चर की जगह जीरो टॉलरेंस कल्चर ने ले ली है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम का विरोध करने वालों को भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है। बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने सपा और कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने राज्य में विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान दोनों में बाधा डाली है। मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वंदे मातरम का विरोध करने वालों को भारतीय धरती पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। कुछ राजनीतिक समूह भारत से खाते-पीते हैं लेकिन वंदे मातरम गाने से इनकार करते हैं।

यूपी विधानसभा में माता प्रसाद पांडेय बोले, 'एनकाउंटर से कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कानून व्यवस्था, एनकाउंटर नीति, भ्रष्टाचार, सरकारी शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सिर्फ बजट घोषणाओं से विकास संभव नहीं है, जब तक भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। माता प्रसाद पांडेय ने प्रदेश में स्थायी डीजीपी की नियुक्ति की मांग करते हुए कहा कि कार्यवाहक डीजीपी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते। जब शीर्ष पद अस्थायी होगा तो व्यवस्था पर उसका असर पड़ता है। दरोगा और पुलिसकर्मियों के खिलाफ डकैती जैसे मामलों में नाम आ रहे हैं, फिर भी कहा जाता है कि कानून-व्यवस्था ठीक है। नेता प्रतिपक्ष ने पुलिस एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों को गोली से उड़ाने से कानून-व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं, फिर भी लगातार एनकाउंटर हो रहे हैं। यह कैसा एनकाउंटर है, जिसमें मारने वाला कभी नहीं मरता, सिपाही को खरोंच तक नहीं आती?'

दलित विरोधी कांग्रेस' के खिलाफ 'आप' ने पंजाब भर में किए विरोध प्रदर्शन

● प्रताप बाजवा ने मंत्री ईटीओ पर की थी जातिवादी टिप्पणी

एजेंसी

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने गुरुवार को कांग्रेसी नेता और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. के खिलाफ की गई शर्मनाक, जातिवादी और अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में पूरे राज्य में जोरदार प्रदर्शन किए। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ एक मंत्री का ही नहीं, बल्कि समूचे दलित समुदाय और अपनी रोजी-रोटी इज्जत से कमाने वाले मेहनतकश लोगों और मजदूरों का अपमान है। इन प्रदर्शनों में 'आप' नेताओं, मंत्रियों, विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने 'दलित-विरोधी कांग्रेस मुर्दाबाद' और 'बाजवा मुर्दाबाद' के नारे लगाए और मांग की कि बाजवा और कांग्रेस नेतृत्व दलित समुदाय और सभी मेहनतकश लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने दावा किया कि कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता एक बार फिर पंजाब के लोगों के सामने बेनकाब हो गई है। पन्नू ने चेतावनी दी कि पार्टी राज्य में किसी को भी दलितों को नीचा दिखाने या श्रमिक वर्ग के लोगों की इज्जत को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं देगी। बलतेज पन्नू ने कहा कि बाजवा की भाषा कांग्रेस पार्टी की दलितों के प्रति गहरी नफरत और हाशिए पर पड़े समुदायों को राजनीतिक अहंकार के कारण अपमानित करने के पुराने इतिहास को साफ दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जहां 'आप' शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनकल्याण में विश्वास रखती है, वहीं बाजवा जैसे कांग्रेसी नेता अभी भी उसी सामंती और जातिवादी मानसिकता में फंसे हुए हैं जिसे पंजाब बार-बार नकार चुका है।

प्रत्येक नागरिक भारत के सतत एवं समग्र विकास में दे सकता है योगदान : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

● 'ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक कर्मयोग के माध्यम से भारत के सतत और समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। राष्ट्रपति ने आज यहां ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा 'कर्मयोग द्वारा सशक्त भारत' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में

कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है। आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी उन्नति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है, जो एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं। किंतु नैतिकता के अभाव में आर्थिक और तकनीकी विकास सामाजिक असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा कि अनैतिक आर्थिक प्रगति से संपत्ति और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरणीय क्षति तथा कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है। इसी प्रकार, नैतिक मूल्यों के बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन आज

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शनिवार को यहां के विज्ञान भवन में 'कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एसएचई-बॉक्स)' का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के साथ समिति के अध्यक्षों और सदस्यों, नोडल अधिकारियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, उद्योगपतियों, नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन।

पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को चुनाव आयोग ने दिल्ली तलब किया

एजेंसी

कोलकाता। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्वाचन आयोग ने तलब किया है। आयोग सूत्रों के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मामले में चार अधिकारियों के खिलाफ अबतक कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इस संबंध में स्पष्टीकरण के लिए मुख्य सचिव को बुलाया गया है। इससे पहले अगस्त माह में जब मनोज पंथ राज्य के मुख्य सचिव थे, उन्हें इसी मुद्दे पर आयोग ने तलब किया था और उन्होंने आयोग के कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब दिया था।

निर्वाचन आयोग ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के मोयना और दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के आरोपों के आधार पर संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। जिन चार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही गई थी, उनके नाम तथागत मंडल, देवोत्तम दत्तचौधरी, बिप्लब सरकार और सुदीप्त दास हैं। आयोग ने उन्हें निलंबित करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, डेटा एंट्री कार्य से जुड़े कर्मचारी सुरजीत हालदार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया था।

आयोग ने पहले 05 अगस्त को राज्य सरकार को पत्र भेजा था और फिर 08 अगस्त को दोबारा स्मरण पत्र जारी किया। तत्कालीन मुख्य सचिव को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से सूचित किया गया कि मोयना विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ सुदीप्त दास और बारुईपुर पूर्व के डेटा एंट्री ऑपरेटर सुरजीत को निर्वाचन संबंधी दायित्वों से हटा दिया गया है, जबकि अन्य अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई।

झारखंड: हजारीबाग में हाथियों का आतंक, एक ही परिवार के चार समेत 6 की मौत

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार देर रात हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में हुए इस हमले में एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत कुल छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रात करीब एक से दो बजे के बीच की बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पांच हाथियों का झुंड अचानक बस्ती में घुस आया। अधिकतर लोग गहरी नींद में थे। हाथियों ने कच्चे मकानों को तोड़ दिया और बाहर निकलकर जान बचाने की कोशिश कर रहे लोगों को कुचल दिया। शोर मचाकर और मशाल जलाकर ग्रामीणों ने हाथियों को भगाने की कोशिश की, लेकिन झुंड काफी देर तक गांव के आसपास डटा रहा। मृतकों में सूरज भूइया (55), उनकी पुतोहु सुमन देवी (25) और दो मासूम बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा मंगरा भुईयां (58) और धनेश्वर राम (करीब 55) की भी जान चली गई। एक ही परिवार के चार सदस्यों और अन्य की हुई मौत से गांव में शोक की लहर है। हाथियों के उत्पात की सूचना मिलते ही दारू और चरही वन विभाग की टीमें रात में ही मौके पर पहुंचीं। यह क्षेत्र दारू वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वन विभाग के फॉरेस्टर मुकेश कुमार ने बताया कि टीम ने हालात का जायजा लिया है और मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और ग्रामीणों को रात के समय सतर्क रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों का कहना है कि करगी जंगल के आसपास हाथियों की गतिविधि लगातार बढ़ रही है और झुंड इन दिनों काफी उग्र है। उन्होंने प्रशासन से स्थायी समाधान और मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है।

मुख्तार के शूटर शोएब की दिनदहाड़े हत्या

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात शुक्रवार दोपहर उस वक्त हुई, जब वह कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। हाईवे से 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उसकी कार पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 25 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वह घायल होकर गिर पड़ा। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटा रही है।

रणवीर-रोहित को फिर मिली धमकी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के नाम से यह धमकी दी गई है। इससे पहले रोहित शेट्टी के घर पर हुई पांच राउंड फायरिंग की घटना के बाद 10 फरवरी को रणवीर सिंह को पहली धमकी मिली थी। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को लेकर दोनों को दोबारा धमकाया गया है। कथित धमकी संदेश में रणवीर सिंह का नाम लेते हुए कहा गया कि उन्होंने ही रोहित शेट्टी को शिकायत करने की सलाह दी थी। संदेश में उनके मैनेजरों और परिवार की गतिविधियों की जानकारी होने का दावा करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है, जिसमें कहा गया है कि अब हम तुम्हें दिखाएंगे कि हमारी ताकत के आगे तुम्हारी सात पुश्तें भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी।

सपा प्रवक्ता एससी-एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी के सफदरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई दो दिन पहले दर्ज मुकदमे के आधार पर की गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मनोज यादव को उस समय पकड़ा गया जब वे अपने कुछ साथियों के साथ सफदरगंज क्षेत्र से गुजर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें बड़ागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां नियमानुसार उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सफदरगंज थाने में दो दिन पूर्व छेड़छाड़ और एससी-एसटी एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। उसी प्रकरण में साक्ष्यों और विवेचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी स्थानीय पुलिस द्वारा की गई है। पिछले दो दिनों से मनोज यादव के संपर्क में न होने को लेकर चर्चा तेज थी। उनकी पत्नी ने लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इसी बीच सफदरगंज में पुलिस की यह कार्रवाई सामने आई, जिससे पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ मिल गया। अभी तक समाजवादी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं में चर्चा का दौर जारी है।

लखनऊ-काशी समेत 5 कोर्ट को उड़ाने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, मेरठ और मिर्जापुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सभी जगहों पर धमकी का ईमेल सरकारी मेल पर आया। इसका पता लगते ही हडकंप मच गया। फिलहाल, पांचों कोर्ट परिसरों को पुलिस ने खाली करा दिया है। कोर्ट की कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया है। काशी में 3 हजार से अधिक वकील और 5 हजार वादकारियों ने आनन-फानन में कोर्ट छोड़ दिया। जिला जज भी कैंपस से बाहर आ गए। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें कोर्ट के एक-एक कोने की जांच कर रही हैं। हालांकि, अभी तक कहीं भी कुछ नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मेल का पैटर्न एक जैसा है। हालांकि, मेल किसने भेजा और कहां से आया, इसका पता अब तक नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है कि एक साथ मेल क्यों भेजे गए। क्या इसके पीछे कोई साजिश है। सूत्रों के मुताबिक, पूरे मामले पर लखनऊ के बड़े अफसर नजर रख रहे हैं। साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियां

यूपी चुनाव से पहले नजर आई बंगला राजनीति, मायावती को बड़ा बंगला मिलने पर उठ रहे सवाल

-अखिलेश पर तीखा हमला तो योगी से मुलाकात ने खोले कयासों के द्वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती को दिल्ली में टाइप-8 श्रेणी का नया सरकारी बंगला आवंटित किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। आम तौर पर राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष को टाइप-6 या टाइप-7 श्रेणी का आवास मिलता है, ऐसे में उच्च श्रेणी का बंगला मिलने को राजनीतिक संकेतों से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस घटनाक्रम की शुरुआत अप्रैल 2024 से मानी जा रही है, जब लोकसभा चुनाव के दौरान मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर की रैली में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया था। उन्होंने पार्टी को नफरत फैलाने वाली और आतंकवादियों की पार्टी तक कह दिया था। इस बयान से नाराज होकर मायावती ने उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया और इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सार्वजनिक रूप से दी।

दिलचस्प बात यह रही कि आकाश आनंद समाजवादी पार्टी पर भी हमलावर थे, लेकिन इस पर मायावती ने सार्वजनिक नाराजगी नहीं जताई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे यह संदेश गया कि मौजूदा समय में मायावती भाजपा से सीधे टक्कर लेने से बचना चाहती हैं। हालांकि, रैलियों में वे राजनीतिक आलोचना करती रहीं।

सीएम योगी का आभार जताया

इसके बाद 9 अक्टूबर 2025 को एक रैली में मायावती ने भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सार्वजनिक रूप से आभार जताया। इस बयान ने अटकलों को और हवा दी। जनवरी 2026 में उन्हें दिल्ली में नया टाइप-8 बंगला आवंटित होने के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि क्या भाजपा और बसपा के बीच कोई रणनीतिक समीकरण बन रहा है। यूपी चुनाव से पहले इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारे में चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है।

अखिलेश को सबसे बड़ा दुश्मन बताया

मायावती ने हाल के बयानों में अखिलेश यादव को अपना 'सबसे बड़ा राजनीतिक दुश्मन' बताया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि बसपा की मुख्य राजनीतिक लड़ाई समाजवादी पार्टी से है।

हालांकि, भाजपा और बसपा के बीच किसी औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अंदरखाने संभावित समझदारी या चुनावी रणनीति को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बदलते समीकरणों ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दे दी है। अब देखना होगा कि यह नजदीकियां महज राजनीतिक रणनीति हैं या आने वाले चुनाव में किसी बड़े गठबंधन की भूमिका तैयार कर रही हैं।

तीनों मामलों में सांसद पप्पू यादव को मिली जमानत, समर्थकों में उत्साह

पटना (एजेंसी)। सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को राहत देकर अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज तीनों मामलों में जमानत दे दी है। इससे उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। एमपी-एमएलए विशेष अदालत में शुक्रवार को संबंधित मामलों पर सुनवाई हुई। बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि आरोपों का स्वरूप गंभीर नहीं है और अभियुक्त जांच में सहयोग कर रहे हैं। लेकिन सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध कर कहा कि मामले की निष्पक्ष सुनवाई के लिए सख्ती जरूरी है। हालांकि अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका स्वीकार कर ली। जानकारी के अनुसार, तीनों मामले अलग-अलग तिथियों में दर्ज किए गए थे और इनमें कोतवाली थाना कांड संख्या भी शामिल है। अदालत ने शर्तों के साथ जमानत मंजूर की है। इसके पहले पप्पू यादव को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होते ही उन्हें जेल से रिहा किया जाएगा। सांसद पप्पू यादव को जमानत की खबर मिलते ही समर्थकों ने खुशी जाहिर की है। कई कार्यकर्ताओं ने इस न्याय की जीत बताया। वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस फैसले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

गैंगस्टरों के खिलाफ सीएम मान की बड़ी स्ट्राइक, पुलिस ने 72 घंटे में 3 हजार गिरफ्तारियां

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को गैंगस्टर मुक्त बनाने के लिए 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के तहत 72 घंटे का 'ऑपरेशन प्रहार-2' चलाया गया। इस विशेष अभियान की अगुवाई गौरव यादव ने की, जिसमें राज्यभर में 12,000 पुलिसकर्मियों की 2,000 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान वांछित अपराधियों से जुड़े 8,278 ठिकानों पर छापेमारी की गई। 3 दिनों की कार्रवाई में कुल 7,498 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसमें से 3,260 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में 135 फरार अपराधी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 47 हथियार, 4.8 किलोग्राम हेरोइन, 3.6 किलोग्राम अफीम, 42,797 नशीली गोलियां, 68 किलोग्राम भुक्की और 30 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके अतिरिक्त 1,450 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया, जबकि जांच के बाद 2,788 व्यक्तियों को रिहा किया। विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि यह अभियान उम्मीद से अधिक सफल रहा है और राज्य को पूरी तरह गैंगस्टर मुक्त बनाने तक कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से सूचना दे सकते हैं। इसी दौरान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान के 347वें दिन 164 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 11.9 किलोग्राम हेरोइन, 344 नशीली गोलियां और 4,700 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। पिछले 347 दिनों में कुल 49,129 नशा तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। साथ ही 14 लोगों को नशा मुक्ति और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया गया है।

चुनावी रेवड़ी या महिला सम्मान? स्टालिन ने करोड़ों महिलाओं को दिए 5000 रुपये

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण के राज्य तमिलनाडू के सीएम एम के स्टालिन ने महिलाओं के लिए बड़ी आर्थिक सहायता की घोषणा कर 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के तहत 1.31 करोड़ महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में 5,000 रुपये जमा करवाए हैं। चेन्नई में जारी वीडियो संदेश में उन्होंने बताया कि फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के लिए अग्रिम रूप से 3,000 रुपये (प्रति माह 1,000 रुपये) दिए गए हैं, जबकि 2,000 रुपये की अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष सहायता भी प्रदान की गई है।

सीएम स्टालिन ने स्पष्ट किया कि यह केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक योगदान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के 'द्रविड़ मॉडल 2.0' के तहत यदि उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में आती है, तब वर्तमान 1,000 रुपये की मासिक सहायता राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये किया जाएगा। तमिलनाडु में 234 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को समाप्त हो रहा है और चुनाव 2026 की पहली छमाही में प्रस्तावित हैं। 2021 के चुनावों में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 133 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि एआईएमडीएमके को 66 सीटें मिली थीं।

यह योजना सितंबर 2023 में शुरू की गई थी और शुरुआत में 1.13 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिला था। बाद में इसका दायरा बढ़ाकर 1.31 करोड़ महिलाओं तक किया गया। स्टालिन सरकार का कहना है कि यह आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और परिवार की आय में सहयोग देने के उद्देश्य से दी जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनाव से पहले इतनी बड़ी राशि का वितरण विपक्ष द्वारा 'चुनावी रेवड़ी' कहा जा रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बता रहा है। अब देखना यह होगा कि आगामी चुनावों में महिलाओं का समर्थन किस दिशा में जाता है।

पूर्व सीजेआई गवई ने जेपीसी के समक्ष वन नेशन वन इलेक्शन का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक पर चल रही संसदीय पड़ताल के बीच भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव न तो संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है और न ही इससे संघीय ढांचे या लोकतांत्रिक प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह विधेयक लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के उद्देश्य से लाया गया है। जानकारी के मुताबिक, भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली जेपीसी के समक्ष जस्टिस गवई ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए केवल एक चुनावी चक्र को समायोजित करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने विधेयक की संवैधानिक वैधता का समर्थन करते हुए कहा कि इसके लागू होने से संविधान की मूल संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। बैठक के बाद समिति अध्यक्ष ने कहा कि यह प्रस्ताव संसद की विधायी क्षमता के दायरे में आता है और इससे व्यापक चुनाव सुधार संभव है।

अन्य पूर्व सीजेआई की राय- अब तक 129वें संविधान संशोधन विधेयक, 2024 पर छह पूर्व मुख्य न्यायाधीश समिति के सामने अपनी राय रख चुके हैं। इनमें रंजन गोगोई, डी. वाई. चंद्रचूड़, जे. एस. खेहर और जस्टिस गवई ने इसे संविधान के मूल ढांचे के अनुरूप बताया है। वहीं दूसरी तरफ यूयू ललित और संजिव खन्ना ने केशवानंद भारती मामला का हवाला देते हुए कुछ संवैधानिक चिंताएं जताई हैं।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर अंतिम फैसला संसद की प्रक्रिया और आवश्यक संवैधानिक संशोधनों के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन पूर्व न्यायाधीशों की राय ने बहस को नई दिशा दे दी है।

सेवानिवृत फौजियों के लिए किताब लिखने पर नए नियम? नरवणे विवाद पर सरकार का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर चल रहे विवाद के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों के लिए पुस्तक लेखन संबंधी नए दिशानिर्देश लाने के किसी प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। रक्षा सचिव सिंह ने कहा कि इसतरह के मामलों के लिए पहले से ही नियम और कानून मौजूद हैं, जिसमें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा दिशानिर्देशों का अभाव नहीं है, बल्कि यह है कि क्या किसी मौजूदा नियम का उल्लंघन किया गया है।

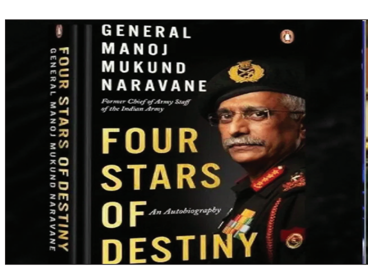

रक्षा सचिव सिंह ने बताया कि ईमानदारी से कहूं, मुझे इस विशेष मुद्दे की जानकारी नहीं है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं कि क्या नए दिशानिर्देशों पर विचार हो रहा है। मौजूदा दिशानिर्देश हैं और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम लागू होता है। मामले में मुद्दा यह नहीं है कि दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं, मुद्दा यह है कि क्या किसी ने उनका उल्लंघन करने की कोशिश की है। सार्वजनिक सूत्रों से मुझे पता चला है कि एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। हालांकि, मुझे किसी नए दिशानिर्देश की जानकारी नहीं है, और वैसे भी, संवेदनशील मामलों में मौजूदा दिशानिर्देश और मौजूदा कानून, विशेष रूप से ओएसए, लागू होते हैं।

यह घटना तब सामने आई जब राहुल गांधी ने बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जनरल नरवणे की आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देने की कोशिश की, इससे बजट सत्र के दौरान चीन के साथ 2020 के गतिरोध का मुद्दा चर्चा में आ गया और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। दिल्ली पुलिस ने 9 फरवरी को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार मंचों पर मिली जानकारी का संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी पुस्तक की एक प्री-प्रिंट प्रति प्रसारित हो रही है। स्पेशल सेल ने अभी तक स्वीकृत न हुई पुस्तक के कथित रिसाव/उल्लंघन के संबंध में मामला दर्ज किया है।

वहीं बताया गया हैं कि दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की पुस्तक के कथित रिसाव के संबंध में पेंगुइन इंडिया के अधिकारियों से लगातार दो दिनों तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, दोनों दिन पूछताछ कई घंटों तक चली, जिसमें जांचकर्ताओं ने पांडुलिपि और उसकी डिजिटल फाइलों के प्रबंधन और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया।

बर्फबारी से पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड तो कई मैदानी राज्यों में तापमान 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में फरवरी के दूसरे सप्ताह में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। मैदानी राज्यों में जहां गर्मी दस्तक देने लगी है, वहीं पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी का दौर जारी है।

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मध्य प्रदेश के 15 शहरों में पारा 30 डिगी तक पहुंच गया है। हालांकि सुबह और देर शाम हल्की ठंड अब भी महसूस की जा रही है। इसके उलट हिमालयी राज्यों में सर्दी का प्रकोप जारी है। उत्तराखंड के 7 शहरों में न्यूनतम तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मुनस्यारी में गुरुवार को पारा गिरकर माइनस 26 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन के सबसे कम तापमान में से एक है। हिमाचल प्रदेश के सात शहरों में भी तापमान 5 डिग्री से नीचे रहा। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी जारी है। अनंतनाग में बुधवार-गुरुवार को ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी होने के कारण मार्ग अब भी बंद है, जिससे आवाजाही प्रभावित है। मौसम विभाग ने अगले 12 घंटों में लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी तक बारिश के प्रभाव से तापमान में गिरावट और ठंड बढ़ने की संभावना है। 14 फरवरी को राजस्थान में मौसम साफ रहने और तापमान में 1-2डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान है, जबकि 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश के ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी से राहत मिल सकती है और निचले इलाकों में मौसम साफ रहने की संभावना है।

8वें वेतन आयोग लागू हुआ तो 1 से 5 लेवल तक के कर्मचारियों की होगी बल्ले-बल्ले

-एरियर की अवधि 18 से 24 महीनों तक की हो सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। वेतन आयोग की सिफारिशें फिटमेंट फॉर्मूले के तहत लागू होने की उम्मीद है। वहीं, सिफारिशें एक जनवरी 2026 से लागू होंगी तो ऐसे में कर्मचारियों को उम्मीद है कि उन्हें एरियर भी मिलेगा। एरियर की अवधि 18 से 24 महीनों तक की हो सकती है। अब सवाल है कि आखिर कितना एरियर मिलेगा। लेवल 1 से लेवल 5 तक के कर्मचारियों के लिए यह एरियर लाखों रुपए में मिल सकता है।

जानकारी के मुताबिक अगर 1 जनवरी 2026 को प्रभावी तिथि मानते हुए 20 महीनों का एरियर लिया जाए और फिटमेंट फैक्टर 2.0, 2.15, 2.28 या 2.57 के आधार पर गणना की जाए, तो लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों को एकमुश्त बड़ी रकम मिल सकती है। मान लीजिए कि सातवें वेतन आयोग के तहत लेवल 1 कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 18,000 रुपए है। वहीं, लेवल 5 कर्मचारियों की सैलरी 29,200 रुपए है। अब आठवें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों का 20 महीने का एरियर 3.60 लाख रुपए से 9.17 लाख रुपए तक बनता है। यह कैल्कुलेशन फिटमेंट फैक्टर 2.0, 2.15, 2.28 और 2.57 के आधार पर किया गया है।

बता दें एरियर की गणना का तरीका सीधा होता है। इसमें 7वें वेतन आयोग के तहत मौजूदा बेसिक पे पर स्वीकृत फिटमेंट फैक्टर लागू कर नई बेसिक सैलरी तय की जाती है। इसके बाद पुरानी और नई सैलरी के बीच का मासिक अंतर निकाला जाता है और उसे देरी के महीनों की संख्या से गुणा किया जाता है। आमतौर पर एरियर में बेसिक-पे का अंतर और संशोधित वेतन के मुताबिक महंगाई भत्ते का अंतर शामिल होता है।

बता दें हाल ही में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च कर दी है। आयोग ने पोर्टल पर एक संरचित प्रश्नावली के जरिए मंत्रालयों, विभागों, केंद्रीय कर्मचारियों और अन्य हितधारकों से सुझाव भी मांगे हैं। मतलब यह कि आप वेतन आयोग को किसी भी तरह के सुझाव दे सकते हैं। अगर सुझाव सही होंगे तो उस पर अमल भी किया जाएगा। बता दें केंद्र सरकार ने जनवरी 2025 में 8वें वेतन आयोग की घोषणा की थी, जबकि वित्त मंत्रालय ने 3 नवंबर को इसकी अधिसूचना जारी की।

सुनियोजित थी साजिश, रुपयों के लालच में दिए जहर वाले लड्डू

नई दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस ने पीरागढ़ी ट्रिपल मर्डर केस में बड़ा खुलासा करते हुए एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह सुनियोजित साजिश थी, जिसमें पैसों के लिए तीन लोगों को जहर देकर मार दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमरुद्दीन उर्फ बाबा, निवासी फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। यह गाजियाबाद के लोनी और फिरोजाबाद में तांत्रिक केंद्र संचालित कर रहा था। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताज़ा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें डीसीपी सचिन शर्मा के मुताबिक 8 फरवरी को पीसीआर कॉल के जरिए पश्चिम विहार ईस्ट थाने को सूचना मिली कि एक सफेद कार में तीन लोग अचेत अवस्था में पड़े हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार से 76 वर्षीय रणधीर (बापरोला), 42 वर्षीय शिव नरेश (नगली डेयरी) और 40 वर्षीय लक्ष्मी (जहांगीरपुरी) को बरामद किया। तीनों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कार की तलाशी में शराब की बोतलें, कोल्ड ड्रिंक, खाली गिलास, मोबाइल फोन, हेलमेट, जैकेट और अन्य दस्तावेज बरामद हुए। परिजनों ने आत्महत्या की संभावना से इनकार करते हुए संदेह जताया था।6 जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और लोकेशन डेटा की मदद से पाया कि तीनों मृतक कमरुद्दीन नामक तांत्रिक के संपर्क में थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने धनवर्षा के नाम पर विशेष तांत्रिक क्रिया कराने का झांसा दिया और उनसे दो लाख रुपये नकद, शराब व कोल्ड ड्रिंक लाने को कहा। तकनीकी साक्ष्यों से यह भी सामने आया कि घटना वाले दिन तीनों लोनी गए थे और आरोपी के संपर्क में रहे। पुलिस का दावा है कि आरोपी लोनी से उनकी कार में सवार हुआ और पीरागढ़ी तक साथ आया। रास्ते में उसने लड्डू में जहर मिलाकर उन्हें शराब और कोल्ड ड्रिंक के साथ सेवन कराया। तीनों के अचेत होने के बाद वह नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर मौके से फरार हो गया। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपी ने महिला के पहने गहने इसलिए नहीं लिया क्योंकि वह आर्टिफिशियल पाया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शुरुआत में उसने जांच को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उसकी कार में मौजूदगी की पुष्टि हुई। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी पूर्व में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, मृत महिला लक्ष्मी सबसे पहले अपने पति के इलाज के सिलसिले में जहांगीरपुरी निवासी सलीम के माध्यम से आरोपी तांत्रिक के संपर्क में आई थी। जांच में सामने आया है कि मुलाकात के दौरान आरोपी ने शॉल से पैसे निकालने जैसा करतब दिखाकर धनवर्षा का दावा किया और भरोसा दिलाया कि वह कुछ पैसों को तांत्रिक क्रिया के जरिए कई गुना बढ़ा सकता है। पुलिस का कहना है कि इसी विश्वास के बाद लक्ष्मी ने शिव नरेश और रणधीर को तांत्रिक से मिलवाया। आरोपी ने तीनों को दो लाख रुपये लाने के लिए कहा और आश्वासन दिया कि तंत्र-क्रिया के माध्यम से यह रकम तीन करोड़ रुपये तक बनाई जा सकती है। रविवार को पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर खड़ी कार से 76 वर्षीय रणधीर सिंह, 40 वर्षीय शिव नरेश और लक्ष्मी के शव मिलने के बाद शुरुआती जांच में लूट या संघर्ष के कोई संकेत नहीं मिले थे। कार में रखे मोबाइल फोन और महिला के गहने सुरक्षित पाए गए, जिससे पुलिस ने लूट की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया था। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर यह साफ हुआ कि मौत से पहले कार में तीन नहीं, बल्कि चार लोग मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, जब घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई, तो एक फुटेज में कार के भीतर चौथा व्यक्ति भी नजर आया। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक दर्जन से अधिक तांत्रिकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस सूत्रों का कहना है कि तकनीकी जांच में यह भी सामने आया है कि घटना वाले दिन तीनों मृतक पहले लोनी में एक तांत्रिक के घर पहुंचे थे। वहां से तांत्रिक को साथ लेकर सभी लोग टाटा टियागो कार में पीरागढ़ी फ्लाईओवर की ओर रवाना हुए। पुलिस के मुताबिक, पीरागढ़ी पहुंचने के बाद कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद तांत्रिक कार से बाहर निकल आया और मौके से फरार हो गया। घटना में मृत मिली महिला भी पुलिस के लिए पहेली बन चुकी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि महिला एक तांत्रिक के जरिए शिव नरेश के संपर्क में आई। उसके बाद रणधीर भी उसके संपर्क में आए। महिला मूलरूप से बिहार की रहने वाली है वह दिल्ली में जहांगीरपुरी में रहती है। बताया जा रहा है कि उसने दो शादियां की है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस मामले में मृत महिला ही तांत्रिकों से शिव नरेश और रणधीर का संपर्क कराने में अहम रही है। पुलिस को शक है कि तांत्रिक लंबे समय से तीनों मृतकों को तंत्र-मंत्र और विशेष क्रियाओं के जरिए असाधारण रूप से अमीर बनाने का भरोसा आदि दिला रहा। फिलहाल पुलिस यह पता लगा रही है कि तीनों की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। शक यह जाहिर किया जा रहा है कि तंत्र क्रियाओं के दौरान तीनों की मौत हुई है। हालांकि बाहरी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल इस मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

पूर्वोत्तर में बिगड़े हालात
सिक्किम का लाचेन गांव पूरी तरह से कटा

वन्यजीवों को भारी पड़ रहा अकेलापन, सदमे में तोड़ रहे दम

नई दिल्ली। लोहे की सलाखों के पीछे कैद जिंदगी, सीमित दायरा और प्रकृति से कटे हुए हालातज राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में वन्यजीवों की यह खामोश पीड़ा अब मौतों के आंकड़ों में बदलने लगी है। खुले जंगलों के लिए बने जीव, जब तंग बाड़ों और एकाकी जीवन में सिमटते हैं, तो उनका शरीर ही नहीं, मन भी टूटने लगता है। नतीजा यह है कि मानसिक तनाव, अकेलापन और बीमारी धीरे-धीरे उनकी सांसें छीन रही है। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताज़ा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें चिड़ियाघर में लगातार हो रही वन्यजीवों की मौतें न सिर्फ संरक्षण व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह भी पूछती हैं कि क्या हम सचमुच उन्हें बचा रहे हैं या बस जिंदा रहने का भ्रम दे रहे हैं। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच 127 वन्यजीवों की मौत हुई, जिनमें चिंकारा, काले हिरण, बारहसिंगा, नील गाय, भारतीय हॉग हिरण और चीतल जैसे प्रजाति के जानवर शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 35 जानवरों की मौत सदमे (शॉक) और 25 की मौत शारीरिक या मानसिक तनाव की वजह से हुई। पिछले वर्ष 2023-24 में 148 जानवरों में से 37 ने सदमे और 32 ने शॉक के कारण दम तोड़ा था। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, ये जानवर जंगल से अलग होने और चिड़ियाघर में कैद होने के कारण मानसिक और शारीरिक तनाव झेलते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, काले हिरण और शाकाहारी जानवर बहुत संवेदनशील होते हैं। छोटी आवाज या हल्की हरकत से भी वे डर जाते हैं और शारीरिक प्रतिक्रिया के कारण उनकी मौत तक हो सकती है। ऐसे में कैप्चर मायोपैथी, आपसी झगड़े और पर्यावरणीय बदलाव वन्यजीवों की मौत का बड़ा कारण हैं। चिड़ियाघर की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2025 तक 1,000 से अधिक वन्यजीवों

की मौत हुई है, जिसमें सदमा सबसे प्रमुख कारण रहा। शाकाहारी और कुत्ते जैसी प्रजातियों में दर्दनाक सदमा और कैप्चर मायोपैथी से मौतें अधिक देखने को मिली हैं। मर्सी फॉर एनीमल की सदस्य शिवांगी ने बताया कि जानवरों की मौत के अलग-अलग कारण हो सकते हैं, जैसे गर्मी, सर्दी, ट्रैफिक शोर, दर्शकों की छेड़खानी और कैद में जीवन। कोई भी जानवर कैद में रहना नहीं चाहता, जो रुपये चिड़ियाघरों पर खर्च किया जा रहा है, उसे प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और जंगल में रहने वाले जानवरों की मदद पर खर्च किया जाना चाहिए। चांदनी चौक के श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर स्थित पक्षियों के धर्मार्थ चिकित्सालय के डॉ. हरवतार सिंह का कहना है कि जानवरों का असली घर जंगल है। चिड़ियाघरों में आकर उन्हें सबकुछ बनावटी लगता है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है और उदासी बढ़ती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि चिड़ियाघरों में वन्यजीवों के रहने की शर्तें सुधारी नहीं गईं, तो भविष्य में और अधिक जानवरों की मौत का खतरा बढ़ सकता है। उनका कहना है कि प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और कैद में रहने वाले जानवरों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है।

काजल को चुकानी पड़ी इस भूल की कीमत; हुए नए खुलासे

नई दिल्ली/सोनीपत। दिल्ली पुलिस की कमांडो काजल की हत्या के मामले में अब एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज एंगल सामने आया है। परिजनों का दावा है कि काजल के पति अंकुर चौधरी का नाम उत्तर प्रदेश के एक पेपर लीक मामले से जुड़ा हुआ था, जिसकी पूरी जानकारी काजल को थी। इसी राज के उजागर हो जाने के डर ने अंकुर को इतना भयभीत कर दिया कि उसने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी।काजल के भाई निखिल और मां मीना ने आरोप लगाया है कि अंकुर और उसका एक दोस्त रुड़की में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक सेंटर चलाते थे। इस सेंटर का नाम पेपर लीक मामले और एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत से जुड़ा बताया जा रहा है। काजल को जब इस पूरे नेटवर्क की जानकारी मिली तो वह कई बार इसका जिक्र भी करने लगी थी। निखिल के मुताबिक, काजल मजाक में कहती थी कि मेरठ कांड से तो बच गए, लेकिन अगर मैंने राज उगल दिए तो मुश्किल हो जाएगी। परिजनों का दावा है कि इन्हीं बातों को लेकर अंकुर मानसिक दबाव में रहने लगा था। करीब छह महीने पहले इसी तनाव के चलते उसने काजल के साथ मारपीट की थी और बाद में पैर पकड़कर माफी भी मांगी थी। इसके बावजूद हालात नहीं बदले। काजल के पास पति से जुड़े ऐसे कई राज थे, जिनके सामने आने से अंकुर की नौकरी और आजादी दोनों पर खतरा मंडरा रहा था। अगर काजल ने उस वक्त ही सख्त कदम उठाया होता तो आज यहां तक न आती ये नौबत। मां मीना का कहना है कि प्रेम विवाह के चलते ससुराल पक्ष पहले से ही काजल को पसंद नहीं करता था। उसे रंग-रूप को लेकर ताने दिए जाते थे और ससुर ओमप्रकाश व ननद द्वारा अंकुर की दूसरी शादी कराने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। इसके साथ ही काजल पर आर्थिक बोझ भी डाला गया। शादी से पहले लिया गया 10 लाख का लोन, देवर की शादी में 15 लाख की ज्वैलरी और कार की किस्त तक काजल ही चुका रही थी। घटना 22 जनवरी की रात की है, जब द्वारका मोड़ स्थित फ्लैट में काजल और अंकुर के बीच विवाद हुआ। काजल ने उस रात भाई निखिल को फोन कर अपनी परेशानी बताई थी। बातचीत के दौरान फोन छिन गया और चिल्लाने की आवाज आई। कुछ ही मिनट बाद अंकुर ने फोन कर बताया कि उसने काजल को मार दिया है।

इंटेलक्ट का पर्पल फैब्रिक भारत का निर्णय-केंद्रित ओपन बिजनेस इम्पैक्ट एआई प्लेटफॉर्म, अब एंटरप्राइज एआई ऑन टैप के रूप में उपलब्ध

चेन्नई, भारत, 13 फरवरी। एआई-फर्स्ट, एंटरप्राइज-ग्रेड फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी में वैश्विक अग्रणी, इंटेलक्ट डिज़ाइन एरिना लिमिटेड ने आज घोषणा की कि पर्पल फैब्रिक, भारत का निर्णय-केंद्रित फुल-स्टैक ओपन बिजनेस इम्पैक्ट एआई प्लेटफॉर्म, अब ?99,500 प्रति माह पर %एंटरप्राइज एआई ऑन टैप% के रूप में उपलब्ध है। यह 50 उपयोगकर्ताओं तक को पारंपरिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बोझ के बिना बिजनेस इम्पैक्ट एआई को तैनात और स्केल करने में सक्षम बनाता है। यह कदम विश्वसनीयता-प्रथम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को प्रमाणित, भरोसेमंद,

गवर्नेंस-रेडी संस्थागत इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में स्थापित करता है। इंटेलक्ट के समर्पित एंटरप्राइज एआई रिसर्च प्रोग्राम द्वारा 2016 से भारत में संकल्पित और इंजीनियर किया गया पर्पल फैब्रिक, संस्थानों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपनाने के तरीके में एक संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। वैश्विक दुनिया के लिए भारत में निर्मित, यह प्लेटफॉर्म हमारे देश को केवल एआई तकनीक के उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि भरोसेमंद एंटरप्राइज एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माता के रूप में पेश करता है। मिड-मार्केट उद्यमों, वित्तीय संस्थानों, आईटी सेवा फर्मों, शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र और सरकारी वातावरण के लिए डिज़ाइन किया गया पर्पल फैब्रिक, संगठनों को बड़े आंतरिक एआई विभाग बनाने या पूंजी-गहन इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना कॉन्सीक्वेंस-अवेयर (परिणाम-जागरूक) एआई तैनात करने में सक्षम बनाता है। यह घोषणा 13 फरवरी को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (स्श्वद्बह्लङ्घ) द्वारा 16 से 20 फरवरी तक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में इंटेलक्ट की भागीदारी से पहले हुई।

मुस्लिम व्यक्ति ने दुकान का नाम रखा बाबा, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का हंगामा

कोटद्वार। कोटद्वार में एक दुकान का नाम बाबा रखने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा काट दिया। दो दिन पहले हुई मारपीट प्रकरण में शनिवार को देहरादून से आए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कोटद्वार में जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें किसी तरह से समझा कर थाने की ओर ले गए। करीब 20 मिनट तक पटेल मार्ग पर जाम लगा रहा। पटेल मार्ग स्थित कपड़े की दुकान का नाम बाबा रखने का बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई है। नाम पर विरोध जताने पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं की दुकानदार और उसके साथियों ने पिटाई कर डाली। घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। मामला तूल पकड़ता देख दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। वायरल वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ता पटेल मार्ग स्थित एक दुकान पर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं का कहना था कि उन्होंने दुकान का नाम बाबा के नाम पर रखने को लेकर पूर्व में आपत्ति जताई थी। जिस पर उन्होंने दुकान शिफ्ट होने पर नाम बदलने का आश्वासन दिया था, लेकिन दुकान शिफ्ट होने के बाद भी दुकान का नाम नहीं बदला गया है। वीडियो में कार्यकर्ता यह भी कह रहे हैं कि कोटद्वार में बाबा नाम केवल सिद्धबली बाबा का है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति स्वयं का नाम मोहम्मद दीपक बताते हुए मौके पर पहुंचता है। उसका कहना है कि दुकान 30 साल पुरानी है, इसलिए इस मामले में नेतागिरी न दिखाएं। आरोप है कि मोहम्मद दीपक नाम के इस व्यक्ति ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। कोतवाल प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

भगवंत मान सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के लिए साल भर का रोडमैप तैयार: हरपाल सिंह चीमा

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिससे आधुनिक प्रौद्योगिकी के द्वारा जागरूकता बढाई जा सके। वातावरण की संभाल और समाज सेवा प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराते हुए, कैबिनेट सब-समिति ने 650वीं शताब्दी को समर्पित हर जिले में 6.5 लाख पौधे लगाने की मुहिम शुरू करने के बारे में विचार-विर्मश किया। साल भर चलने वाले इन समागमों के हिस्के तौर पर सामाजिक सांझ और शारीरिक तंदरुस्ती को उत्साहित करने के लिए राज्य व्यापक खूनदान कैंप, मैराथन, साइकिल रैलियां और विशाल कीर्तन समागम भी करवाए जाएंगे। इस बैठक में मुख्य मंत्री पंजाब के विशेष प्रमुख सचिव और पर्यटन विभाग के सचिव कुमार अमित, पर्यटन विभाग के डायरैक्टर संजीव तिवाजी और डिप्टी डायरैक्टर यशपाल शर्मा भी उपस्थित थे।

जल्लाद बाप गिरफ्तार: बेटे के सिर को पत्थर से कुचला, आंख निकाली

नई दिल्ली। पत्नी को सबक सिखाने के लिए सौतेले पिता वाजिद खान ने 12 साल के बेटे अल्तमश की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को शाहदरा जीटी रोड से गिरफ्तार किया। आरोपी ने खुलासा किया कि उसकी दूसरी पत्नी के साथ एक हफ्ते से विवाद चल रहा था। धमकी के बावजूद वह मायके से नहीं आई, जिसके बाद उसने उसे सबक सिखाने की ठानी। पुलिस इससे बाकी पूछताछ कर रही है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि शास्त्री पार्क चौक लूप के पास 12 साल के लड़के का शव मिला था, जिसके सिर पत्थर से कुचला गया था। उसकी एक आंख निकाली गई थी। उसका कान काटने का प्रयास किया गया था। मृतक की पहचान शास्त्री पार्क झुग्गी निवासी अल्तमश के रूप में हुई। शुरुआती जांच में उसके परिवार वालों ने सौतेले पिता वाजिद खान पर हत्या करने का आरोप लगाया। परिवार वालों ने पुलिस को एक वीडियो भी सौंपा, जिसे आरोपी ने अपनी पत्नी को भेजकर उसके बेटे हत्या करने की बात कही थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। छानबीन में पुलिस को पता चला कि अल्तमश के पहले पिता की 2019 में मौत हो गई थी। मौत के कुछ महीने बाद ही उसकी मां मुमताज ने वाजिद खान से शादी कर ली। वाजिद पहले से शादीशुदा था। वह पेशे से ई रिक्शा चलाने का काम करता है। पुलिस ने उसके फोन नंबर सर्विलांस पर लगाए और देर रात उसे शाहदरा से गिरफ्तार कर लिया।

NAME CHANGE

I Nainsi D/o Dileep Kumar Verma R/o P-14, Rukmani Puram, Faizullganj, Lucknow, PO: Jankipuram, Dist: Lucknow, Uttar Pradesh- 226021 , have changed my name to Ayushi Verma

NAME CHANGE

I, Yash / Yashasvi /Yashasvir S/o Ravinder Singh R/o Flat No.251, Sangam Apartments, Pocket -24, Sector -24, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Yashasvi Singh Dahiya permanently

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं 2707633पी,रैंक लांस नायक, नाम हडमाना राम जाखड़निवासी ग्राम बिग्गा बास, रामसरा पोस्ट बिग्गा बास रामसरा,तहसील-श्री डूगंरगढ जिला-बीकानेर,(राजस्थान)-331803 मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम किरण भादू दर्ज हो गया है जबकि मेरी पत्नी के सिविल दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम किरण है मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम किरण दर्ज करवाना चाहता हूं।

NAME CHANGE

I,Rajesh Arora S/O Govind Narayan Arora R/O 49-Pragati nagar bhilwara Rajasthan 311001, Changed my name to Rajesh Kumar Arora.

NAME CHANGE

I, Km Najmeen D/O Masoom Ali R/O J1/72, 3rd floor gupta colony khirki extension delhi 110017, changed name to Najmeen Siddique.

NAME CHANGE

I, MD SARTAJ KHAN S/O MD MUMTAZ KHAN residing at H No.A-128,3rd Floor,Shaheen Bagh ,Abul Fazal Part -2 Jamia Nagar Okhla New DELHI-110025, have changed my name to MOHD SARTAJ KHAN

NAME CHANGE

I HEERA SINGH ARMY NO4487083W RANK HAV UNIT 19 SIKHLI RESIDENCE OF VILLAGE BUTT POST OFFICE BUNDALA TEHSIL AMRITSAR DISTT AMRITSAR PUNJAB 143413 DO HEREBY SOLEMNLY DECLARE THAT MY WIFE NAME WRONGLY WRITTEN IN MY ARMY RECORD AS HARJEET KAUR INSTEAD CORRECT NAME OF MY WIFE IS HARJIT KAUR. ALL CONCERNED NOTE .

सार्वजनिक सूचना

आम जनता एतद्वारा सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री पूरन सिंह और श्रीमती सुमन, R/O T-65, SF, प्राइवेट कॉलोनी ब्लॉक-T, श्रीनिवासपुरी, दिल्ली-110065 ने अपने पुत्र रोहित कुमार और पुत्र वधू रीना को उनकी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनसे अपने सभी रिश्ते खत्म कर दिए हैं, क्योंकि रोहित ने हमारे मुवक्किल की बिना सहमति और बिना इजाज़त के रीना से शादी कर ली है। यदि कोई भी व्यक्ति उनके साथ किसी भी प्रकार का कोई भी व्यवहार या लेंन देंन करता है, तो मेरे उपरोक्त मुवक्किल की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं होगी, वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा ।

विमलेश यादव एडवोकेट
चैंबर नंबर 125
पटियाला हाउस कोर्ट्स
नई दिल्ली-110001

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Mahrajuddin S/o Mr. Riyazuddin is the absolute owner of Freehold Residential Municipal House No. 691 & 692, area measuring 210 Sq. Yds. 175.65 Sq. Mtrs, Out of Khasra No. 1399 & 1400, Situated at Village Gadhi Pilkhuwa Pargana Dasna Tehsil Dhaulana District Hapur, Uttar Pradesh. by virtue, Gift Deed dated 29.11.2022 Vide Doc. No. 14528, Vol. No. 5579, Book No. 1, Pages No. 73-86, SRO-Dhaulana, Hapur., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate of Late Mrs. Amna Begum, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

Public Notice

I, Kapotri Devi, wife of Govind Ram, resident of H. No. 26, Gali No. 2, Near Bhardwaj General Store, Sahibabad, Ghaziabad, U.P.–201010, do hereby solemnly declare that previously my name appears as "Kavita Devi" in some records and documents, i now identify only as kapotari devi ,both the names refer to one and the same person, i.e., myself.

NAME CHANGE

I Vinita Rawat W/O Vipin Singh Rawat R/o House No-664 3rd Floor, Sarvahit Apartments Pocket-A, Golf Course Road, Dwarka Sector - 17, PO:N.S.I.T. Dwarka, DIST: South West Delhi, Delhi, 110078 have changed my name to Vineeta Rawat for all future purposes.

NAME CHANGE

I Maheshwari Devi W/O Jaswant Singh Rawat R/o House No-664 3rd Floor, Sarvahit Apartments Pocket-A, Golf Course Road, Dwarka Sector -17, PO:N.S.I.T. Dwarka, DIST: South West Delhi, Delhi, 110078 have changed my name to Maheshwari Rawat for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RUBI KUMARI is legally Wife of No. 14660541Y Rank- HAV Name-MANISH KUMAR SINGH presently residing at VILL-SHILANATH, PO-DULLIPATTI TEH-JAYNAGAR DIST- MADHUBANI (BIHAR)-847226 have changed my name from RUBI KUMARI to RUBI SINGH for all future purposes Vide Affidavit Dated 13/02/2026 before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE

I, KIRAN DEVI PRABHA is legally mother of No. 17002057M Rank-HAV Name- GAURI SHANKAR SINGH presently residing at VPO-KASMA MARAR, TEH-MADHUBANI, DIST-MADHUBANI, (BIHAR)-847228 have changed my name from KIRAN DEVI PRABHA and KIRAN KUMARI PRABHA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13/02/2026 before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE

I, ASHISH SINGH, S/o. SIPAHI SINGH, R/o. C-10, GALI NO-5, MBD SCHOOL, SHYAM VIHAR, PHASE-2, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, have changed my name from ASHISH SINGH to ASHISH KUMAR SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I DISHA KAUR W/O JASPAL SINGH DHUNNA R/O G-24 EKANKI ENCLAVE GREATER NOIDA SECTOR PI-1 KASANA KASNA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH 201310 HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON SARTAJ SINGH AGED 13 YEARS AND HE SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SARTAJ SINGH DHUNNA

NAME CHANGE

I Heena Begum / Tahira Be W/O Intakhab Alam R/O House No-1073 Kamra Bangasash Havely Anwar Ali Darya Ganj New Delhi-110002 Declare That Heena Begum And Tahira Be Are Same Person and Tahira Be Will Be Used For Future Purposes.

NAME CHANGE

I, ZAHIDA KHATOON W/O AINUL HAQUE KHAN R/O H NO-O-69-A, BATLA HOUSE NAFEES ROAD, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH EAST DELHI, DELHI-110025. have changed my name to ZAHIDA KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KISHOR BABBER S/o Pishori Lal R/o N-71-A, F/F, Vishnu Garden, Delhi-110018, have changed my name to KISHORE BABBER permanently

NAME CHANGE

I, ALAY NAVI S/o Tahir Husain R/o H.No.J-17/5, Street No.6, Chauhan Banger, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to AALE NABI permanently

NAME CHANGE

I, HEMA D/o Anand Kumar Sinha R/o B-77, Maharani Enclave, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to HEMA SINHA permanently

NAME CHANGE

I, ANAND KUMAR SINHA S/o Mundrika Prasad R/o D-53,Gali No.5, Vikas Enclave, Vikas Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to ANAND SINHA permanently

NAME CHANGE

I, SHEHLA ANJUM W/o Raziul Islam Khan R/o 259, Ikram House, Second Floor, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my name to SHEHLA ANJUM KHAN permanently

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Padam Singh S/O Late Sh. Prem Singh R/O B2/16, Ashok Vihar, phase-2, Delhi - 110052, has applied for certified paper of the afore said shop original possession letter & NOC for water and electric has been lost file no f20(22) 1984/IMPL SHOP NO-11, Ground floor CSC Market at Trilokpuri, Phase-3, Scheme No-1027 (Mayur Vihar phase-1) Delhi and FIR/NCR NO-99446/2026 to this effect has been lodged in the police station Crime Branch Delhi on dated 12/2/2026, Any Person(s) claiming any right, Interest having any objection or found in Possession of Original documents may write/contact 7840025000 and Dy. Director (CE) or Director (CE). A-block, 2nd Floor, Vikas Sadan INA, Delhi-23, within 15 days from the date of Publication of this Notice.

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Dauly Kumari has agreed to create mortgage the described property in favour of My client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Laxmi Nagar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Smt. Vimla have agreed to sell their property "Plot No. 11A, Area Measuring 65 Sq. Yds., Out of Khasra No. 14/1, Aditya Kailashpuram, Situated at Village Kirachpur Urf Kailashpur, Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated: 13-02-2026
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I, SRI NIVASAN Father of No-16019411W, Rank-HAV, Name-MUNIRAJ S resident of H. NO.4/346, VILL-CHINNATHABBAI YARIYUR, PO-JITTANDHALLI, TEHSIL-PALACODE, DISTT-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636805, have changed my name from SRI NIVASAN to SRINIVASAN PERUMAL for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 20/09/1966 instead of my correct date of birth as 22/07/1965 vide Affidavit dated 13/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KISHAN KUMAR S/O RAM DAS SHARMA R/O KOTHI NO-261, SECTOR-29 ,FARIDABAD, HARYANA-121008,HAVE CHANGED MY NAME TO KRISHAN SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, KULDEEP S/o KESHAV R/o VILLAGE GARH MIRAKPURR, GT ROAD, JHUNDPUR(34), SONIPAT HARYANA-131023, I HAVE CHANGED MY NAME KULDEEP KASHYAP FOR FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I Sakshi W/O Jatin Saini R/o House no. 156, Punjab National Bank Near Mandir Barwala Delhi-110039 have changed my name to Sakshi Mehra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SONU W/O LATE. BUDH RATAN R/O 26/151, Block 26, Trilok Puri, Dist: East Delhi, Delhi-110091, have changed the name of my minor daughter GUNGUN aged 17 years and She shall hereafter be known as MAHI.

NAME CHANGE

I, No-16013243M Rank-HAV Name-KESHAV KUMAR S/o MAHAVIR Presently residing at VPO- BYOHAI, TEH-MAHAWAN, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281308, have changed my mother's name from LAXMI DEVI to LAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 13/02/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तगण **1. कृष्ण उर्फ सोनू, पुत्रः ज्ञान चंद, 2. अशोक वैद, पुत्रः ज्ञान चंद, 3. रामवती, पत्नीः ज्ञान चंद और 4. ज्ञान चंद, पुत्रः गोपी चंद, निवासीः मकान नंबर–5/7, रेलवे कॉलोनी, लाल कुआं, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.:641/2016, CC No:7943/2023, U/s: 498A/406/34 IPC, पुलिस थाना सराय रोहिल्ला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. कृष्ण उर्फ सोनू, 2. अशोक वैद, 3. रामवती और 4. ज्ञान चंद** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. कृष्ण उर्फ सोनू, 2. अशोक वैद, 3. रामवती और 4. ज्ञान चंद** फरार हो गऐं है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना सराय रोहिल्ला, दिल्ली** के अभियुक्तगण **1. कृष्ण उर्फ सोनू, 2. अशोक वैद, 3. रामवती और 4. ज्ञान चंद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 16.03.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री मान्या
एलडी. जेएमएफसी, महिला कोर्ट (केंद्रीय–02),
कमरा नंबर 273, दूसरी मंजिल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1994/N/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में ग्रुप 'डी' में सीईटी अंकों के आधार पर होगा चयन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप 'डी' कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अब ग्रुप 'डी' पदों पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन पूर्ण रूप से सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के आधार पर किया जाएगा। जिन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक से कम निर्धारित है,उन्हें छोड़कर अन्य सभी पदों पर चयन पूरी तरह सीईटी में प्राप्त अंकों पर आधारित रहेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा गुरुवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार, अधिनियम की द्वितीय अनुसूची को प्रतिस्थापित कर नई चयन व्यवस्था लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत सामान्य पात्रता परीक्षा का कुल स्कोर 100 प्रतिशत सीईटी अंकों पर आधारित होगा। परीक्षा का पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित रहेगा। पहले भाग में 75 प्रतिशत अंक सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, मात्रात्मक योग्यता, अंग्रेजी, हिंदी तथा संबंधित विषयों के होंगे, जबकि दूसरे भाग में 25 प्रतिशत अंक हरियाणा के इतिहास, समसामयिक घटनाओं, साहित्य, भूगोल, पर्यावरण और संस्कृति से संबंधित होंगे। प्रश्नपत्र का स्तर माध्यमिक शिक्षा (मैट्रिक) का रहेगा। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 12 जनवरी, 2024 को हुई ग्रुप 'डी' सीईटी लिखित परीक्षा, जिसकी वैधता 11 जनवरी, 2027 तक है, उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के अंकों को अधिकतम 95 अंकों के सापेक्ष प्रतिशत में परिवर्तित कर संयुक्त मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

महम के पूर्व विधायक की सुरक्षा बढ़ाई, रोहतक पुलिस ने दर्ज की जीरो एफआईआर

रोहतक। पूर्व विधायक बलराज कुंडू से पांच करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है और साथ ही पूर्व विधायक के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच के लिए चंडीगढ़ भेजी है। महम के पूर्व विधायक बलराज कुंडू से फिरौती मांगने का मामला पुलिस के संज्ञान में आया है। बलराज कुंडू के रोहतक व गुरुग्राम में घर है। पुलिस ने ई-मेल के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा बीएनएसएस की धारा 197 के तहत कार्यवाही करते हुए थाना अर्बन एस्टेट में आरोपियो के खिलाफ धारा बीएनएस के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। जिस समय फिरौती की कॉल प्राप्त हुई उस समय बलराज कुंडू चण्डीगढ में थे। मामला चंडीगढ से संबंधित होने के कारण रोहतक पुलिस द्वारा जीरो एफआईआर को चण्डीगढ पुलिस के पास आगामी जांच के लिए भेजा गया है। इसके अतिरिक्त रोहतक में स्थित इनके आवास पर पुलिस सुरक्षा बढा दी गई है। आवास के पास 24 घंटे के लिये नाकाबंदी कर शस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है। संबंधित प्रभारी थाना को भी दिशा निर्देश दिये गये है। घर के आस-पास पेट्रोलिंग ड्यूटी भी लगाई गई है। मामले में जिला पुलिस द्वारा कानून अनुसार व परिवार की सुरक्षा को देखते हुए हर संभव कार्य किए जा रहे है।

आतंकी अब्दुल हत्या के बाद दो जेल अधिकारी निलंबित

फरीदाबाद। नीमका जेल में रात आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या के बाद जेल सुपरिटेंडेंट हरेंद्र सिंह और डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ सिक्योरिटी सचिन कौशिक को सरकार ने सस्पेंड कर दिया है। इस घटना के बाद जेल की सिक्योरिटी पर सवाल उठे थे। बुधवार को डीजीपी (जेल) आलोक मित्तल ने जेल का दौरा किया और सभी पहलुओं पर जांच की, जेल स्टाफ और कैदियों से पूछताछ की। उन्होंने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। सरकार ने दोनों को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए। आतंकी अब्दुल रहमान अल कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़ा था और कुख्यात आतंकी अबू सुफियान के संपर्क में था। उसे 2 मार्च, 2025 को एटीएस गुजरात और हरियाणा एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक हैंड ग्रेनेड और दूसरा आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ था। वह तब से जेल में बंद था। जेल में उसकी हत्या करने वाला गैंगस्टर जम्मू जिले का अरुण चौधरी जाट है। दिसंबर 2023 में सांबा के रहने वाले अक्षय शर्मा की हत्या के बाद उसका नाम सामने आया। उसे अक्टूबर 2024 में जम्मू-कश्मीर की कठुआ जेल से नीमका जेल में ट्रांसफर किया गया था। अरुण चौधरी को घटना से ठीक 20 दिन पहले नीमका जेल के चक्की सेल में शिफ्ट किया गया था। वह पहले से ही अब्दुल रहमान और दूसरे कैदी शोएब रियाज के साथ उसी सेल में बंद था। रविवार रात को उसने अब्दुल रहमान के सिर पर पत्थर से कई वार करके उसकी हत्या कर दी थी।

फोम फैक्ट्री में भीषण आग से भारी नुकसान

सोनीपत। सोनीपत के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित पैरामाउंट कंपनी की फोम फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटों और काले धुएं ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने से आसपास की फैक्ट्रियों और रिहायशी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में ज्वलनशील सामग्री अधिक मात्रा में मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। कर्मचारी और आसपास के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर फैक्ट्री परिसर और आसपास के क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। आग बुझाने के लिए लगातार पानी की बौछार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग के कारण सोनीपत-रोहतक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

निकाय चुनाव भाजपा की तैयारी मेयर-पार्षद के लिए 175 आवेदन

एजेंसी

सोनीपत। स्थानीय निकाय चुनावों की आहट के साथ राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने पत्रकार वार्ता करके यह जानकारी दी प्रदेशभर में चुनावी तैयारियां तेज कर संगठनात्मक स्तर पर प्रक्रिया को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि सभी निकायों में मजबूती के साथ चुनाव लड़ा जाएगा। सोनीपत में अब तक मेयर व पार्षद के लिए 175 आवेदन आए हैं। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने बताया कि प्रदेश में तीन नगर निगम, तीन नगर पालिका और एक नगर परिषद के लिए चुनाव प्रस्तावित हैं। इन चुनावों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है। जिला अध्यक्षों और चुनाव प्रभारियों के माध्यम से वार्ड स्तर पर

इच्छुक कार्यकर्ताओं से आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया संगठन के माध्यम से पारदर्शी ढंग से अपनाई जा रही है, ताकि योग्य और सक्रिय कार्यकर्ताओं को अवसर मिल सके। सोनीपत में मेयर पद के लिए पांच आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि वार्ड पार्षद पदों के लिए 170 से अधिक आवेदन आए हैं। जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी आवेदनों की छंटनी की जाएगी। इसके बाद एक स्क्रीनिंग कमेटी गठित होगी, जो संबंधित जिलों का दौरा कर दावेदारों से बातचीत करेगी और स्थानीय समीकरणों का आकलन करेगी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर प्रत्याशियों के नाम तय किए जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का मुख्य फोकस जिताऊ उम्मीदवारों पर रहेगा। संगठन में सक्रिय, स्वच्छ छवि और मजबूत जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सिटिंग-गेटिंग के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी नए चेहरों को भी अवसर देने पर विचार करेगी, ताकि संगठन में नई ऊर्जा आए। प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि सुनियोजित रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर पार्टी निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित कॉलेज कैडर असिस्टेंट प्रोफेसर जूलोजी भर्ती में युवतियों ने युवकों को पछाड़ दिया है। भर्ती में चयनित हुए 84 अभ्यर्थियों में से 70 युवतियां शामिल हैं। केवल 14 युवकों को असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का अवसर मिला है।हरियाणा लोक सेवा आयोग ने साल 2024 में 91 पदों के लिए कॉलेज कैडर असिस्टेंट प्रोफेसर जूलोजी भर्ती प्रक्रिया शुरू की। जिसमें जनरल के लिए 47, ओएससी के लिए 9, डीएससी के लिए 9, बीसी ए के लिए 10, बीसी बी के लिए 7 व ईडब्ल्यूएस के लिए 7 पद रिजर्व किए गए थे। हालांकि बाद में आयोग ने केवल 84 पदों पर ही परिणाम जारी किया है। 7 पद उचित कैंडिडेट नहीं मिलने व कोर्ट केस के चलते रिक्त रखे गए हैं। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा जारी किए गए प्रोविजनल परिणाम के बाद हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग ने चयनित अभ्यर्थियों को कॉलेज अलॉट किए हैं। अभी भर्ती पर 12 केस पेंडिंग हैं। जिसके चलते भर्ती के परिणाम और ज्वाइनिंग को टेम्परेरी कहा जा रहा है। विभाग के द्वारा इसे फाइनल तब माना जाएगा, जब कोर्ट से भर्ती संबंधित सभी केसों का निपटारा हो जाएगा। विभाग ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपना चरित्र सत्यापन करवा कर अपने कॉलेज के जरिए विभाग को भिजवाए। हरियाणा से बाहर के राज्यों से भी भर्ती में 10 अभ्यर्थी चुने गए हैं। जिसमें उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर, गोरखपुर व सहारनपुर से 1-1 कैंडिडेट, पंजाब के रुपनगर, एसएएस नगर से 1-1 कैंडिडेट तथा हिमाचल के हमीरपुर, उना, मंडी से एक-एक कैंडिडेट तथा चंडीगढ़ व पश्चिम बंगाल से भी एक-एक शामिल है।

महेंद्रगढ़ में 15 खेलों के खुलेंगे खेलो इंडिया केंद्र

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने देश भर में 139अतिरिक्त खेलों इंडिया केंद्रों को मंजूरी दी है। इसके तहत महेंद्रगढ़ जिले में भी विभिन्न 15 खेलों के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। खेल विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में निम्नलिखित 15 खेल विधाओं में केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनमें ताइक्वांडो, वुशु, कराटे, जू-जित्सु, कुराश, रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग, सेलिंग, शूटिंग, साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, सेपकटकरा, इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी), स्क्वैश और गोल्फ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रों की स्थापना के लिए उन संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास खेल के लिए पर्याप्त मैदान और आधुनिक ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो। खिलाड़ियों के लिए बोर्डिंग (रहने) की सुविधा हो। वही स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और एथलीटों के प्रदर्शन का एक

KHELO INDIA

बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड हो। उन्होंने बताया कि सरकार की इस योजना का मुख्य उद्देश्य पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों को रोजगार और कोचिंग के अवसर देना भी है। इच्छुक संस्थान या पात्र एथलीट अपना आवेदन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

सवाल पूछना कमजोरी नहीं, बल्कि बुद्धिमानी की निशानी : डीसी अपराजिता

एजेंसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूंडरी का दौरा कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया और छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान डीसी ने जॉयफुल एक्टिविटी में भाग लेकर बच्चों को जिज्ञासु बनने और बिना झिझक सवाल पूछने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सवाल पूछना कमजोरी नहीं, बल्कि बुद्धिमानी की निशानी है, इसलिए अपने अंदर 'क्यों' और 'कैसे' की भावना हमेशा जीवित रखें। डीसी अपराजिता ने कहा कि कई बार बच्चे डर या झिझक के कारण सवाल नहीं पूछते और गलत उत्तर के भय से जवाब देने से भी कतराते हैं। खासकर गणित जैसे विषयों से बच्चों में भय देखा जाता है। जॉयफुल एक्टिविटी का

उद्देश्य बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना और खेल-खेल में व्यावहारिक ज्ञान देना है। उन्होंने विज्ञान विषय की विभिन्न प्रयोगशालाओं और कक्षा कक्षों का भी निरीक्षण किया तथा छात्राओं द्वारा किए जा रहे प्रयोगों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने विभिन्न रसायनों के नाम और उनके उपयोग के बारे में सवाल-जवाब किए। डीसी ने कहा कि किताबी ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण प्रैक्टिकल नॉलेज है, क्योंकि जब बच्चे स्वयं प्रयोग करते हैं तो विषय की समझ और भी मजबूत होती है। इसके बाद डीसी ने मिड डे मील की गुणवत्ता और स्कूल में बने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर उन्होंने स्कूल प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और अध्यापकों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि कक्षा में केवल कुछ ही नहीं, बल्कि सभी बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल किया जाए। जो बच्चे सवाल पूछने से झिझकते हैं, उन्हें विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाए और उनका मनोबल बढ़ाया जाए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी दिव्यता मैहर, जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल, जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुशील कुमार, प्रधानाचार्य सहित अन्य शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कठवाड़ में रात्रि प्रवास कार्यक्रम में गांव को मिली ई-लाइब्रेरी की सौगात

एजेंसी

कैथल। प्रदेश सरकार के 'प्रशासन जनता के द्वार' विजन के तहत जिला प्रशासन द्वारा गांवों में रात्रि प्रवास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार की रात कठवाड़ में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अपराजिता ने ग्रामीणों के साथ चौपाल में बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। अन्य समस्याओं के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक लीला राम और पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़ भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पहुंचने पर सरपंच हरविंद्र कौर और ग्रामवासियों ने डीसी व प्रशासनिक अधिकारियों का स्वागत किया। पंचायत की ओर से मनीष कठवाड़ ने तालाब की सफाई, बस स्टॉप पर बसों के ठहराव, डिस्पेंसरी

निर्माण, ई-लाइब्रेरी स्थापना, स्कूल में अतिरिक्त कमरों का निर्माण और स्टेडियम बनाने की मांग रखी। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने तालाब ओवरफ्लो, पेयजल किल्लत, पेंशन, लोन स्वीकृति, जमीन अधिग्रहण मुआवजा, जन्म प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त आदि से जुड़ी समस्याएं उठाईं।

डीसी ने गांव में ग्रामीणों के सहयोग से संचालित लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कठवाड़ में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की नींव है और ई-लाइब्रेरी से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गांव में जलभराव और गंदे पानी की निकासी की समस्या के समाधान के लिए उपायुक्त ने संबंधित विभाग को माइक्रो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशासन का उद्देश्य लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना है और समस्याओं का समाधान उनके द्वार पर ही करना है।

उपायुक्त अपराजिता ने नशामुक्ति और सड़क सुरक्षा पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और अपराध मुक्त समाज की शुरुआत गांव से होती है। नशा तस्करी की सूचना तुरंत पुलिस को दें तथा वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहनें।

हेलीपैड पर मिले हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्रियों की चंडीगढ़ में हुई मुलाकात चर्चा का विषय बन गई है। इस मुलाकात के दौरान हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद थे। इससे पहले एसवाईएल के मुद्दे पर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच संयुक्त बैठक हुई थी। उसके बाद पहला मौका था जब नायब सिंह सैनी तथा भगवंत मान की मुलाकात हुई। चंडीगढ़ में हरियाणा तथा पंजाब के मुख्यमंत्रियों का हेलीकाप्टर राजेंद्रा पार्क से ही उड़ान भरता है। दोनों राज्य एक ही हेलीपेड का इस्तेमाल करते हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को फरीदाबाद जाना था। इसके लिए नायब सैनी राजेंद्रा पार्क पहुंचे। इसी दौरान पता चला कि पंजाब दौरे से लौट रहे और उनका हेलीकाप्टर लैंड करने वाला है। ऐसे में दूसरा हेलीकाप्टर उड़ान नहीं भर सकता है। नायब सैनी ने अपने आवास पर लौटने की बजाए वहीं इंतजार किया। इसी दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का हेलीकाप्टर वहां लैंड किया तो नायब सैनी ने पहले उनके साथ मुलाकात की और उसके बाद चंडीगढ़ से उड़ान भरी।

हरियाणा पुलिस भर्ती में फर्जी शेड्यूल वायरल, आयोग ने बताया फेक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में पुलिस भर्तियों को लेकर चल रही आवेदन प्रक्रिया के बीच सोशल मीडिया पर पीएमटी (शारीरिक मापन परीक्षा) व पीएसटी (शारीरिक दक्षता परीक्षा) का फर्जी शेड्यूल वायरल होने से प्रदेश के लाखों युवाओं में अफरा-तफरी मच गई।जांच के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने इसे फेक बताया है। हिम्मत सिंह ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अभी अगला अधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है लेकिन बीती रात शरारती तत्वों ने सोशल मीडिया पर पुलिस भर्तियों को लेकर पीएमटी व पीएसटी का कार्यक्रम जारी कर दिया।आयोग जल्द ही जारी पीएमटी और पीएसटी की तारीख जारी करेगा। सोशल मीडिया पर पुलिस कांस्टेबल भर्ती के पीएमटी और पीएसटी के तिथि को लेकर एक गलत नोटिस प्रसारित की जा रही है। आयोग द्वारा आधिकारिक रूप से पीएमटी और पीएसटी को लेकर किसी भी तरह की कोई तिथि की घोषणा नहीं की गई है।बीती रात हरियाणा के सोशल मीडिया ग्रुपों में वायरल हुई सूचना में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के

हवाले से कहा गया कि उम्मीदवारों के लिए शारीरिक परीक्षा (पीएमटी) 28 मार्च 2026 से आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा विज्ञापन संख्या 01/2026, श्रेणी 01 के अंतर्गत पुरुष कांस्टेबल पद के लिए संभावित रूप से आयोजित की जा रही है। चयनित उम्मीदवारों का विवरण, पीएमटी की तिथि और समय तथा प्रवेश पत्र डाउनलोड करने का लिंक आयोग की वेबसाइट पर शीघ्र ही प्रकाशित किया जाएगा। सभी उम्मीदवारों को आगे की जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट पर नियमित रूप से विजिट करने की सलाह दी जाती है।उल्लेखनीय है कि हरियाणा पुलिस में 5500 कांस्टेबलों के लिए करीब तीन लाख युवाओं ने आवेदन किया है। इसके लिए 31 जनवरी आवेदन की अंतिम तिथि थी। आवेदन के बाद अभ्यर्थी इन दिनों पीएमटी व पीएसटी की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

हरियाणा विधानसभा की बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक 19 को

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के 20 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। राजनीतिक दलों के साथ-साथ सरकार तथा विधानसभा सचिवालय में लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। इस बीच हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने 19 फरवरी को बिजनेस सलाहकार कमेटी की बैठक बुला ली है। इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है।बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, उर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा, समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, डिप्टी स्पीकर कृष्णलाल मिढ्ढा, पूर्व शिक्षा मंत्री व झज्जर विधायक गीता भुक्कल, हिसार से निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल व रानियां से इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला मौजूद रहेंगे। वृद्धावस्था पेंशन रोकने व कटौती, बारिश से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे, धान खरीद घोटाले, हरियाणा लोकसेवा आयोग व हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की भर्तियों, नशे के बढ़ते प्रचलन, कानून व्यवस्था सहित कई मुद्दों पर विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है। पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में पिछले दिनों नई दिल्ली में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हो चुकी है। बैठक में सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर मोटे तौर पर चर्चा हो चुकी है। हुड्डा ने 19 फरवरी को फिर से विधायक दल की बैठक बुलाई है ताकि बजट सत्र को लेकर पूरी प्लानिंग को अंतिम रूप दिया जा सके। वहीं इनेलो के दोनों विधायक भी सत्र में कई ध्यानाकर्षण प्रस्ताव व प्रश्न लगाएंगे। उनके द्वारा मुद्दों को चिह्नित किया जा चुका है। सरकार के कई मंत्रियों के अलावा विधायकों (पक्ष व विपक्ष) की ओर से स्पीकर हरविन्द्र कल्याण से आग्रह किया गया है कि बजट सत्र के दौरान सिंगल सिटिंग ही रखी जाए। मंत्रियों व विधायकों का तर्क है कि एक ही दिन में डबल सिटिंग होने से कामकाज भी प्रभावित होता है और अच्छे नतीजे भी नहीं आ पाते। उनका कहना है कि सत्र की अवधि बेशक बढ़ा दी जाए लेकिन सिटिंग सिंगल ही होनी चाहिए।

हरियाणा में सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनों में 200 रुपये मासिक बढ़ोतरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भत्तों एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की दरों में वृद्धि का बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने सभी तरह की पेंशनों में 200 रुपये मासिक की बढ़ोतरी के आदेश जारी कर दिए हैं। यह बढ़ी हुई दर 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होगी, जिसका भुगतान फरवरी 2026 में लाभार्थियों के खातों में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 21 अक्टूबर को बुढ़ापा पेंशन तीन हजार रुपये से बढ़ाकर 3200 रुपये मासिक करने की घोषणा की थी और यह एक नवंबर से दी जानी थी। सामाजिक न्याय एवं अंत्योदय कल्याण विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी नहीं किए जाने के चलते पात्र लोगों को बढ़ी हुई पेंशन नहीं मिल पाई थी। उनके खातों में सिर्फ तीन हजार रुपये मासिक के हिसाब से पेंशन डाली जा रही थी। अब अगले दो दिनों के भीतर सभी पात्र लोगों के खातों में नवंबर, दिसंबर और जनवरी की 200 रुपये मासिक की दर से बढ़ी हुई पेंशन 600-600 रुपये भेज दिए जाएंगे। नायब सिंह सैनी ने बुधवार की रात को अपने निवास पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को सख्त आदेश दिए कि भविष्य में यदि किसी व्यक्ति की पेंशन रोकी जानी है अथवा काटी जानी है, उसके मोबाइल फोन पर संदेश भेजा जाएगा। अधिकारियों ने इस संबंध में काम शुरू कर दिया। इनेलो ने 20 फरवरी को पंचकूला और कांग्रेस ने 15 फरवरी को रोहतक में बुढ़ापा पेंशन काटने के विरोध में आंदोलन करने की घोषणा कर रखी है। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी तथा परिवार पहचान पत्र प्राधिकरण के संयोजक सतीश खोला ने दावा किया कि राज्य में किसी भी व्यक्ति की पेंशन नहीं रोकी गई है। फिलहाल विभाग के पास कोई पेंशन होल्ड नहीं है। यदि किसी पेंशन में कोई त्रुटि होगी तो भविष्य में संबंधित लोगों को मैसेज भेजकर इसकी जानकारी दी जाएगी।सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भत्तों एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार यह बढ़ी हुई दरें 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होंगी, जिनका भुगतान फरवरी 2026 में लाभार्थियों को किया जाएगा। सरकारी आदेशों के अनुसार लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, दिव्यांगजन पेंशन (बौने व्यक्तियों सहित), निराश्रित महिलाओं एवं विधवाओं को वित्तीय सहायता, विधुर एवं अविवाहित व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता योजना-2023, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, दुर्लभ रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता, स्टेज-III एवं स्टेज-IV कैंसर रोगियों को वित्तीय सहायता तथा किन्नर पेंशन योजना के तहत अब लाभार्थियों को 3200 रुपये प्रतिमाह पेंशन/सहायता प्रदान की जाएगी।

सीडीएलयू की आईक्यूएसी की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

एजेंसी

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) सिरसा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)की बैठक हुई, जिसमें कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति विजय कुमार ने बैठक में इंडियन नॉलेज सिस्टम को शैक्षणिक गतिविधियों में और अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने, सॉफ्टवेयर के उपयोग को बढ़ाकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सशक्त बनाने तथा प्रत्येक विभाग में स्किल-बेस्ड लैब को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। इसके साथ ही भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि डीन ऑफ कॉलेजिज एवं डीन रिसर्च के सहयोग से एफडीपी (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) आयोजित किए जाएंगे, जिनमें यूसीआईके सेंटर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में कम से कम एक स्मार्ट क्लासरूम उपलब्ध है तथा सभी स्टाफ सदस्यों को तकनीकी एवं अकादमिक रूप से प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है, ताकि उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विभाग अपने-अपने स्तर पर नेक मानकों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करेगा व समयबद्ध रूप से प्रगति रिपोर्ट आईक्यूएसी को प्रस्तुत करेगा, जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता को ओर अधिक सुदृढ़ किया जा सके। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राजकुमार तथा आईक्यूएसी समन्वयक डॉ मंजू नेहरा ने बैठक में नेक के नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए सभी विभागों को आवश्यक दस्तावेजीकरण, डेटा संकलन एवं गुणवत्तापरक गतिविधियों को सुदृढ़ करने के बारे में बताया।

पीएम सूर्य घर योजना ने दो साल में हासिल किए नए मुकाम

- पीएम मोदी ने कहा, हमारे जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं भगवान सूर्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के दो साल पूरे होने पर इसे सराहा। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य हमारे जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं और यह योजना भी उन्हीं से रोशन है। पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किया कि यह देशवासियों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। इसके साथ उन्होंने संस्कृत श्लोक भी साझा किया, जिसका अर्थ है कि निरंतर क्रियाशील व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर- निशुल्क बिजली योजना की शुरुआत 14 फरवरी 2024 को की गई थी। इसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 तक एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाना है, जिसके लिए 75,021 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। यह पहल दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सोलर योजना मानी जा रही है। जनवरी 2026 तक योजना के तहत 29 लाख से अधिक परिवारों को लाभ पहुंच चुका है। पोर्टल के अनुसार अब तक 60,87,665 आवेदन

प्राप्त हुए और 23,60,365 आरटीएस सिस्टम लगाए गए हैं। इसके जरिए 29,37,640 परिवारों को बिजली मिल रही है। सरकार ने अब तक 16,920.15 करोड़ की सब्सिडी जारी की है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार कर रही है। इससे घरों में स्वच्छ, निःशुल्क बिजली उपलब्ध हो रही है और भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नया आकार दिया जा रहा है। पीएम सूर्य घर योजना न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने के मामले में लीबिया पहले स्थान पर

1 कप चाय की कीमत में मिल रहा 5 लीटर पेट्रोल

मुंबई। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले देशों की लिस्ट में बड़े चौंकाने वाले तथ्य हैं। इन देशों में पेट्रोल की कीमत भारतीय नजरिए से न सिर्फ बहुत कम है, बल्कि कई में तो पेट्रोल की कीमत भारत में बिकने वाले एक कप चाय से भी सस्ती है। लीबिया दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत मात्र 2.15 रुपये है। यानी कए कप चाय की कीमत में करीब 5 लीटर पेट्रोल यहां मिल रहा है। भारत के अधिकतर शहरों में एक कप चाय की कीमत 10 से 15 रुपये के बीच है। इस लिस्ट में ईरान दूसरे स्थान पर है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 2.59 रुपये है। जबकि, सबसे महंगा तेल हांगकांग में 340.53 रुपये लीटर है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डॉट कॉम के हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों पर आधारित है। लीबिया में पेट्रोल 2.15 रुपए, ईरान 2.59 रुपए, वेनेजुएला 3.17 रुपए, अंगोला 29.63 रुपए, कुवैत 30.98 रुपए, अल्जीरिया 32.89 रुपए, तुर्कमेनिस्तान 38.78 रुपए, मिस्र 40.65 रुपए, कजाकिस्तान 45.06 रुपए और कतर में 46.02 रुपए प्रति लीटर है। अगर भारत की बात करें तो शुक्रवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दी हैं। पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलवा नहीं हुआ है। देश में सबसे सस्ता पेट्रोल आज भी पोर्ट ब्लेयर में 82.46 रुपए प्रति लीटर और डीजल 78.05 रुपए प्रति लीटर है। भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले शहर इस प्रकार हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः 82.46 प्रति लीटर, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेशः 90.87 प्रति लीटर, सिलवासा, दादरा और नगर हवेलीः 92.37 प्रति लीटर, दमन, दमन और दीवः 92.55 प्रति लीटर, हरिद्वार, उत्तराखंडः 92.78 प्रति लीटर, रुद्रपुर, उत्तराखंडः 92.94 प्रति लीटर, उना, हिमाचल प्रदेशः 93.27 प्रति लीटर, देहरादून, उत्तराखंडः 93.35 प्रति लीटर, नैनीताल, उत्तराखंडः 93.41 प्रति लीटर। सबसे सस्ता डीजल बेचने वाले शहर हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः 78.05 प्रति लीटर, इटानगर, अरुणाचल प्रदेशः 80.38 प्रति लीटर, जम्मू, जम्मू और कश्मीरः 81.32 प्रति लीटर, सांबा, जम्मू और कश्मीरः 81.58 प्रति लीटर, कठुआ, जम्मू और कश्मीरः 81.97 प्रति लीटर, उधमपुर, जम्मू और कश्मीरः 82.15 प्रति लीटर, चंडीगढ़ः 82.44 प्रति लीटर, और राजौरी, जम्मू और कश्मीरः 82.64 रुपए प्रति लीटर।

कर्ज वसूली एजेंटों पर आरबीआई सख्त, जबरन और धमकी पर रोक का प्रस्ताव

देनदारियों की अदायगी में अनुचित दबाव डालने पर भी रोक होगी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और उनके रिकवरी एजेंटों द्वारा उधारकर्ताओं के साथ जबरन या अपमानजनक व्यवहार रोकने के लिए नए मसौदा दिशानिर्देश पेश किए हैं। ये नियम उधारकर्ताओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करेंगे। प्रस्तावित नियम 1 जुलाई, 2026 से लागू होंगे और इस पर फीडबैक 4 मार्च, 2026 तक दिया जा सकता है।

मसौदा दिशानिर्देश में स्पष्ट किया गया है कि उधारकर्ताओं के साथ धमकी, अपमान, बार-बार या गुमनाम कॉल, अनुचित संदेश या सार्वजनिक अपमान करना निषिद्ध होगा। इसके अलावा उधारकर्ता की देनदारियों की अदायगी में अनुचित दबाव डालना भी रोक होगा। बैंकों को वसूली से संबंधित शिकायतों के निपटान के लिए समर्पित तंत्र बनाना होगा। सभी कॉल की **संख्या, समय और रिकॉर्डिंग का हिसाब रखा जाएगा। कॉल और दौरे केवल सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच किए जा सकते हैं। उधारकर्ता किसी विशेष समय पर संपर्क न करने का अनुरोध कर सकता है। पारिवारिक आपात स्थिति, विवाह, त्योहार या शोक जैसी परिस्थितियों में वसूली प्रयास नहीं किए जाएंगे। माइक्रोफाइनेंस ऋण के मामले में वसूली केवल सहमति से तय स्थान पर होगी। एजेंट केवल उधारकर्ता या गारंटर से संपर्क करेंगे, और बातचीत में सभ्यता, शालीनता और मर्यादा बनाए रखेंगे। सभी एजेंटों को आईआईबीएफ से प्रमाणित प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। बैंकों को एजेंटों के लिए आचार संहिता बनानी होगी और सभी शाखाओं, कार्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अद्यतन एजेंट सूची प्रदर्शित करनी होगी।

एप्पल भारत में छठा स्टोर बोरीवली में खोलेगी, उद्घाटन 26 फरवरी को

नई दिल्ली। आईफोन निर्माता एप्पल भारत में अपने छठे स्टोर के साथ मुंबई में दूसरा स्टोर खोलने जा रही है। कंपनी ने अप्रैल 2023 में मुंबई और दिल्ली में अपने पहले दो स्टोर शुरू किए थे। इसके बाद 2025 में बेंगलुरु (एप्पल हेब्बल) और पुणे (कोरेगांव पार्क) में स्टोर खुले। हाल ही में नोएडा में भी नया स्टोर शुरू हुआ। बोरीवली स्टोर को उद्घाटन से पहले बैरिकेडिंग से ढका गया है। बैरिकेडिंग पर मोर से प्रेरित विशिष्ट डिजाइन नजर आ रहा है, जिसे सबसे पहले बेंगलुरु स्टोर में पेश किया गया था और बाद में पुणे तथा नोएडा स्टोर्स में भी अपनाया गया। कंपनी के बयान के अनुसार यह डिजाइन आत्मविश्वास, बारीकी और आगमन की भावना को दर्शाता है। बैरिकेडिंग का उद्देश्य स्टोर के अंदर चल रहे काम को छिपाना और ब्रांड के उद्घाटन को आकर्षक बनाना है। बयान में कहा गया है कि बोरीवली स्टोर का उद्घाटन 26 फरवरी को किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने स्विच नीलामी से पुराने बॉन्ड बदले, ऋण प्रबंधन मजबूत किया

- सरकार ने 8.30 प्रतिशत जीएस 2040 के 69,436.15 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

मुंबई। केंद्र सरकार ने हाल ही में स्विच नीलामी के तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 75,504.43 करोड़ मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-एसईसीएस) वापस खरीदी। इसके बदले में सरकार ने 69,436.15 करोड़ रुपए के नए बॉन्ड जारी किए। वित्त मंत्रालय के अनुसार इस परिचालन का उद्देश्य अगले वित्त वर्ष में बड़ी परिपक्वताओं से पैदा होने वाले दबाव को कम करना और ऋण अदायगी की बेहतर योजना बनाना है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि वापस खरीदी गई सरकारी प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाली थीं। इनमें 7.27 प्रतिशत जीएस 2026 के 3,527.69 करोड़ रुपये, 8.33 प्रतिशत जीएस 2026 के 34,957.71 करोड़ रुपये, 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 के 19,958.78 करोड़ रुपये और 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 के 17,060.24 करोड़ रुपये शामिल हैं। इन प्रतिभूतियों के बदले में सरकार ने 8.30 प्रतिशत जीएस 2040 के 69,436.15 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए। इस स्विच परिचालन का मकसद अगले वित्त वर्ष में 5.47 लाख करोड़ रुपये की परिपक्वताओं से पैदा होने वाले दबाव को कम करना और ऋण अदायगी देनदारियों का बेहतर प्रबंधन करना है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश बजट में सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसके पीछे अगले वित्त वर्ष में होने वाली परिपक्वताओं की बड़ी भूमिका रहने वाली है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रुपये आंकी है, जो वित्त वर्ष 2025-26 से लगभग 50,000 करोड़ रुपये अधिक है।

रुपया हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को एक पैसे की बढ़त के साथ ही 90.60 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुझान से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने से रुपये समेत उभरते बाजारों की मुद्राओं में तेजी की संभावना सीमित हो गई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.69 पर खुला जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.61 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.94 पर रहा।

महंगाई के नए आंकड़ों के बाद भी आरबीआई नहीं बदलेगा ब्याज दरें: रिपोर्ट

- आरबीआई की प्राथमिकता महंगाई और बाजार में तरलता संभालना होगी

नई दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नए आधार वर्ष 2023-24 के तहत जनवरी 2026 में हेडलाइन सीपीआई 2.75 फीसदी पर रहा, जो अनुमान के मुताबिक है। वहीं कोर महंगाई 3.46 फीसदी पर आ गई, जो पुराने अनुमान से बेहतर स्थिति दर्शाती है। खाद्य महंगाई 2.11 फीसदी पर रही। आंकड़ों के अनुसार नए आधार वर्ष ने डेटा की गणना अधिक सटीक और व्यापक बनाई है। खाने-पीने का वजन लगभग 46 फीसदी से घटकर 40 फीसदी हुआ और बाजारों, शहरों तथा वस्तुओं को ज्यादा शामिल किया गया। कोर सीपीआई में गिरावट मुख्यतः गोल्ड सीपीआई के भार घटने के कारण आई। सोने को छोड़कर कोर महंगाई बढ़कर 2.91 फीसदी हुई, जो अंतर्निहित महंगाई के कमजोर होने का संकेत देती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आधार वर्ष बदलने से आरबीआई की नीतिगत सोच में तुरंत कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। मौद्रिक नीति समिति सिर्फ सालाना आंकड़ों पर नहीं, बल्कि महंगाई की रफ्तार और आगे के ट्रेंड पर ज्यादा ध्यान देगी। आने वाले महीनों में आरबीआई की प्राथमिकता महंगाई और बाजार में तरलता संभालना होगी। इसलिए ब्याज दरों को फिलहाल यथावत रखने की संभावना है।

प्रसन्ना कुमार डी बने आईसीएआई के 74वें अध्यक्ष, मंगेश उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने वर्ष 2026-27 के लिए प्रसन्ना कुमार डी को 74वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इसके साथ ही मंगेश पांडुरंग किनारे संस्थान का नया उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। यह चुनाव आईसीएआई की 26वीं काउंसिल द्वारा संपन्न किया गया। प्रसन्ना कुमार डी चार दशकों से अधिक समय से पेशेवर लेखांकन क्षेत्र से जुड़े हैं। वे 1984 में चार्टर्ड अकाउंटेंट बने और आईसीएआई में उपाध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे। पेशेवर दक्षता के अलावा, वे वॉलीबॉल खिलाड़ी भी हैं। आईसीएआई दुनिया के सबसे बड़े पेशेवर लेखा निकायों में से एक है। इसमें 15 लाख से अधिक सदस्य और छात्र जुड़े हैं। भारत में इसके 5 क्षेत्रीय परिषदें और 185 शाखाएं हैं। वैश्विक स्तर पर संस्थान के 54 विदेशी चैप्टर और 31 प्रतिनिधि कार्यालय सक्रिय हैं।

अमेरिका और ताइवान के बीच नया व्यापार समझौता

- ताइवान अपने 99 प्रतिशत शुल्क अवरोधों को कम करने पर सहमत

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इस समझौते के तहत ताइवान ने अपने 99 प्रतिशत शुल्क अवरोधों को हटाने या कम करने पर सहमति दी है। इसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत और सरल बनाना है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका कंप्यूटर चिप्स के उत्पादन में ताइवान पर काफी हद तक निर्भर है। 2025 के पहले 11 महीनों में चिप्स के निर्यात के कारण अमेरिका और ताइवान के बीच लगभग 127 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज किया गया। व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने बताया कि ताइवान से अमेरिका आने वाले निर्यात पर अब 15 प्रतिशत शुल्क या अमेरिकी सरकार की सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र दर लागू होगी। यह दर जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य अमेरिकी व्यापार साझेदारों के समान है। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान अमेरिका की ओर से व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर उपस्थित थे। ताइवान की ओर से उप प्रधानमंत्री ली-चिड़न चेंग और विदेश व्यापार ब्यूरो की महानिदेशक जेन-नी यांग शामिल हुए। यह समारोह ताइवान में अमेरिकी संस्थान और अमेरिका में ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित हुआ। यह समझौता राष्ट्रपति ट्रंप की अप्रैल में प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले हुआ। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका और ताइवान के आर्थिक संबंध और मजबूत और गहरे होने की संभावना है।

शेयर बाजार में कोहराम

सेंसेक्स 1,048 , निफ्टी 336 अंक लुढ़का

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.16 अंक टूटकर 82,626.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 336.10 अंक फिसलकर 25,471.10 पर बंद हुआ। बाजार में आज सबसे अधिक गिरावट धातु शेयरों में रही। आज निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी पीएसई) और निफ्टी कंजम्पशन भी नीचे आये। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावर ग्रिड, बीईएल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस टेक, एनटीपीसी, इन्फोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई के शेयर गिरे जबकि बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयरों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ-साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1,032.85 अंक टूटकर 59,438 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 311.20 अंक फिसलकर 1.79 17,032.90 पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 690 अंकों की गिरावट के साथ 82,985 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 25,589 पर खुला और इसमें लगभग 0.85 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को गिरावट रही। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी अनिश्चितताओं और टेक शेयरों में बिकवाली से भी वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। जापान का निक्केई 225 करीब 1.69 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.5 फीसदी नीचे रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 लगभग 1.3 फीसदी कमजोर हुआ। अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने टेक्नोलॉजी शेयरों से दूरी बनाई, साथ ही आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के नतीजों का आकलन किया। एसएंडपी 500 में 1.57 फीसदी की गिरावट रही। नैस्डैक कंपोजिट 2.03 फीसदी टूटा, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.34फीसदी नीचे बंद हुआ।

आरबीआई का बड़ा कदमः बैंकिंग में पारदर्शिता और ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित

- आरबीआई के नए नियम 1 जुलाई 2026 से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने कॉमर्शियल बैंक्स-रिस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट अमेंडमेंट डायरेक्शन 2026 का मसौदा जारी किया। इसका उद्देश्य ग्राहकों को गलत बिक्री और धोखाधड़ी से बचाना और बैंकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। नए नियम के तहत अगर कोई बैंक ग्राहक को अनावश्यक उत्पाद बेचता है, तो उसे न केवल पूरी राशि लौटानी होगी बल्कि ग्राहक को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। यह कदम 1 जुलाई 2026 से लागू होगा और बैंकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। मार्केटिंग और ग्राहक संपर्क की प्रक्रिया भी अब पूरी तरह बदल जाएगी। बैंक या उनके प्रतिनिधि बिना स्पष्ट सहमति के कॉल या मैसेज नहीं कर सकेंगे, और संपर्क केवल कार्यालय घंटों तक ही सीमित रहेगा। इसका मकसद ग्राहकों की निजता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने बैंक कर्मचारियों और डायरेक्ट सेलिंग एजेंट्स के लिए भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं। बैंक की आंतरिक नीतियां ऐसी नहीं होंगी जो गलत बिक्री को प्रोत्साहित करें। थर्ड-पार्टी उत्पादों जैसे बीमा और निवेश योजनाओं पर सीधे या अप्रत्यक्ष कमीशन की अनुमति नहीं होगी। टाई-इन सेल यानी एक उत्पाद के साथ दूसरे उत्पाद को जबरन बेचने की प्रथा पूरी तरह बंद होगी। डिजिटल बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ाने के लिए डार्क पैटर्न डिजाइनों को भी प्रतिबंधित किया जाएगा। ये डिज़ाइन तकनीकें ग्राहकों को भ्रमित कर अनजाने में सहमति लेने का काम करती हैं। मसौदे में लगभग एक दर्जन भ्रामक डिजाइनों की पहचान की गई है जिन्हें अब उपयोग नहीं किया जा सकेगा। यह मसौदा वर्तमान में सार्वजनिक चर्चा के लिए उपलब्ध है। आम जनता और सभी संबंधित पक्ष 4 मार्च 2026 तक अपने सुझाव और आपत्तियां दे सकते हैं। इसके आधार पर नियमों को अंतिम रूप देकर अगले साल जुलाई से लागू किया जाएगा। नया नियम ग्राहकों की सुरक्षा और बैंकिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम है।

भारत अगले 5 वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाने की राह परः नायडू

- हर 33 दिन में एक नया हवाई अड्डा या टर्मिनल हो रहा है तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए आधार का काम करते हैं और इससे क्षेत्र में बड़े निवेश अवसर उत्पन्न होंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि विमानन सुरक्षा को प्रभावित किए बिना हवाई अड्डों के आसपास की इमारतों की ऊंचाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकाला जा रहा है। वर्तमान में देश में 165 हवाई अड्डे चालू हैं और औसतन हर 33 दिन में एक नया हवाई अड्डा या टर्मिनल तैयार हो रहा है। नायडू ने कहा कि 2030 तक रियल एस्टेट क्षेत्र का आकार लगभग 1000 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है, जबकि 2047 तक यह 5000-7000 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। उन्होंने युवाओं के लिए किराये पर आवासीय परियोजनाओं के विकास और जीवन गुणवत्ता पर ध्यान देने पर जोर दिया। यह जानकारी हाल ही में उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय शहरी एवं रियल एस्टेट विकास सम्मेलन 2026 में दी, जिसका आयोजन नारेडको ने किया।

जनवरी में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को जानकारी दी कि जनवरी 2026 में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 4,49,616 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने के 3,99,386 इकाई की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। सियाम के अनुसार जनवरी में दोपहिया वाहनों की बिक्री में सबसे तेज वृद्धि देखी गई। जनवरी 2026 में 19,25,603 इकाई विक्रय हुई, जबकि जनवरी 2025 में यह संख्या 15,26,218 थी, यानी 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी। तिपहिया वाहनों की बिक्री भी बढ़ी और सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 75,725 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी महीने में यह 58,167 इकाई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि वाहन बाजार में मांग में तेजी बनी हुई है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की मजबूत बिक्री ने वृद्धि दर को बढ़ावा दिया है, जबकि घरेलू यात्री वाहन भी सकारात्मक रुझान दिखा रहे हैं। उद्योग विशेषज्ञ इसे भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र के स्थिर और पुनरुत्थानशील प्रदर्शन के संकेत के रूप में देख रहे हैं।

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

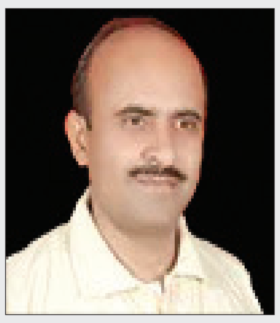

कमलेश पांडेय

> बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण।

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था।

चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश ($2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।

यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से ₹बहुत मैत्रीपूर्ण₹ चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है।

वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी ₹समानता-आधारित₹ पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।

यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर ₹बराबरी के रिश्ते₹ चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां ₹इंडिया-न्यूट्रल₹ मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया–जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, 'बांग्लादेश फर्स्ट' नारा यानी ₹ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश' कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने 'री-अश्योरेंस सिग्नल' माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

संपादकीय

रेरा को सही फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण अर्थात रेरा को जो कड़ी फटकार लगाई, उसके लिए वही उत्तरदायी है। इस प्राधिकरण का गठन जिन उम्मीदों के साथ किया गया था, वह उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। रेरा की लचर कार्यप्रणाली के चलते न जाने कितने लोग अदालतों का दरवाजा खटखटाने के लिए बाध्य होते हैं और सब जानते हैं कि वहां से न्याय मिलने में समय लगता है। रेरा की निराशाजनक कार्यप्रणाली को इससे समझा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़ा कि उसे बंद करना ही बेहतर है। उसने यह कठोर टिप्पणी भी की कि वह दिवालिया बिल्डरों को राहत देने के अलावा और कुछ नहीं कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि वह फ्लैट खरीदारों के हितों की रक्षा करने के स्थान पर उन बिल्डरों की पक्षधरता करता है, जिन पर उसे निगाह रखनी चाहिए, ताकि वे अपने प्रोजेक्ट समय पर पूरा करें और उनमें मनमाने तरीके से बदलाव न कर सकें। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने रेरा के खिलाफ कठोर टिप्पणी हिमाचल प्रदेश के एक मामले में की हो, लेकिन उसका यह आकलन तो लगभग सभी राज्यों के रेरा पर लागू होता है कि जिन लोगों के हितों की रक्षा के लिए इसे बनाया गया था, वे निराश और हताश हैं और उन्हें कोई प्रभावी राहत नहीं मिल रही। संभवतः इसीलिए उसने यहां तक कहा कि यदि इस संस्था को समाप्त भी कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि समय आ गया है कि सभी राज्य रेरा के नए सिरे से गठन पर विचार करें। इसमें संदेह है कि उसकी ओर से स्पष्ट निर्देश के बिना ऐसा हो सकेगा। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार यह देखे कि सभी राज्यों के रेरा सही तरह काम करें, क्योंकि सबमें खामियां घर कर गई हैं। कई मामलों में यह देखने में आया है कि रेरा ने उन बिल्डरों का बचाव किया, जो फ्लैट खरीदारों से साफ तौर पर वादाखिलाफी कर रहे थे। यदि रेरा के अस्तित्व में होने के बाद भी देश भर में लाखों प्रोजेक्ट अटके पड़े हैं तो इसका अर्थ है कि कहीं कुछ बड़ी गड़बड़ है। बहुत दिन नहीं हुए, जब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष ही यह उजागर हुआ था कि दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में बिल्डरों ने बैंकों से मिलकर लाखों फ्लैट खरीदारों के साथ ठगी की। यह ठगी सबवेंशन स्कीम के जरिये की गई। सबवेंशन स्कीम के तहत किसी परियोजना के तहत स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में भेजी जाती थी। उन्हें घर खरीदारों को फ्लैट सौंपने तक ईएमआइ का भुगतान करना होता था, लेकिन कई मामलों में बिल्डरों ने फ्लैट तैयार किए बिना ईएमआइ का भुगतान बंद कर दिया। इस पर बैंक फ्लैट खरीदारों से शेष ईएमआइ की मांग करने लगे। इसे अन्याय और अंधेर के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता।

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं।

गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है।

सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया।

राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है।

भारतीय राजनीति की सशक्त और संवेदनशील आवाज थी सुषमा स्वराज

सुरेन्द्र शर्मा

सुषमा स्वराज भारतीय राजनीति की उन विरल हस्तियों में से थीं जिन्होंने अपने व्यक्तित्व, वाक्पटुता, संवेदनशीलता और कार्यकुशलता से जनमानस में विशेष स्थान बनाया। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्त्रोत, कुशल प्रशासक और करुणामयी नेता थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और विशेष रूप से भारत की विदेश मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल ऐतिहासिक माना जाता है। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा का प्रतीक है।।

सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी 1952 को हरियाणा के अंबाला कैंट में हुआ था। उनके पिता श्री हरदेव शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे, जिससे बचपन से ही उनके भीतर राष्ट्रसेवा की भावना विकसित हुई। उन्होंने अंबाला के सनातन धर्म कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से विधि (एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त की। छात्र जीवन में वे एक उत्कृष्ट वक्ता और सक्रिय छात्रनेता रहीं। वे कई बार ह्यसर्वश्रेष्ठ वक्ताह्न का पुरस्कार जीत चुकी थीं, जिससे उनकी भाषण कला का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सुषमा स्वराज ने बहुत कम आयु में राजनीति में प्रवेश किया। मात्र 25 वर्ष की उम्र में वे हरियाणा विधानसभा की सदस्य बनीं और 27 वर्ष की आयु में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बन गईं। उस समय वे देश की सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री थीं। यह उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और दृढ़ निश्चय का प्रमाण था। उन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई और जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से भी जुड़ी रहीं।

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद सुषमा स्वराज ने पार्टी के संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा की सदस्य रहीं। वर्ष 1998 में वे दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं, हालांकि उनका कार्यकाल अल्पकालिक रहा। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। हर पद पर उन्होंने दक्षता और ईमानदारी से कार्य किया।

सुषमा स्वराज की पहचान एक ओजस्वी वक्ता के रूप में भी रही। संसद में उनके भाषण तार्किक, प्रभावशाली और मर्यादित होते थे। वे विपक्ष में रहते हुए भी अपनी बात मजबूती से रखती थीं और सत्ता में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करती थीं। वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में समान दक्षता से बोलती थीं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण विशेष रूप से सराहा गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान की।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह पद केवल सरकार की आलोचना करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाने, नीतियों की समीक्षा करने और जनता की आवाज को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने का दायित्व भी निभाता है। सुषमा स्वराज ने वर्ष 2009 से 2014 तक 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने अपनी वाक्पटुता, तर्कशक्ति, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से इस पद की गरिमा को नई ऊँचाई दी

नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज की सबसे बड़ी पहचान उनकी प्रभावशाली और मर्यादित वक्तृत्व शैली थी। वे अपने भाषणों में तथ्यों, तर्कों और उदाहरणों का संतुलित उपयोग करती थीं। उनकी भाषा में तीखापन तो होता था, लेकिन वह कभी व्यक्तिगत कटाक्ष या असंसदीय शब्दों तक नहीं पहुँचता था। वे सरकार की नीतियों की कठोर आलोचना करती थीं, परंतु सदैव संसदीय मयार्दा का पालन करती थीं।

जब भी संसद में कोई महत्वपूर्ण विधेयक या मुद्दा चर्चा के लिए आता, सुषमा स्वराज विपक्ष की ओर से स्पष्ट और सुविचारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती थीं। उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता था, क्योंकि वे केवल विरोध के लिए विरोध नहीं करती थीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव भी देती थीं।

भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मुखर भूमिका 15वीं लोकसभा के दौरान केंद्र में तत्कालीन सरकार के विरुद्ध कई बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जैसे 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला आवंटन घोटाला (कोलगेट), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला आदि। इन मुद्दों पर सुषमा स्वराज ने विपक्ष की ओर से सशक्त आवाज उठाई।

उन्होंने संसद में इन मामलों की निष्पक्ष जाँच और जवाबदेही की मांग की। कई बार संसद में गतिरोध की स्थिति बनी, लेकिन उनका तर्क था कि जब तक गंभीर आरोपों पर स्पष्टता नहीं आएगी, तब तक सरकार को जवाब देना होगा। उनके नेतृत्व में विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग उठाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पान्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीँ इंटरनेट के इस दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बो तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है।

वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नही सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवको के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फासी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए।

कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन । आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा। यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते है प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेडिये ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेडिये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरो की सफाई करते थे साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोक प्रिय हो गई। एक अन्य किंदवंती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिडियों के प्रजनन की शुरूआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोश के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगो में एकरूपता नजर नही आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है।

आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है ? वैलेन्टाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नही है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने मे देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है जहाँ युवक युवतिया प्यार की सही परिभाषा नही जान पाये हैं। वह इस बात को नहीं समझ पा रहे है प्यार को आप एक दिन के लिए नहीं बाँध सकते। वह तो प्यार को हंसी मजाक का खेल समझ रहे है। आज का प्यार मैगी के नूडल जैसा बाजारू बन गया है जो दो मिनट चलता है। सच्चे प्रेमी के लिए तो पूरा साल प्रेम का प्रतीक बना रहता है लेकिन आज के बाजार ने प्यार की परिभाषा बदल दी है। इसका प्रभाव यह है 14 फरवरी को प्रेम दिवस का रूप दे दिया गया है जिसके चलते संसार भर के कपल प्यार का इजहार करने को उत्सुक रहते हैं। जहां चीन में यह दिन नाइट्स ऑफ सेवेन्स प्यार करने वालों के लिए खास होता है, वहीं जापान व कोरिया में इस पर्व को वाइट डे का नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, इन देशों में इस दिन से पूरे एक महीने तक लोग अपने प्यार का इजहार करते हैं। आज 14 फरवरी का कितना महत्व बढ गया है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है इस अवसर पर बाजारों में खासी रौनक छा जाती है। गिफ्ट सेंटर में उमड़ने वाला सैलाब, चहल पहल इस बात को बताने के लिए काफी है यह किस प्रकार आम आदमी के दिलो में एक बड़े पर्व की भांति अपनी पहचान बनने में कामयाब हुआ है। इस अवसर पर प्रेमी होटलों , रेस्तारा में देखे जा सकते हैं।

यूं तो हमारी संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का दूसरा रूप बताया गया है अतः प्रेम करना गुनाह और प्रेम का विरोधी होना सही नहीं होगा लेकिन वैलेंटाइन के नाम पर जिस तरह का पश्चिमीपरस्त विस्तार हो रहा है वह सही नहीं है। वैसे भी यह प्रेम की स्टाइल भारतीय जीवन मूल्यों से किसी तरह मेल नहीं खाती। आज का वैलेंटाइन डे भारतीय काव्य शास्त्र में बताये गए मदनोत्सव का पश्चिमी संस्करण प्रतीत होता है लेकिन बड़ा सवाल जेहन में हमारे यह आ रहा है क्या आप प्रेम जैसे चीज को एक दिन के लिए बाध सकते है? शायद नहीं। एक समय ऐसा था जब राधा, कृष्ण , मीरा वाला प्रेम हुआ करता था जो आज के वैलेंटाइन प्रेमियों का जैसा नहीं होता था। आज लोग प्यार के चक्कर में बर्बाद हो रहे है। हीर- रांझा, लैला- मजनू रोमियो-जूलियट के प्रसंगों का हवाला देने वाले हमारे आज के प्रेमी यह भूल जाते है मीरा वाला प्रेम सच्ची आत्मा से सम्बन्ध रखता था। आज तो प्यार बाहरी आकर्षण की चीज बनती जा रही है। प्यार को गिफ्ट और पॉकेट में तोला जाने लगा है। वैलेंटाइन के प्रेम में फसने वाले कुछ युवा सफल तो कुछ असफल साबित होते है। जो असफल हो गए तो समझ लो बरबाद हो गए क्युकि यह प्रेम रुपी बग बड़ा खतरनाक है। एक बार अगर इसकी जकड में आप आ गए तो यह फिर भविष्य में भी पीछा नहीं छोडेगा। असफल लोगों के तबाह होने के कारण यह वैलेंटाइन डे घातक बन जाता है। वैलेंटाइन के नाम पर आज हमारे समाज में जिस तरह की उद्दंडता हो रही है वह चिंतनीय ही है। संपन्न तबके साथ आज का मध्यम वर्ग और अब निम्न तबका भी इसके मकड़ जाल में फसकर अपना पैसा और समय दोनों खराब करते जा रहे है। आज वैलेंटाइन की स्टाइल बदल गई है। गुलाब, गिफ्ट दिए,पार्टी में थिरके बिना काम नही चलता। यह मनाने के लिए आपकी जेब गर्म होनी चाहिए। यह भी कोई बात हुई क्या जहाँ प्यार को अभिव्यक्त करने के लिए जेब की बोली लगानी पड़ती हो ?

आज के समय में वैलेंटाइन प्रेमियों की तादात बढ रही है। साल -दर -साल। इस बार भी प्रेम का सेंसेक्स पहले से ही कुलाचे मार रहा है। वैलेंटाइन ने एक बड़े उत्सव का रूप ले लिया है। मॉल , गिफ्ट, आर्चीस , डिस्को थेक का आज इससे चोली दामन का साथ बन गया है। अगर आप में यह सब कर सकने की सामर्थ्य नही है तो आपका प्रेमी नाराज। बस फिर प्रेम का द एंड समझे। प्यार का स्टाइल समय बदलने के साथ बदल रहा है। वैलेंटाइन प्रेमी भी हर साल बदलते ही जा रहे है। आज प्यार की परिभाषा बदल गई है। वैलेंटाइन का चस्का हमारे युवाओ में तो सर चढ़कर बोल रहा है लेकिन उनका प्रेम आज आत्मिक न होकर क्षणिक बन गया है। उनका प्यार पैसों में तोला जाने लगा है। आज की युवा पीढ़ी को न तो प्रेम की गहराई का अहसास है न ही वह सच्चे प्रेम को परिभाषित कर सकती है। उनके लिए प्यार मौज मस्ती और सैर - सपाटे का खेल बन गया है जहाँ बाजार में प्यार नीलाम हो गया है और पूरे विश्व में इस दिन प्यार के नाम पर मुनाफे का बड़ा कारोबार किया जा रहा है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

यमन में सुरक्षा बलों द्वारा अलगाववादी प्रदर्शन को तितर-बितर करने के दौरान कम से कम 5 की मौत, कई घायल

सना , एजेंसी। अधिकारियों और अलगाववादियों ने बुधवार को बताया कि यमन के मुख्य अलगाववादी समूह के समर्थकों और स्थानीय सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार में नव नियुक्त कानूनी मामलों के मंत्री एशराक अल-मक्तारी ने एक्स पर लिखा कि शबवा प्रांत में 'दर्दनाक घटनाएं' घटी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों खालिद अल-मेरफेदी और सलेम लाहतल ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यमन की अलगाववादी दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद के समर्थकों द्वारा अताक शहर में प्रांत के स्थानीय प्रशासनिक प्राधिकरण भवन पर धावा बोलने के दौरान झड़पें भड़क उठीं, जिसके दौरान यमनी ध्वज को उतारने का प्रयास किया गया।

श्रीलंका :सांसद की हत्या के 12 संदिग्धों को मौत की सजा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने सांसद अमरकीर्ति अथुकोरले और उनके सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में 12 संदिग्धों को मौत की सजा सुनाई है। गम्पाहा हाईकोर्ट ने कुल 41 आरोपियों में से 16 को दोषी पाया, इनमें से 4 को निलंबित कारावास की सजा मिली है। घटना 9 मई 2022 की है, जब देशव्यापी आर्थिक संकट के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गए थे। भीड़ ने सांसद की गाड़ी रोककर उनकी बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसी जनाक्रोश के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा था।

धार्मिक भावनाएं आहत करने पर भारतवंशी को 14 सप्ताह की जेल

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने धार्मिक भावनाएं आहत करने और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में भारतवंशी विक्नेश्वरन वी. मोगनावल को 14 सप्ताह की जेल की सजा सुनाई है। पड़ोसियों के बच्चों के शोर से नाराज होकर उसने दीवाली के दिन कॉरिडोर में सूअर का मांस फैला दिया, जबकि उसे पता था कि वे मलय-मुस्लिम हैं। अभियोजन ने इसे असहिष्णु कृत्य बताया। हालांकि, बाद में आरोपी ने अदालत में माफी मांगते हुए पश्चाताप जताया।

रूसी ड्रोन हमले में पिता और तीन बच्चों की मौत, गर्भवती घायल

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खार्किव में रूसी ड्रोन हमले में एक घर पूरी तरह तबाह हो गया। इसमें एक पिता और उसके तीन छोटे बच्चों की मौत हो गई। बचावकर्मियों ने 35 सप्ताह की गर्भवती को मलबे से जिंदा निकाला, जो गंभीर रूप से घायल है। अधिकारियों के अनुसार, हमला गेरान-2 ड्रोन से किया गया। रूस ने रातभर में 129 ड्रोन दागे। वहीं, यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के वोल्गोग्राद में औद्योगिक संयंत्र में आग लगी और कई हवाईअड्डों पर उड़ानों को अस्थायी रूप से रोका गया है।

ईरान : प्रदर्शनों पर राष्ट्रपति पेजेशकियान ने मांगी जनता से माफी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने देशव्यापी प्रदर्शनों व उसके बाद खूनी कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को माफी मांगी। राष्ट्रपति ने प्रदर्शनों को लेकर फैलाए कथित पश्चिमी दुष्प्रचार की भी निंदा की। उन्होंने कहा, वह प्रदर्शनों और उनके खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुए लोगों के गहरे दुख को समझते हैं लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि इस रक्तपात में ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका थी।

अल्बानिया में हिंसक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया में पीएम एडी रामा के कार्यालय के बाहर हुआ सरकार विरोधी प्रदर्शन मंगलवार रात हिंसक हो गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें व आंसू गैस छोड़ीं, जबकि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर मोलोटोव कॉकटेल व बोतलें फेंकीं। संसद भवन के पास भी झड़पें हुईं। घटना में 16 लोग घायल हो गए। 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गत नवंबर से ही यहां सियासी असंतोष बढ़ गया था। अल्बानिया में अभियोजकों ने उप प्रधानमंत्री व ऊर्जा-बुनियादी ढांचा मंत्री बेलिंडा बालुकु पर सरकारी निर्माण ठेकों में दखल का आरोप लगाया था। उन्हें कुछ समय निलंबित कर फिर पद पर बुला लिया गया।

नील नदी में डूबी यात्रियों से भरी नाव, महिलाओं-बच्चों समेत 15 की दर्दनाक मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलटने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं; बचाव दल ने छह लोगों को बचाया है और कई लापता लोगों की तलाश जारी है। सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलट जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। देश में जारी युद्ध पर नजर रखने वाले चिकित्सकों के समूह 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 27 लोगों को लेकर जा रही नौका उत्तरी नील नदी प्रांत में डूब गई। समूह ने कहा कि कम से कम 15 लोगों के शव बरामद किए गए हैं तथा स्थानीय निवासी एवं बचाव दल अब भी कम से कम छह अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे। उसने बताया कि छह लोगों को बचा लिया गया।

ग्रुप ने अधिकारियों से तलाशी के काम में तेज़ी लाने के लिए खास बचाव दल और सामान तैनात करने की अपील की। इस अफ्रीकी देश के पानी के रास्तों पर ओवरलोड नावों पर ऐसी दुखद घटनाएं आम हैं, जहाँ अक्सर सुरक्षा उपायों को नज़रअंदाज़ किया जाता है।

हादसा कैसे हुआ और नाव में कितने लोग थे : स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दुर्घटना सूडान के उत्तरी नील नदी प्रांत में हुई। नाव में करीब 27 लोग सवार थे, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे। अचानक नाव असंतुलित हुई और कुछ ही पलों में नदी में समा गई। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, लेकिन तेज़ बहाव के कारण कई यात्री डूब गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन में क्या अब भी उम्मीद बाकी है : 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' के अनुसार, अब तक 15 शव बरामद किए जा चुके हैं और छह लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, कम से कम छह लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय लोग और बचाव दल लगातार तलाश में जुटे हुए हैं। लोगों का कहना है कि समय पर आधुनिक रेस्क्यू उपकरण होते तो और जानें बच सकती थीं।

क्या ओवरलोडिंग बनी इस त्रासदी की सबसे बड़ी वजह : सूडान में नदी परिवहन आम है, लेकिन सुरक्षा नियमों की अनदेखी भी उतनी ही आम है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि नाव जरूरत से ज्यादा भरी हुई थी। ओवरलोडिंग, लाइफ जैकेट की कमी और निगरानी तंत्र की कमजोरी-ये सभी कारण इस हादसे को और भयावह बना सकते हैं।

नील नदी: जीवनदायिनी या खतरे की नदी : नील नदी दुनिया की सबसे लंबी नदी मानी जाती है, जिसकी लंबाई करीब 6,650 किलोमीटर है। यह नदी अफ्रीका के कई देशों से होकर बहती है और आखिर में भूमध्य सागर में मिलती है। इतिहास में इसे 'मिस्र का वरदान' कहा गया, लेकिन आज यही नदी लापरवाही के चलते मौत का कारण बनती जा रही है।

क्या सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी तय होगी : स्थानीय डॉक्टरों के समूह ने सरकार से मांग की है कि नदी सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए और बचाव कार्यों को तेज़ किया जाए। अगर अब भी सबक नहीं लिया गया, तो ऐसे हादसे दोहराते रहेंगे।

आखिर कब सुरक्षित होगा नदी का सफर : यह हादसा सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि चेतावनी है। चेतावनी उन सिस्टमों के लिए, जो सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देते। जब तक नियम, निगरानी और ज़िम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक नील नदी जैसी जीवनरेखा बार-बार मातम का कारण बनती रहेगी।

दुनिया की सबसे लंबी नदी : नील नदी की लंबाई लगभग 6,650 किलोमीटर है। यह अफ्रीका महाद्वीप के एक बड़े हिस्से से होकर बहती है और अंत में भूमध्य सागर में जाकर गिरती है। इतिहासकार हेरोडोटस ने नील नदी को 'मिस्र का वरदान' कहा था। इसका कारण यह है कि प्राचीन मिस्र की पूरी सभ्यता इसी नदी के किनारे विकसित हुई। अगर नील नदी न होती, तो मिस्र का अधिकांश हिस्सा आज केवल एक रेगिस्तान होता। नील नदी मुख्य रूप से दो बड़ी सहायक नदियों से मिलकर बनती है: सफेद नील : इसका स्रोत मध्य अफ्रीका की 'विक्टोरिया झील' माना जाता है। **नीली नील :** इसका स्रोत इथियोपिया की 'ताना झील' है। ये दोनों नदियाँ सूडान की राजधानी खार्तूम में आपस में मिलती हैं, जहाँ से इसे मुख्य 'नील नदी' कहा जाता है।

फाइट क्लब बनी तुर्किये की संसद; न्याय मंत्री की नियुक्ति पर सांसदों में चले लात-घूंसे

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद बुधवार को जंग का मैदान बन गई और सत्ता और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर लात घूंसे चले। दरअसल कैबिनेट में बदलाव के तहत न्याय मंत्री के पद पर एकिन गुरलेक को शपथ दिलाई जा रही थी, जिसका विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। विपक्षी सांसदों ने एकिन गुरलेक को शपथ लेने से रोकने की कोशिश की, जिस पर सत्ताधारी पार्टी एके के सांसद और विपक्षी सांसदों में बहस होने लगी। थोड़ी ही देर में यह बहस हिंसक हो गई और सांसदों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले के दौरान जमकर लात घूंसे चले और खूब धक्का मुक्की हुई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

तुर्किये की संसद में क्यों हुआ हंगामा : एकिन गुरलेक एक विवादित व्यक्ति हैं और उन्हें राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का करीबी माना जाता है। आरोप है कि गुरलेक ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ हाई प्रोफाइल ट्रायल्स की सुनवाई की है। हालांकि विपक्ष का मानना है कि गुरलेक के फैसले राजनीति से प्रभावित थे। लड़ाई झगड़े के बाद संसद की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद एकिन गुरलेक ने विपक्षी विरोध के बावजूद न्याय मंत्री पद की शपथ ली।

गौरतलब है कि गुरलेक ने ही इस्तांबुल के मेयर और राष्ट्रपति एर्दोगन के सबसे बड़े विरोधी इमामोग्लू के खिलाफ गुरलेक ने ही अभियोग दायर किया था। इमामोग्लू पर भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से जुड़े 142 अपराधों का आरोप लगाया गया।

इन आरोपों में इमामोग्लू को 2000 साल से अधिक की सजा हो सकती है। इमामोग्लू के समर्थकों का दावा है कि उन पर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। हालांकि सरकार इन आरोपों को खारिज करती है।

पाल चुनाव के लिए भारत ने भेजे वाहन और तकनीकी मदद, पीएम सुशीला कार्की ने कहा धन्यवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मार्च में प्रस्तावित संसदीय चुनावों के लिए भारत द्वारा दी जा रही तकनीकी और सामग्री सहायता के लिए भारत सरकार का आभार जताया है। प्रधानमंत्री कार्की ने सिंहदरबार में भारत के नेपाल में राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात की। प्रधानमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने विशेष परिस्थितियों में चुनावों के सुचारु संचालन के लिए भारत द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न संसाधनों, जिनमें वाहन भी शामिल हैं, के लिए पड़ोसी और मित्र देश भारत को धन्यवाद दिया। बैठक के दौरान भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के लोकतांत्रिक सफर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि एक मित्र पड़ोसी के रूप में नेपाल की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन देना भारत का दायित्व है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चुनावों के बाद नेपाल में संवैधानिक और लोकतांत्रिक स्थिरता भारत के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, नेपाल निर्वाचन

आयोग ने आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार से दूरदराज़ और पहाड़ी जिलों में बैलेट बॉक्स भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। काठमांडू स्थित निर्वाचन आयोग मुख्यालय में बैलेट बॉक्स की गिनती, पैकिंग और डिस्पैच का काम जारी है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के फर्स्ट्-पास्ट-द-पोस्ट सिस्टम के तहत अब तक 1 करोड़ 9 लाख 63 हजार (10,963,000) मतपत्रों की छपाई पूरी हो चुकी है। ये मतपत्र 37 जिलों की 88 सीटों के लिए हैं। निर्वाचन आयोग के सहायक प्रवक्ता कुल बहादुर जीसी के अनुसार, देशभर की 165 सीटों के लिए कुल 2 करोड़ 32 लाख 30 हजार (20,323,000) मतपत्रों की आवश्यकता है।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसलाः ओबामा की क्लाइमेट पॉलिसी को करेगा रद्द, अमेरिका में बढ़ी हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की बात करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर्यावरण संबंधी चुनौतियों को भी दरकिनार करने से पिछड़ नहीं रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने ऐलान किया है कि वह इस सप्ताह एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 2009 में स्थापित 'एंडेंजरमेंट फाइंडिंग' को रद्द करने जा रहा है, जो दशकों से अमेरिकी क्लाइमेट नियमों का मूल कानूनी आधार रहा है। 2009 का यह वैज्ञानिक निर्णय, जिसे 'एंडेंजरमेंट फाइंडिंग' कहा जाता है, इस बात का औपचारिक सरकारी निर्धारण था कि कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) और अन्य ग्रीनहाउस गैसें सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण के लिए खतरा हैं। इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण एजेंसी

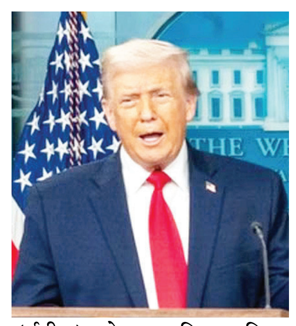

(ईपीए) को यह अधिकार मिला कि वह क्लीन एयर एक्ट के तहत वाहनों, उद्योगों और पावर प्लांटों के लिए उत्सर्जन-नियमन और ग्रीनहाउस गैस नियंत्रण नियम बनाए। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस फाइंडिंग को हटाने से व्यवसायों और आम जनता पर नियमों के आर्थिक बोझ में राहत मिलेगी और ऊर्जा-उत्पादन को मुक्त कर अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने इसे 'इतिहास की सबसे बड़ी डिरेगुलेटरी (नियम हटाने वाली) कार्रवाई' बताया है, जिसका उद्देश्य 'अमेरिकी ऊर्जा प्रभुत्व' को मजबूत करना है और ये अमेरिकियों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर की रेगुलेटरी लागत से बचाएगा। वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। नेशनल रिसोर्सेस डिफेंस काउंसिल के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि एंडेंजरमेंट फाइंडिंग को रद्द करने से गैर-प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते जोखिमों का सामना करने वाले लाखों अमेरिकियों के लिए परिणाम 'विनाशकारी' हो सकते हैं।

ट्रंप की इस घोषणा के आलोचक मानते हैं कि यह निर्णय केवल एक नियम को बदलने जैसा नहीं है बल्कि पूरे अमेरिकी जलवायु नियमों की नींव को ही कमजोर करता है, क्योंकि इससे वह कानूनी आधार मिट जाएगा जिस पर कई उत्सर्जन मानक और पर्यावरण नियम आधारित हैं। इसका असर वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और पावर प्लांटों के नियमों पर भी पड़ेगा। कई पर्यावरण समूह इस बदलाव को इतिहास में सबसे बड़े हमलों में से एक बताते हुए संभावित कानूनी चुनौतियों की चेतावनी दे रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय ओबामा-युग के नियामक विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो अमेरिका की जलवायु कार्रवाई की दिशा और लंबी अवधि की योजनाओं को पुनः परिभाषित कर सकता है।

विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई में अब तक 7,000 से अधिक की मौत, मानवाधिकार समूह का दावा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पिछले महीने हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा कर दी है। एक प्रमुख मानवाधिकार समूह के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस हिंसा में मरने वालों की संख्या 7,002 तक पहुंच गई है, जबकि वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में कम से कम 7,002 लोगों की मौत हो गई है। ईरान की सरकार ने 21 जनवरी को मृतक संख्या जारी कर 3,117 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी। ईरान में

पहले भी अशांति के दौरान सरकार ने मौतों की संख्या कम बताई है या इसकी सूचना नहीं दी है। 'एसोसिएटेड प्रेस' इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल सेवाएं बाधित होने के कारण मृतकों की संख्या का स्वतंत्र रूप से आकलन नहीं कर सका। मानवाधिकार समूह ने मृतक संख्या में वृद्धि की जानकारी ऐसे समय में दी है जब ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं।

परमाणु वार्ता पर पड़ सकता है असर : यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत चल रही है। मानवाधिकारों के इस गंभीर उल्लंघन की खबरों से कूटनीतिक माहौल गरमा गया है। हालांकि, यह अभी भी अनिश्चित है कि क्या ईरान और पश्चिम के बीच कोई ठोस परमाणु समझौता हो पाएगा।

ब्रिक्स में चलती है आम सहमति, नाटो में सिर्फ अमेरिका की मर्जीः रूसी विदेश मंत्री

मास्को, एजेंसी। लावरोव ने एक बयान में कहा कि ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। ब्रिक्स जैसे समूहों में आम सहमति ज्यादातर बनी रहती है। हालांकि उनके मुताबिक नाटो में फैसले आसानी से नहीं लिए जा सकते।

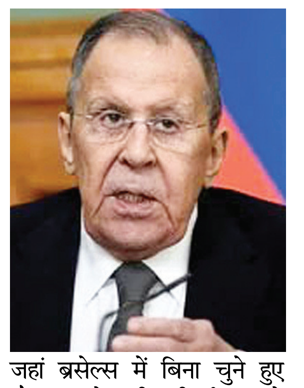

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह नाटो के काम करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा है। लावरोव ने कहा है कि ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ज्यादातर मामलों में सर्वसम्मति के आधार पर फैसले करते हैं, जबकि नाटो के फैसले अमेरिका पर निर्भर करते हैं।

लावरोव ने रूस के एक यूट्यूब चैनल एमपाशिया मनुची प्रोजेक्ट के साथ बातचीत में कहा, 'ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। जब बात हमारे पश्चिमी साथियों की हो तब नहीं, बल्कि जब उन प्रतिनिधियों की होती है जिन्हें हम वैश्विक बहुमत कहते हैं। ब्रिक्स, एससीओ, और सोवियत के बाद वाले सीएसटीओ, ईएईयू, और सीआईएस जैसे समूहों में आम सहमति ज़्यादातर बनी रहती है।' उन्होंने कहा, ' यहां आप नाटो की तरह आसानी से फैसले नहीं ले सकते, जहां अमेरिकी कहते हैं 'चुप रहो' और सबको पता है कि यह सब कैसे काम करता है। '

लावरोव ने आगे कहा कि यूरोपीय संघ भी फैसलों पर असर डालता है। यूरोपीय संघ की तरह, जहां ब्रसेल्स में बिना चुने हुए नौकरशाह देश की चुनी हुई सरकारों को बताते हैं कि क्या करना है, कैसे बर्ताव करना है, किसके साथ व्यापार करना है और किसके साथ नहीं करना है। हमारे हंगरी के साथियों ने ब्रसेल्स के हाल के गलत कामों पर साफ और समझने लायक टिप्पणी की है। '

बता दें कि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने दिसंबर 2025 में कहा था कि यूरोपीय संघ यूक्रेनी संघर्ष को लंबा खींचने के लिए व्यवस्थित तरीके से कानून को रौंद रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ में कानून का राज 'ब्रसेल्स की तानाशाही' से बदल गया है।

इससे पहले ने लावरोव ने रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाकर प्रतिस्पर्धियों को दबाने के लिए अमेरिका पर 'अनुचित तरीकों' का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। लावरोव ने एक इंटरव्यू में कहा, ''अमेरिका भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों जैसे प्रमुख रणनीतिक साझेदारों के साथ हमारे व्यापार, निवेश सहयोग और सैन्य-तकनीकी संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका पर भरोसा नहीं कर पा रहा ईरान, विदेश मंत्री अराघची बोले- हम बातचीत और जंग दोनों के लिए तैयार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर चल रही बातचीत के बीच सख्त और साफ संदेश दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश कूटनीतिक समाधान के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर हमला हुआ तो जवाब देने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है, लेकिन हाल की घटनाओं ने अमेरिका पर भरोसा कमजोर किया है। उनके बयान से साफ है कि वार्ता और तनाव दोनों साथ-साथ चल रहे हैं।

एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अब भी अमेरिका के साथ बातचीत चाहता है, लेकिन पूरा भरोसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पिछले साल जून में जब बातचीत चल रही थी, उसी दौरान हमला हुआ, जो ईरान के लिए खराब अनुभव रहा। उनके मुताबिक सैन्य हमले और धमकियां किसी देश की तकनीकी प्रगति को नहीं रोक सकतीं। इसलिए स्थायी समाधान सिर्फ कूटनीति से ही निकलेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का पक्ष साफ : अराघची ने दोहराया कि ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और यह देश का संप्रभु अधिकार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए 5 प्रतिशत से कम संवर्धन की जरूरत होती है। तेहरान रिसर्च रिएक्टर के लिए 20 प्रतिशत तक संवर्धन का ईंधन चाहिए, जिसका उपयोग कैंसर इलाज के लिए मेडिकल आइसोटोप बनाने में होता है। उन्होंने कहा कि प्रतिशत से ज्यादा जरूरी यह है कि

कार्यक्रम का मकसद शांतिपूर्ण है। ईरान इस बात की गारंटी देने को भी तैयार है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

क्षेत्रीय गठजोड़ पर बातचीत से इनकार : ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के साथ सिर्फ परमाणु कार्यक्रम पर बात करेगा। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय सहयोगी समूहों पर कोई बातचीत नहीं होगी। अराघची ने कहा कि ये मांगें बिल्कुल स्वीकार नहीं हैं। दूसरी तरफ इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान से होने वाली किसी भी डील में मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय संगठनों का मुद्दा भी शामिल हो।

युद्ध की तैयारी का भी दावा : ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर बातचीत नाकाम होती है और नया हमला होता है तो ईरान जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साल इस्राइल और अमेरिका की बमबारी के बाद ईरान की सैन्य तैयारी संख्या और गुणवत्ता दोनों में बढ़ी है। उन्होंने नेतन्याहू को युद्ध भड़काने वाला नेता बताया और आरोप लगाया कि वह अमेरिका को बड़े टकराव में खींचना चाहते हैं। अराघची ने चेतावनी दी कि दोबारा हमला हुआ तो क्षेत्र में अमेरिकी ठिकाने भी निशाने पर आ सकते हैं।

अमेरिका-इस्राइल की कूटनीति : इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें लगता है कि ईरान परमाणु समझौता चाहता है। उन्होंने बातचीत को सकारात्मक बताया, लेकिन चेतावनी दी कि डील नहीं होने पर बहुत सख्त परिणाम होंगे। ट्रंप परमाणु हथियार और मिसाइल रोकने वाली सख्त डील चाहते हैं। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिकी दूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात कर क्षेत्रीय मुद्दों और ईरान वार्ता पर चर्चा की। साफ है कि कूटनीति जारी है, लेकिन अविश्वास और खतरा दोनों बने हुए हैं।

80 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद खुद के प्रति खो देती हैं रुचि

जिम्मेदारी तरोताजा रहने की

जीवन के दूसरे हिस्से में महिलाएं शादी के बाद रुचि त्याग देती हैं क्योंकि वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ बच्चों के लालन-पालन में व्यस्त हो जाती हैं। उनके लिए बेहतर होगा कि वे कुछ समय अपनी व्यक्तिगत रुचियों के लिए भी निकालें। ऐसा करके वे फ्रेश बनी रह सकती हैं

हर नारी की सबसे बड़ी चाहत मां बनना होती है, लेकिन बहुत ही कम मां ऐसी हैं जो अपने बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ रुचियों और सेहत के प्रति सजग होती हैं। हाल में हुए एक सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि 80 प्रतिशत माताओं के पास अपनी रुचियों को विकसित करने के लिए समय ही नहीं होता। उनकी रुचियां घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के तले दबकर रह जाती हैं। समाजशास्त्रियों का मानना है कि मां बनने के अरमान के पूरा होते ही महिलाएं अपने बच्चे की परवरिश में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि उन्हें अपने घरेलू काम और बच्चे की खुशियों के अलावा खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता।

बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

अधिकतर महिलाएं यह मानती हैं कि अगर वे अपने में ही बिजी रहने लगीं तो बच्चों और घर-परिवार की जिम्मेदारी पूरी हो ही नहीं सकती। उनके अनुसार बच्चों की खुशी अधिक अहमियत रखती है । इसके लिए उन्हें अपने फ्री टाइम से भी समझौता करना मंजूर है। डाइटीशियन्स के अनुसार अधिकतर महिलाओं की मां बनने के बाद प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। खुद से ज्यादा बच्चे की फिक्र होती है। बच्चे की देख-रेख में उन्हें खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता या कह सकते हैं कि वे खुद भी अपनी रुचियों के लिए समय निकालने की कोशिश ही नहीं करतीं। यही कारण है कि वे अधिक तनावग्रस्त हो जाती हैं।

हाउसवाइफ कोमल का कहना है कि पहले मैं जॉब करती थी लेकिन अब मां बनने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए वह अपनी हर खुशी को नजरअंदाज करने को भी तैयार हैं। उनका मानना है कि पहले वह किटी पार्टीज जॉइन करती थीं लेकिन अब तो दोस्तों के साथ भी मेलजोल करना कम कर दिया है।

काम में खुशी मिलती है

समाजशास्त्री मानते हैं कि हर इंसान को किसी न किसी काम को करने में खुशी मिलती है, जो उसे तनावमुक्त रखती है। अधिकतर माएं अपने परिवार में खुद को भूल ही जाती हैं। शुरू से चली आ रही धारणाओं में बह कर उनकी रुचियां दब जाती हैं। यही कारण है कि वे जल्दी तनाव में आ जाती हैं। एक महिला को परिवार की धुरी माना है। अगर वह खुद ही अपने प्रति सजग नहीं होगी तो परिवार को कैसे संभाल पाएगी। ऐसे में जरूरी है महिलाएं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने लिए समय जरूर निकालें। मातृत्व सुख के बाद महिलाएं उसी में रम जाती हैं।

ऐसे निकालें समय

- थोड़ा सा समय अपनी हॉबी को विकसित करने के लिए जरूर निकालें।
- अपनी पसंदीदा फिल्में देखें।
- कभी-कभी अपनी पसंद की डिश भी बनाएं।
- सिंगिंग में रुचि है तो इस हुनर के लिए कुछ समय निकालें।
- पढ़ने का शौक रखती हैं तो अच्छे नॉवल व बुक पढ़ें।
- मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लें।

रूप निखारें कुछ ऐसें

- नींबू के रस को चेहरे और शरीर पर 30 मिनिट तक लगाएं और फिर धूप में निकलें। यह एंटीटेनिंग लोशन की तरह काम करेगा।
- नींबू के रस और छिलके से हाथों को साफ करें। खुरदापन दूर होगा और हाथ चमक उठेंगे।
- जैतून के तेल की नाखूनों पर धीरे-धीरे मालिश करें। नाखून चमक जाएंगे।
- मुंहासे दूर करने के लिए लहसुन का रस लगाएं!
- कच्चे दूध का फाहा बंद आँखों पर रखें। आँखों की जलन, थकान दूर हो जाएगी।

यूं करें अपने बालों की देखभाल

- खूबसूरत और चमकदार बालों के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और खाने में हरी सब्जियों का सेवन करें। इसके लिए अपने भोजन में सलाद को जरूरी हिस्सा बनाएं। अंकुरित दालें जरूर लें।
- नियमित योग और एक्सरसाइज करें।
- अच्छी कंपनी के ही शैंपू, कंडिश्नर और तेल का उपयोग करें। हफ्ते में दो बार तेल से बालों की मालिश करें। किसी अच्छे सैलून में हेयर स्पा भी ले सकती हैं।
- हेयर कट और हेयर स्टाइल अपने फेस के अनुसार रखें।
- डैंड्रफ और त्वचा रोगों के लिए उचित उपचार करवाएं।
- नाश्ते में और रात को सोने से पहले एक गिलास दूध जरूर लें।

क्रेज बढ़ने लगा फुट स्पा का

करें फुट मसाज

पैरों को रिलैक्स करने के लिए फुट मसाज मददगार साबित हो सकती है। इससे पैर साफ भी हो जाते हैं और आपकी थकान भी दूर होती है। आप घर पर भी पैरों का पैडीक्योर कर सकते हैं। इसके लिए बाथ टब में गर्म पानी लें और उसमें लिक्विड सोप डालें। कुछ देर तक पानी में पैर रखें व इन्हें ब्रश से साफ करें। मार्केट में उपलब्ध स्क्रब का भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद टॉवल से पोंछ कर कोल्ड क्रीम या नारियल का तेल लगाएं।

चेहरे की देखभाल के साथ-साथ जरूरी है आपके पैर भी खूबसूरत दिखें। महिलाएं अब पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए फुट स्पा का सहारा ले रही हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जितना जरूरी हेयर स्पा या बॉडी स्पा है, उतना ही जरूरी है फुट स्पा। पैरों को ज्यादातर लोग नजर अंदाज करते हैं, लेकिन इनकी साफ-सफाई और रैग्यूलर देखभाल बेहद जरूरी है। फुट स्पा न केवल आपके पैरों को खूबसूरत बनाता है, बल्कि पैरों के दर्द से भी राहत दिलाता है।

ब्यूटी सैलून के साथ-साथ घर पर भी थोड़ा समय निकाल कर आप अपने पैरों की टैनिंग दूर कर सकते हैं और इन्हें सॉफ्ट व खूबसूरत बना सकते हैं। वुमन भास्कर ने फुट स्पा को लेकर शहर की ब्यूटी एक्सपर्ट्स से बात की और जाने पैरों की देखभाल के टिप्स :-

महीने में एक बार जरूर लें फुट स्पा :

ब्यूटी एक्सपर्ट माया बताती हैं कि ज्यादातर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन अब कुछ समय से वे पैरों का भी ध्यान रखने लग गई हैं। बॉडी स्पा व हेयर स्पा की सर्विस के साथ-साथ अब फुट स्पा की भी डिमांड बढ़ रही है। 200 रुपए से लेकर 1100 रुपए के अफोर्डेबल रेट्स पर फुट स्पा लिया जा सकता है। महीने में कम से कम दो बार फुट स्पा जरूर करवाना चाहिए। साथ ही पैडीक्योर भी बेहद जरूरी है, ताकि पैरों से डेड स्किन निकल सके और पैर साफ दिखें।

गर्मी में कूल इफैक्ट : सैलून ओनर मनीषा बताती हैं कि कुछ महिलाओं को पैरों में गर्माहट महसूस होती है। इसके लिए उनको सैलून पर फुट आइस वर्क स्पा दिया जाता है। इसके अलावा अलग-अलग तरह के स्पा जैसे डीटैन, चॉकलेट फुट स्पा, फुट हील स्पा उपलब्ध है। मनीषा बताती हैं कि कई महिलाओं को क्रैक हील्स की परेशानी ज्यादा होती है। ऐसे में फुट स्पा मददगार साबित होता है।

एंटी टैनिंग ब्लीच का करें इस्तेमाल: ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कम खर्च में भी घर पर रहकर पैरों की देखभाल की जा सकती है। इसके लिए मार्केट में कई तरह की एंटी टैनिंग ब्लीच उपलब्ध है। ब्यूटी एक्सपर्ट सुधा बताती हैं कि गर्मियों में टैनिंग ज्यादा होती है। शूज न पहनने के कारण महिलाओं के पैरों पर टैनिंग का ज्यादा इफैक्ट होता है। इसीलिए एंटी टैनिंग ब्लीच का हर 15 दिन में प्रयोग मददगार साबित हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1987

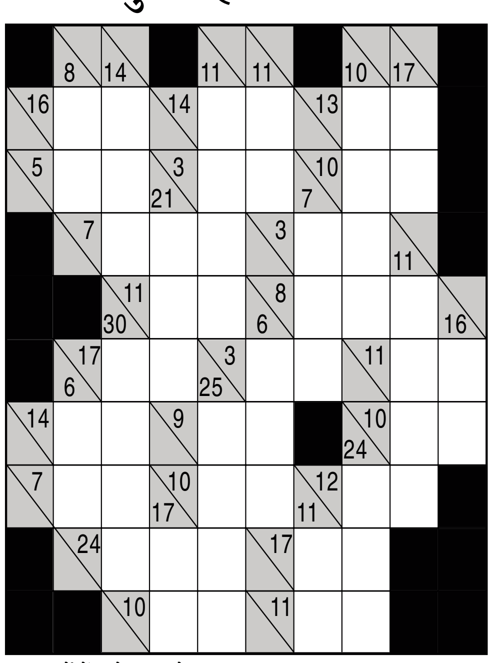

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

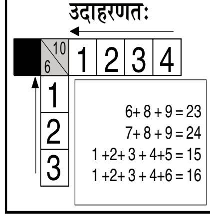

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1986 का हल

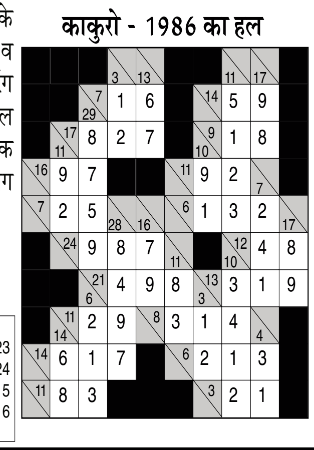

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा - 'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1987

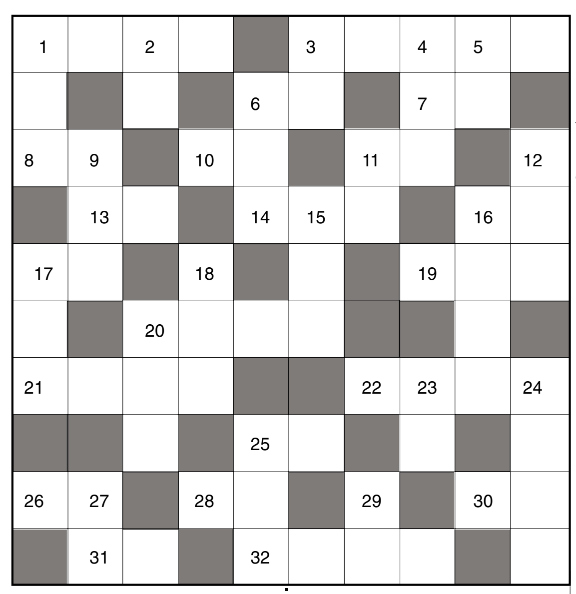

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1986

सूडोकु -1987

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1986 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 1987

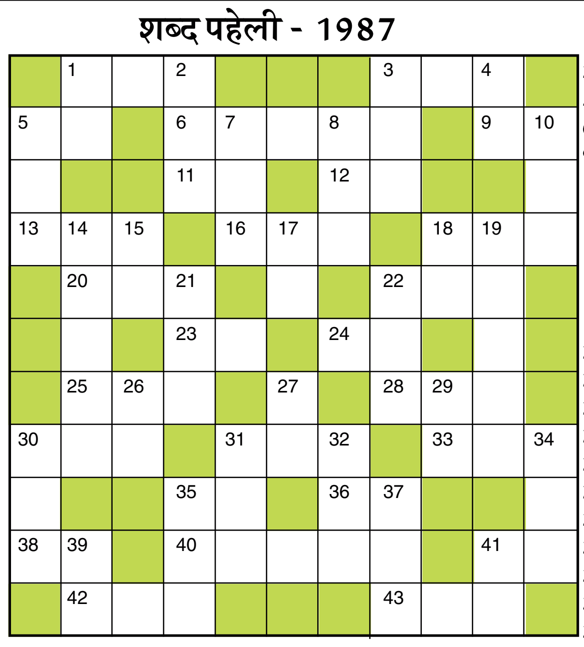

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -1986 का हल

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वंदेमातरम् से संबंधित अधिसूचना वापस लेने की मांग की

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र सरकार की हाल की वंदे मातरम के पाठ को लेकर जारी की गई अधिसूचना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। सरकार की अधिसूचना में सरकारी समारोहों और स्कूलों में राष्ट्रगान जन गण मन से पहले वंदे मातरम के सभी छंद का पाठ अनिवार्य कर दिया गया है। बोर्ड ने इस फैसले को असंवैधानिक और धार्मिक स्वतंत्रता के विपरीत बताया है। बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दी ने सरकार के निर्णय को असंवैधानिक, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के विरुद्ध, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत तथा मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं के सीधे विरोधाभासी बताया। उन्होंने कहा कि इसलिए यह निर्णय मुसलमानों के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य है। मौलाना ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह और संविधान सभा में विचार-विमर्श के बाद यह सहमति बनी थी कि वंदे मातरम के केवल पहले दो छंदों का ही प्रयोग किया जाएगा। एक धर्मनिरपेक्ष सरकार एक धर्म की मान्यताओं या शिक्षाओं को अन्य धर्मों के अनुयायियों पर जबरन नहीं थोप सकती।

डानकुनि-सूरत समर्पित माल गलियारे के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने केंद्रीय बजट 2026 में घोषित डानकुनि-सूरत समर्पित माल गलियारा (डीएफसी) परियोजना के त्वरित क्रियान्वयन की दिशा में तेज कार्रवाई शुरू कर दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माल गलियारे को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि करीब 2,100 किलोमीटर लंबा प्रस्तावित यह नया डीएफसी पश्चिम बंगाल के डानकुनि से गुजरात के सूरत तक जाएगा और पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों से होकर गुजरेगा। इस गलियारे से पूर्वी और पश्चिमी भारत के बीच माल ढुलाई में उल्लेखनीय सुधार होगा, लॉजिस्टिक्स अधिक तेज और कुशल बनेगा, मालगाड़ियों की यात्रा अवधि कम होगी तथा मौजूदा रेल मार्गों पर भीड़भाड़ में कमी आएगी। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के अधिकारियों को नवीनतम माल ढुलाई तकनीकों को शामिल करते हुए सर्वोत्तम तकनीकी मानकों को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख विशेषताओं में उच्च क्षमता वाली विद्युतीकरण प्रणाली, समपार रहित (निल लेवल क्रॉसिंग) ट्रैक और 'कवच' जैसी उन्नत सिगनलिंग प्रणाली शामिल होंगी, जिससे सुरक्षा और माल वहन क्षमता दोनों में वृद्धि होगी।

बंगाल में पोस्ट-पोल हिंसा मामले में साल 2021 से फरार आरोपित नजीर गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में साल 2021 के चुनाव परिणाम के बाद (पोस्ट-पोल) हुई हिंसा मामले में फरार आरोपित नजीर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। वह 4 साल से फरार था। उसे राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में उसके परिजन के घर से दबोचा गया। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर पोस्ट-पोल हिंसा मामलों की जांच शुरू की थी। इनमें से एक मामले में आरोप था कि नजीर हुसैन ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मस्जिद की जमीन पर क्लब हाउस निर्माण को लेकर हुए विवाद के चलते अन्य आरोपितों के साथ मिलकर 2 मई 2021 की सुबह हसनुर जमान को घेर कर हथियारों, बमों और लोहे की रॉड से हत्या कर दी थी। इस मामले में नजीर हुसैन समेत 12 अन्य आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। मामला वर्तमान में बारासात की अदालत में विचाराधीन है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। रेवंत रेड्डी ने एक्स पर लिखा, मैं फरवरी के अंतिम सप्ताह में ईसा और मूसी नदियों के संगम पर आयोजित होने वाले गांधी सरोवर प्रोजेक्ट के शिलान्यास समारोह में उन्हें आमंत्रित करने के लिए यहां उनसे मिलने आया। मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री को उस क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें याद दिलाया कि फरवरी 1948 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन ईसा और मूसी नदियों के पावन संगम पर किया गया था। यह स्थान न केवल धार्मिक बल्कि राष्ट्रीय भावना का उन्होंने राजनाथ को बताया कि गांधी सरोवर प्रोजेक्ट मूसी रिवर जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया है। इसका लक्ष्य नदी के स्वरूप को पुनर्जीवित करना और पर्यावरण का संरक्षण करना है। इस बैठक में तेलंगाना कांग्रेस के कई सांसद मौजूद रहे।

संभल में सरकारी जमीन हो रही कब्जामुक्त, बुलडोजर के डर से लोग खुद हटा रहे दीवारें, जिलाधिकारी बोले- जारी रहेगी कार्रवाई

एजेंसी
संभल। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों को तेजी और सख्ती से सबक सिखा रही है। सबसे ताजा उदाहरण आज जनपद संभल में सरकारी जमीन पर बने मदरसे को ढहाना है। वैसे तो संभल में सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासन का बुलडोजर एक्शन 24 नवंबर 2024 से लगातार जारी है और कई जगह तो लोग खुद कब्जा हटाने के लिए मजबूर हैं। प्रशासन खाली कराई जा रही जमीन गरीबों को पट्टे पर भी दे रहा है। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को सदर कोतवाली क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद से जिला प्रशासन लगातार एक्शन मोड में है। यह हिंसा मस्जिद कमेटी से जुड़े लोगों के अलावा कुछ राजनेताओं एवं संगठन विशेष से जुड़े लोगों ने की थी। इसमें बड़ी संख्या लोग जेल गए और कई

अभी जेल के चक्कर लगा रहे हैं। इस घटना के बाद से जिला प्रशासन ने जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से कब्जा कर सरकारी जमीन पर मस्जिद, मदरसा और घर बनाने वालों को चिह्नित कर विधि सम्मत कार्यवाही शुरु की और इसमें बुलडोजर कार्रवाई की है। इसी क्रम में अबतक संभल जिला प्रशासन की ओर से सरकारी और तालाब जैसी सार्वजनिक भूमि पर बने कई अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्रवाई की गई। साथ ही अवैध रूप से बनाई गई मस्जिद और मदरसों पर भी कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन ने पत्ते वाली सरकारी जमीन और अन्य सार्वजनिक भूमि को अवैध कब्जे से भी मुक्त कराया। जिला प्रशासन ने सलेमपुर सलार गांव में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद और मदरसे को हटाकर कब्जा मुक्त कराई गई 1.5 बीघा जमीन को गरीब, भूमिहीन लोगों को पट्टे आवंटित कर एक लोकहितैषी प्रशासन का उदाहरण पेश किया। ढहाए गए बारातघर एवं मकानजिला प्रशासन ने संभल सदर तहसील क्षेत्र के गांव बिछौली गांव में भी सरकारी जमीन पर बने मकान पर कार्रवाई की थी, जिसमें गांव के प्रधान का मकान भी शामिल था। प्रशासन ने राया बुजुर्ग गांव में भी सरकारी जमीन पर बने बारात घर व मस्जिद के विरुद्ध जिला प्रशासन का बुलडोजर गरज चुका है।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक 2026 पर लगी संसद की मुहर

एजेंसी
नई दिल्ली। 'औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026' को राज्यसभा ने भी पारित कर दिया। इसके साथ राज?यसभा की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह विधयेक आज ही लोक सभा में पारित किया जा चुका है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने राज?यसभा में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को विचार और पास करने के लिए में पेश किया था। डा. मनसुख मांडविया ने सदन में विधयेक पर चर्चा के दौरान बताया कि इस विधयेक का मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है। डा. मनसुख मांडविया ने सदन को बताया कि ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम 1946 और औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 को मिला कर एक एक्ट बनाया गया था। उसमें कानूनी स्पष्टता के लिए ये अमेंडमेंट लाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के पास किसी एक्ट को निरस्त करने का अधिकार है। लेकिन भविष्य में कोई मुद्दा न बने, इसलिए इस अधिनियम में यह संशोधन लाया गया है। उन्होंने विधयेक पर चर्चा के दौरान कहा कि कोई कहता है 12 घंटे काम करना होगा, 14 घंटे काम करना होगा। डा. मनसुख मांडविया ने कहा कि अरे भाई! 12 घंटे का सवाल ही नहीं है। अंतरराष?ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के प्रस्ताव के मुताबिक सप्ताह में 48 घंटे की ही शिफ्ट होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले सरकार मिनिमम मजदूरी की एडवाइजरी जारी करती थी। उसे मानना या नहीं मानना राज्य के अधिकार में था। अब कानून में न्यूनतम वेतन की गारंटी है।

प्रधानमंत्री से मिले केरल के भाजपा जनप्रतिनिधि

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर केरल के नवनिर्वाचित भाजपा पंचायत सदस्यों, नगर पालिका सदस्यों और निगम पार्षदों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए सेवा, सुशासन और विकास के प्रति समर्पण का संदेश दिया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष तथा केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य ही विकास की मजबूत नींव रखता है। भाजपा ने इस मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि केरल में बदलाव की शुरुआत वार्ड स्तर से हो रही है और पार्टी के जनप्रतिनिधि विकास की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को नई ऊर्जा मिली है तथा पार्टी सबका साथ सबका विकास और प्रदर्शन आधारित राजनीति को राज्य के प्रत्येक वार्ड और पंचायत तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय

है कि केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम सहित विभिन्न स्थानीय निकायों के लगभग 120 भाजपा जनप्रतिनिधि तीन दिवसीय प्रशासनिक एवं सुशासन कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली आए हुए हैं। इस दौरान उन्होंने संसद भवन का भ्रमण किया और बजट सत्र की कार्यवाही देखी। प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री अमित शाह, राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की।

तिरुवनंतपुरम के मेयर वीवी राजेश ने बताया कि दौरे के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं के बेहतर समन्वय और राज्य के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित विशेष प्रशिक्षण सत्रों में भी भाग लिया। केरल से आए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन राज्य में विकास और सुशासन की दिशा में उनके प्रयासों को और सशक्त करेगा।

सत्ता के लिए बिन पानी की मछली की तरह तड़प रही कांग्रेसः अनुराग ठाकुर

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि सत्ता के लिए कांग्रेस पार्टी बिन पानी मछली की तरह तड़प रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 60 साल तक देश की सत्ता में रही, आज उसकी स्थिति खराब हो चुकी है। नई दिल्ली में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बातचीत करते हुए कहा कि देखिए, दो-तीन उदाहरण हैं। जब सदन चला तो राहुल गांधी और बाकी कांग्रेस नेताओं ने हंगामा किया और कोई आधार नहीं था। इनकी स्थिति ऐसी थी कि 'आसमान से गिरे, खजूर पर अटके'।

भाजपा सांसद ने कहा कि नेता विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा नहीं करने दी और जब बजट शुरू हुआ, तो बजट पर कुछ नहीं बोले, बाकी सब कुछ बोले। जिस व्यक्ति को ट्रेड एंड कॉमर्स और फाइनेंस में अंतर नहीं पता, वो बाकी क्या करेगा? जिसको यह नहीं पता कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर क्या बोले और बाकी पर क्या बोले, तो आप सोचिए कि कांग्रेस पार्टी की हालत

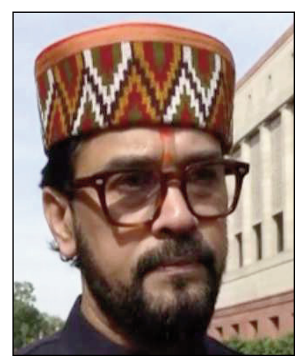

क्या है। टेबल पर कूदकर हंगामा करते हैं, बेवजह के आरोप लगाते हैं, उनकी बातों में तथ्य होते नहीं हैं। स्पीकर का घेराव करते हैं। यह कैसी हालत है? कांग्रेस पार्टी यह करती है। 60 साल तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी, जो आज सत्ता से बाहर है, उसकी स्थिति यह है कि सत्ता के लिए ऐसे तड़प रही है जैसे पानी बिन मछली तड़पती है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 95 चुनाव हार चुकी है। अगले कुछ ही महीनों में इनका हार का शतक भी पूरा हो जाएगा। ये लोग इतने राष्ट्र विरोधी हो गए हैं कि लगता है इनके अंदर अंकल सैम की सिम और सोरोस का सॉफ्टवेयर लगा हुआ है। उधर से जो टाइप होता है, वही इधर से टेलिकास्ट होता है।

भाजपा सांसद ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को मजबूत करते हुए इसे ऊपर उठाया है। कांग्रेस के जमाने में इकोनॉमी लड़खड़ा रही थी और कमजोर थी, और भारत को दुनिया भर में बुराई का सामना करना पड़ रहा था। भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा और फैला हुआ था। आज भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सीमाओं को मजबूत और सुरक्षित बनाया है।

ईडी का मौलाना शमसुल हुदा खान के घरों पर छापाः यूके नागरिकता छिपाकर सैलरी-पेंशन ली, 20 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी
लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मौलाना शमसुल हुदा खान और अन्य के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत सर्च ऑपरेशन चलाया। यह छापेमारी उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर और आजमगढ़ जिलों में आरोपी से जुड़े दो आवासों पर की गई। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की है। इन एफआईआर में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। मौलाना शमसुल हुदा खान मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले हैं। वे 1984 में एक सरकारी मान्यता प्राप्त मदरसे में प्राइमरी स्कूल टीचर के रूप में नियुक्त हुए थे। आरोप है कि 2013 में उन्होंने ब्रिटिश (यूके) नागरिकता ले ली, लेकिन इसके बावजूद 2017 तक

सैलरी लेते रहे और रिटायरमेंट के बाद 2023 तक पेंशन के फायदे उठाते रहे। वे विदेश में रहते हुए भी भारत में टीचिंग ड्यूटी नहीं कर रहे थे। ईडी के अनुसार, आरोपी ने विदेशी नागरिकता छिपाई, गलत राष्ट्रीयता बताई और गैर-कानूनी तरीके से अचल संपत्तियां हासिल कीं। साथ ही, सरकारी सैलरी और पेंशन बिना हक के ली गई। जांच में पता चला कि उनके कंट्रोल वाले एनजीओ के जरिए डोनेशन की आड़ में गैर-कानूनी फंड भेजे गए, जिन्हें मदरसे बनाने और संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया। फाइनेंशियल एनालिसिस से 10 लाख रुपए से ज्यादा की रकम मदरसे और प्रॉपर्टी में लगी मिली। मौलाना शमसुल हुदा खान और उनके कंट्रोल वाली कंपनियों/एनजीओ के बैंक अकाउंट्स में 5 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि मिली है। इनमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पर्सनल अकाउंट्स के अलावा रजा फाउंडेशन और कुलियातुल बनातिर रजाबिया एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के अकाउंट्स शामिल हैं। 2007 से 2025 तक बड़े ट्रांजेक्शन का पता चला है। सर्च के दौरान 17 अचल संपत्तियों से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए। इन संपत्तियों की घोषित खरीद कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है, लेकिन बाजार मूल्य अनुमानित 20 करोड़ रुपए से ज्यादा है। कुछ रिपोर्ट्स में कुल संपत्तियों का मूल्य 33 करोड़ तक बताया गया है। जब्त दस्तावेजों की जांच से क्राइम से हुई कमाई का पता लगाया जा रहा है। ईडी की जांच में विदेशी फंडिंग, एनजीओ के दुरुपयोग और धोखाधड़ी के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है। आगे की जांच जारी है, जिसमें बैंक रिकॉर्ड, विदेशी ट्रांसफर और संपत्तियों के स्रोत की गहराई से पड़ताल होगी।

पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया ने रचा इतिहास, कुक स्ट्रेट पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बने

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के गौरव, पद्मश्री से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया ने विश्व की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में से एक न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर इतिहास रच दिया है। वे इस चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया 18 जनवरी 2026 से न्यूज़ीलैंड में इस अभियान की तैयारी कर रहे थे और लगातार ठंडे पानी में कठिन अभ्यास व अक्लिमेटाइजेशन कर रहे थे। गत 28 जनवरी को उनका पहला प्रयास खराब मौसम के कारण रोकना पड़ा था। उन्होंने हार नहीं मानी और पुनः तैयारी कर निर्धारित आज 12 फरवरी को अदम्य साहस और आत्मविश्वास के साथ चुनौती स्वीकार की। तैराकी के दौरान उन्हें अत्यंत ठंडे पानी, तेज़ समुद्री धाराओं और प्रतिकूल मौसम जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने दृढ़ संकल्प के बल पर लक्ष्य हासिल किया। 70 प्रतिशत दिव्यांग और व्हीलचेयर बाउंड होने के बावजूद उनकी यह उपलब्धि अदम्य इच्छाशक्ति और संघर्ष की मिसाल बन गई है। लोहिया ने सोशल मीडिया पर उक्त जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आज अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ आप सभी को सूचित कर रहा हूँ कि मैंने विश्व की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में से एक न्यूजीलैंड का कुक स्ट्रेट 12 फरवरी, 2026 को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। उन्होंने सुबह 10:00 बजे अत्यंत ठंडे पानी, तेज धाराएँ और प्रतिकूल मौसम में अपनी तैराकी शुरू की।

मीडिया पर राहुल गांधी के बयान को लेकर रिजिजू का पलटवार- पत्रकारों को रोकना गलत

नई दिल्ली। पत्रकारों पर पक्षपात के कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोप पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना-टोकना गलत है और यह लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि क्वआप जिम्मेदार लोग हैं, मीडिया के लोग हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप निष्पक्ष रहें। आप हर दिन भाजपा से मिले शब्दों को लेकर पूरा शो नहीं चला सकते। आप देश के साथ अन्याय कर रहे हैं।' राहुल के इस बयान पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना-टोकना गलत है। अगर मीडिया के सवाल पूछने पर रोक लग जाएगी तो सवाल कौन करेगा? उन्होंने कहा कि क्वहमारी पार्टी ने कभी मीडिया कर्मियों को सवाल करने से नहीं रोका। मैं इतने सालों से राजनीति में हूं, विपक्ष में रहते हुए भी कभी कांग्रेस का नाम लेकर पत्रकारों को नहीं डांटा।

पश्चिम बंगाल सरकार केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन में जानबूझकर रुकावट डाल रही : सामिक भट्टाचार्य

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सामिक भट्टाचार्य ने राज्यसभा में पश्चिम बंगाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में जानबूझकर रुकावट डाल रही है। इस कारण जनता आवश्यक लाभों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग केंद्रीय बजट की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति पर भी नजर डालनी चाहिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और रेलवे लाइनों से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया।

बजट पर चर्चा के दौरान सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल से पूंजी, छात्रों, श्रमिकों और प्रतिभा का पलायन क्यों हो रहा है। यह बजट विकासोन्मुखी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान खुश हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के किसान असंतुष्ट हैं और आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे राज्य से आता हूं जो वृद्धाश्रम बनता जा रहा है। पश्चिम बंगाल से पूंजी, छात्र, श्रमिक और प्रतिभा का पलायन हो रहा है।' उन्होंने कहा कि यदि इस समय देशव्यापी समावेशी विकास हासिल करना है तो मजबूत संघीय ढांचे की आवश्यकता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बजट को खास आदमी का बजट बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत में हर 10 में से 5 लोगों के पास पर्याप्त इंटरनेट सुविधा नहीं है। ऐसे में न्यूनतम डिजिटल पहुंच के बावजूद मनरेगा श्रमिकों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने, ऐप का उपयोग करने, बैंक खातों के माध्यम से भुगतान लेने और ई-केवाईसी कराने की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने लोगों से भाषण में 'मिडिल क्लास' शब्द खोजने को कहा और दावा किया कि 5 में से 4 भारतीय प्रतिदिन 117 रुपये से कम कमाते हैं, जबकि घरेलू बचत पिछले 50 वर्षों के निचले स्तर पर पहुंच गई है। दूसरा शब्द उन्होंने 'बेरोजगारी' खोजने को कहा। उन्होंने कहा कि हर 3 में से 1 युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण में नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री चर्चा का जवाब देंगी, लेकिन असली जवाब दो महीने बाद तमिलनाडु और केरल से तथा फरवरी 2027 में उत्तर प्रदेश से मिलेगा।

अमेरिकी राजदूत गोर और विदेश सचिव मिसरी ने द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोर ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी से मुलाकात कर द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने और हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार सौदे पर चर्चा की। मिसरी से मिलने के बाद गोर ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'विदेश सचिव विक्रम मिसरी से मिलकर हमेशा खुशी होती है। यूएस-भारत साझेदारी को आगे बढ़ाने पर हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई। ट्रेड डील फाइनल होने के बाद उम्मीद है कि भविष्य में अवसरों की कमी नहीं होगी!' पिछले हफ्ते, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम ट्रेड डील के लिए एक फ्रेमवर्क की घोषणा की थी। यह एक बड़े द्विपक्षीय ट्रेड समझौते की दिशा में बातचीत को आगे बढ़ाने के मकसद से उठाया गया कदम है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने भारतीय उत्पादों के आयात पर टैरिफ को 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने की आधिकारिक घोषणा की थी। डील के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया था। बयान के मुताबिक, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका पारस्परिक और आपसी फायदे वाले व्यापार पर एक अंतरिम समझौते के लिए एक

फ्रेमवर्क पर सहमत हो गए हैं। यह फ्रेमवर्क दोनों देशों की व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसे फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू किया था।

इसमें आगे कहा गया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच लगभग एक साल के व्यापार तनाव के बाद हुआ है। 2 फरवरी को पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सहमति की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात करके बहुत अच्छा लगा। यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अब 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 140 करोड़ की आबादी की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद।

उन्होंने आगे कहा कि जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है और पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अपार अवसर खुलते हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत शांति के लिए उनके प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। मैं उनके साथ मिलकर काम करने और हमारी साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हूं।सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में कार्यरत था। उसका शव उसी इलाके से बरामद किया गया।

केंद्रीय मंत्री कुरियन को राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने सौंपा भोपाल में 'सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर' का प्रस्ताव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश की अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने नई दिल्ली में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन से मुलाकात की। उन्होंने केन्द्रीय राज्यमंत्री कुरियन को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल में 'डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर' की स्थापना का प्रस्ताव भी सौंपा। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित पीएमजेवीके योजना अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल विकास और आधारभूत संरचना को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं में विज्ञान, तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह

सेंटर स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान, खगोल विज्ञान, उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान से परिचित कराया जाएगा। यह केंद्र युवाओं को भविष्य में अंतरिक्ष एवं तकनीकी क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा और विज्ञान शिक्षा को नई दिशा देगा। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने केंद्र सरकार से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए आवश्यक तकनीकी सहयोग एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया, ताकि योजना का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में विज्ञान आधारित सशक्त युवा शक्ति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टी20 विश्वकप : जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराकर किया उलटफेर

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप 2026 मुकाबले में दो बार की विजेता रही ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर इस विश्वकप का पहला उलटफेर किया है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 146 रनों पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जिम्बाब्वे के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये। ब्लेसिंग मुज़रबानी ने 4 विकेट जबकि ब्रैड इवांस ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने 29 रन पर चार विकेट खो दिये। इसके बाद मैट रेनशॉ 65 और ग्लेन मैक्सवेल 31 ने पांचवें विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर टीम को वापसी कराने का प्रयास किया पर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने उन्हें खुलकर खेलने नहीं दिया।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसका ये फैसला ठीक नहीं रहा। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की नाबाद 64 रन की पारी की बदौलत जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन बनाये। बेनेट ने 56 गेंदों पर सात चौके लगाकर अपनी टीम के रन रेट को बनाये रखा। जिम्बाब्वे ने 15 ओवर में ही एक के नुकसान पर 125 रन बना लिए थे पर इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बचे हुए पांच ओवरों में केवल 44 रन ही दिए। जिम्बाब्वे की ओर से विकेटकीपर तादिवानाशे मारुमानी ने 35 और रयान बर्ल ने 35 रन जबकि ऑस्ट्रेलियास की ओर से मार्कस स्टोइनिस और कैमरन ग्रीन ने एक-एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया इस विश्व कप में अपने कई बड़े खिलाड़ियों के बिना खेल रही है, जिसका उन्हें आज नुकसान भी उठाना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श इस मैच में चोट की वजह से नहीं खेल पाये। ऐसे में ट्रेविस हेड टीम की कप्तानी करते हुए दबाव में आ गये और बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

अर्यांश और सोहैब की शानदार बल्लेबाजी से यूएई ने कनाडा को हराया

नई दिल्ली। अर्यांश शर्मा और सोहैब खान के शानदार प्रदर्शन से यूएई ने टी20 विश्वकप मुकाबले में कनाडा को पांच विकेट से हरा दिया। ग्रुप-डी के इस मुकाबले में में कनाडा ने यूएई को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य दिया था। इसे यूएई ने 19.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। यूएई की ये इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। यूएई की जीत में सलामी बल्लेबाज अर्यांश की अहम भूमिका रही। अर्यांश ने 6 चौके और तीन छक्के लगारक 53 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। वहीं सोहैब ने केवल 29 गेंदों पर 51 रन बनाये। इसमें चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। अर्यांश और सोहैब के बीच पांचवें विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम लक्ष्य तक पहुंच पायी। वहीं कनाडा की ओर से साद बिन जफर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं .इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कनाडा ने 7 विकेट पर 150 रन बनाए। कनाडा की ओर से हर्ष ठाकर ने 3 छक्के और दो चौके की मदद से 41 गेंदों पर सबसे अधिक 50 रन बनाये। वहीं . इसके अलावा नवनीत धालीवाल ने चार चौके लगाकर 28 गेंद पर 34 रनों की पारी खेली। विकेटकीपर बल्लेबाज श्रेयस मोव्वा ने 21 रन बनाये। यूएई की ओर से तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने 5 विकेट लिए।

इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम को दूसरे फ्रेंडली मैच में होस्ट तुर्किये से मिली हार

मानवगत (तुर्की) (एजेंसी)। इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम यहां अंताल्या के मानवगत अतातुक स्टेडियम में होस्ट तुर्किये के खिलाफ अपने दूसरे फ्रेंडली मैच में 1-6 से हार गई। इंडिया मंगलवार को पहले फ्रेंडली मैच में 0-1 से हार गई थी। ब्लू कोल्ट्स इन मैचों का इस्तेमाल एएफसी अंडर17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारी के लिए कर रहे हैं, जो मई में होगा।

इंडिया ग्रुप डी में उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और डीपीआर कोरिया से भिड़ेगा। गुरुवार को तेज हवा और बारिश वाले हालात में खेले गए मैच में, तुर्किये ने एफे सेसिल की मदद से शुरुआती बढ़त बनाई, जिन्होंने सातवें मिनट में बॉक्स के अंदर एक पतले एंगल से लूज बॉल को गोल में पहुंचाया।

इंडिया के थोड़े विरोध के बाद होस्ट्स ने बिबियानो फर्नांडीस की टीम को फिर से हरा दिया और हाफ-टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली। एफे फेटाहोग्लू ने 14वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया, जिसके बाद अलाएटिन एकिसी ने जल्दी से दो गोल किए - 20वें मिनट में 10 याड से पहली बार में लिए गए शॉट को गोल में बदला और 28वें मिनट में दाईं ओर से आए क्रॉस को हेड करके स्कोर 4-0 कर दिया। कप्तान एरेन सयार ने 30वें मिनट में पांचवां गोल किया। भारत ने दूसरे हाफ में कुछ सुधार दिखाया और रीस्टाट के बाद जल्दी ही एक गोल वापस कर लिया। 47वें मिनट में, डायमंड सिंह थोकचोम ने बॉक्स के ठीक बाहर डेनी सिंह वांगखेम को चुना। बाद वाले ने 20 यार्ड की दूरी से दूर कोने में एक शानदार शॉट मारकर भारत को स्कोरशीट में ला दिया। तुर्किये ने 85वें मिनट में स्कोरिंग पूरी की, हसन टंसेल बॉक्स में घुसे और बाएं पैर से शॉट मारकर निचले कोने में गोल कर दिया।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं। रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। जिस प्रकार से वह फिटनेस और फॉर्म को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। उससे अंदाजा होता है कि वह विश्वकप को लेकर कितने गंभीर और समर्पित हैं। 2027 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप: भारत-पाक मैच के कारण कोलंबों का हवाई किराया बढ़ा ,होटलों में कमरों की मांग बढ़ी

मुम्बई (एजेंसी)। 15 फरवरी को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबले को लेकर कोलंबो की उड़ानों और होटलों का किराया काफी बढ़ गया है। इसी कारण 13 और 14 फरवरी की टिकटों के दाम 50 फीसदी तक बढ़ गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सहित प्रमुख शहरों से कोलंबो जाने वाली सीधी उड़ाने का किराया एक लाख रुपये से ऊपर से अधिक बढ़ गया है। आम दिनों के हिसाब से कीमतें करीब दोगुनी हो गयी हैं। यह बढ़ोतरी काफी ज्यादा है।

इसस कारण इस रुट पर टिकटों की मांग बढ़ना है। इससे किराया बढ़ना स्वाभाविक है। उड़ानों का किराया बढ़ने अलावा होटल कारोबार में भी तेजी आई है।मैच से पहले की तारीखों में कई होटलों के कमरों की की कीमतें काफी बढ़ गयी हैं क्योंकि ये तेजी से बुक हुए हैं। भारत-पाक मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों में हमेशा से ही उत्साह रहा है। ऐसे मुकाबलों से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता।द्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई से कोलंबो के लिए रिटर्न किराया ही अब करीब 70 हजार रुपये तक पहुंच गया है। दिल्ली से जाने पर किराया 90 हजार से 1 लाख रुपये के बीच है। वहीं हैदराबाद से लगभग 80 हजार रुपये का खर्च आ रहा है, जबकि बेंगलुरु, कोलकाता, अहमदाबाद और पुणे से किराया 60 से 65 हजार रुपये तक है। चेन्नई और कोचिन से किराया 50 हजार रुपये है। 13 और 14 तारीख की उड़ानों में करीब 1,000 से 2,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो औसतन 10 से 20 फीसदी तक है। हालांकि मैच वाले दिन 15 तारीख को किराए में अतिरिक्त वृद्धि नहीं देखी गई।

इस मैच के कारण केवल उड़ानें ही नहीं, कोलंबो के होटलों में कमरों की मांग भी बढ़ी हैं। शहर के प्रमुख और प्रीमियम इलाकों में स्थित होटलों के कमरों की कीमतें बढ़ी हैं।इससे श्रीलंका के छोटे शहरों से भी लोग कोलंबो पहुंच रहे हैं जिससे भी होटल के साथ ही अन्य कारोबारियों को भी लाभ हुआ है क्योंकि मांग में तेजी आई है। कई कंपनियां भी कपने कुछ कर्मचारियों को मैच के लिए विशेष पैकेज के तहत कोलंबो ले जा रही हैं। इससे साफ है कि बड़े खेल आयोजनों में कॉरपोरेट सेक्टर की रुचि भी बढ़ रही है।

PGTI लीग की नीलामी में शामिल होंगे 170 गोल्फर

नई दिल्ली। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (PGTI) की प्रमुख लीग '72 द लीग' की सोमवार को यहां होने वाली पहली नीलामी में 11 देशों के 170 पेशेवर गोल्फर हिस्सा लेंगे। इस लीग में गोल्फरों के लिए कुल 60 स्थान उपलब्ध होंगे, क्योंकि छह फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक अपनी-अपनी टीमों के लिए 10 खिलाड़ियों का चयन करेगी। नीलामी की कुल राशि छह करोड़ रुपए है। PGTIने यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (GOLS) के सहयोग से शुरू की है। लीग 21 फरवरी को शुरू होगी और इसका फाइनल छह मार्च को खेला जाएगा। नीलामी के लिए जिन 170 गोल्फर ने अपना नाम दर्ज कराया है, उन्हें तीन श्रेणियों प्लैटिनम, गोल्ड और सिल्वर में रखा गया है।

इसी माह डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे वैभव

नई दिल्ली। हाल में अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब इसी माह 23 फरवरी मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। नवी मुंबई में होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इसी में से किसी एक टीम से वैभव उतर सकते हैं। इससे उन्हें इसके बाद खेले जाने वाले आईपीएल के लिए भी अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल होते हैं। वैभव अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स ने अभ्यास सत्र के लिए तैयारी की है। यहीं पर वैभव आईपीएल सत्र की तैयारी में लगे हैं। ये शिविर 21 फरवरी तक चलेगा जिसके बाद वैभव पटना वापस जाएंगे। वह अपने शहर में एक प्रमोशनल इवेंट में भी शामिल होंगे। यहां उन्हें एक गाड़ी उपहार में दिये जाने की उम्मीद है। इसके बाद डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई पहुंचेंगे। गौरतलब है कि डीवाई पाटिल टूर्नामेंट, देश के सबसे पुराने टी20 टूर्नामेंटों में से एक है, जो 2003 में शुरू हुआ था। पिछले साल इस टूर्नामेंट में क्रुणाल पंड्या और हार्दिक पंड्या खेलते नजर आए थे। शिवम दुबे, नेहल वढेरा, दीपक चाहर और कई अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल हुए थे।

विक्टोरिया म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन रयबाकिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

दोहा (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में विक्टोरिया म्बोको ने टॉप 15 में पहुंचने के दौरान कई मौकों पर चैंपियन वाली सोच दिखाई है। कनाडा की इस टीनेजर ने शुक्रवार को कतर टोटल एनर्जीज ओपन में इसे फिर से दिखाया, फाइनल सेट में ब्रेक डाउन से उबरकर दूसरी सीड और मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रयबाकिना को क्वार्टरफाइनल में बाहर कर दिया।

म्बोको अभी नंबर 13 पर हैं, पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में नेशनल बैंक ओपन में अपने सफल टाइटल रन के रास्ते में रयबाकिना को पहले ही हरा चुकी थीं। लेकिन यह वर्ल्ड नंबर 3 थीं जिन्होंने पिछले साल वाशिंगटन और टोक्यो में म्बोको को हराने के बाद अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 2-1 की बढ़त के साथ मैच में एंट्री की थी। उनकी नई दुश्मनी का चौथा चैप्टर तब शुरू हुआ जब म्बोको ने 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रयबाकिना ने अगले छह में से पांच गेम जीतकर 5-3 की बढ़त बना ली। लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने फिर से मोमेंटम बदला, लगातार चार गेम जीतकर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

रयबाकिना ने दूसरे सेट में जवाब दिया, जल्दी ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। म्बोको ने ब्रेक करके 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रयबाकिना ने निर्णायक गेम के पांचवें गेम में एक बार फिर सर्विस तोड़ी और 4-2 से आगे हो गईं, लेकिन म्बोको ने फिर से अपना लेवल बढ़ाया। मुश्किल में होने के बावजूद, वह आक्रामक रहीं और 4-4 से वापसी की। 5-4 पर सर्विस करते हुए, म्बोको ने 10वें गेम में रयबाकिना की सर्विस पर 0-40 पर तीन मैच पॉइंट हासिल किए, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने तीनों बचा लिए।

म्बोको ने कुछ देर बाद चौथा मैच पॉइंट हासिल किया, और इस बार इसका फ़ायदा उठाया। वह दूसरी सर्व में आईं और बैकहैंड रिटर्न मारा, जिससे रयबाकिना की गलती नेट में चली गई और 2 घंटे 23 मिनट में 7-5, 4-6, 6-4 से जीत पक्की हो गई। पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन एलेना ओस्तापेंको इटली की लकी लूजर एलिसाबेटा कोकियारेटो पर 7-5, 6-4 से कड़ी टक्कर के साथ चौथी बार दोहा में सेमीफाइनल में पहुंचीं।

लातवियाई खिलाड़ी ने दोहा में अपने करियर की 24वीं जीत दर्ज की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। यह म्बोको और ओस्तापेंको के बीच पहली मुलाकात होगी। अगर म्बोको जीत जाती हैं, तो वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचने वाली चौथी कनाडाई बन जाएंगी।

अश्विन बोले, पाक स्पिनर तारिक का इस प्रकार सामना करे भारतीय टीम

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कोलंबो में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को अहम सलाह दी है। अश्विन के अनुसार पाक ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक की रुक कर आने वाली साइड आर्म एक्शन से की गई गेंदों को फेंकते समय जब वह रुके तो बस क्रीज से दूर हट जाएं। तारिक की रुक-रुक कर गेंदबाजी करने की शैली पर काफी सवाल उठे हैं हालांकि अभी तक आईसीसी ने उनपर रोक नहीं लगायी है। तारिक ने अपनी इस अजीब गेंदबाजी से ने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही प्रति ओवर छह रन से भी कम देकर 11 विकेट लिए हैं। ऐसे में वह भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अश्विन ने कहा, अगर गेंदबाज गेंद फेंकने से पहले थोड़ा रुक जाता है, तो बल्लेबाज को दूर हटने का अधिकार है। वह कह सकता है कि मुझे लगा कि वह रुक रहा है। इससे अंपायर के लिए बड़ी संशय की हालत होगी। उन्होंने कहा, अगर मैं वहां होता तो मैं भी यही करता।

कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले पहले एशियाई पैरा तैराक बने भारत के सतेंद्र सिंह

नई दिल्ली। भारत के सतेंद्र सिंह लोहिया न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले 38 वर्षीय लोहिया को 2024 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। लोहिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'ऐतिहासिक उपलब्धि। न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य पर जीत। दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को अपनी टीम के साथ सफलतापूर्वक पार करने के बाद आज मैं बेहद भावुक और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पहली बार एशिया के किसी पैरा तैराक ने कुक जलडमरूमध्य को पार किया है।' अधिकारियों के अनुसार यह पैरा तैराक जनवरी के तीसरे सप्ताह में न्यूजीलैंड पहुंचा और वहां उन्होंने बेहद ठंडे पानी में कड़ा अभ्यास किया। उन्होंने नौ घंटे और 22 मिनट में 23.6 किलोमीटर तैरकर यह उपलब्धि हासिल की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'पद्मश्री और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार से सम्मानित मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक सतेंद्र एस लोहिया ने दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है।' उन्होंने कहा, 'वह कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मैं इस असाधारण उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवशाली क्षण उनकी अदम्य भावना और अटूट दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।' डायरिया का उचित इलाज नहीं हो पाने के कारण लोहिया बचपन में ही दिव्यांग हो गए थे। उन्होंने 2017 में समुद्री तैराकी का अपना सफर शुरू किया था। वह इंग्लिश चैनल को भी पार कर चुके हैं।

टी20 वर्ल्ड कप : मोहम्मद आमिर का अभिषेक शर्मा पर तीखा हमला, आउट करने की योजना भी बता गए

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले माहौल गरमा गया है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर ने भारतीय सलामी बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाए हैं। आमिर का कहना है कि अभिषेक आक्रामक तो हैं, लेकिन तकनीकी रूप से मजबूत नहीं। खास बात यह है कि ये बयान 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान ग्रुप मैच से ठीक पहले आए हैं, जिससे मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया है।

आमिर का दावा: 'सिर्फ ताकत, तकनीक नहीं'

एक पाकिस्तानी टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि अभिषेक की बल्लेबाजी हाई-रिस्क पर आधारित है। उनके मुताबिक, वह लगभग हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं जिससे उनके आउट होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आमिर का मानना है कि अभिषेक की पारियां निरंतर नहीं रही हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कई मैचों में छोटी पारियों के बाद एक बड़ी पारी आती है, लेकिन यह स्थिरता नहीं दर्शाती। आमिर ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी नजर में अभिषेक तकनीकी रूप से परिपक्व बल्लेबाज नहीं हैं।

'ऐसे करें आउट' - आमिर की रणनीति

आमिर ने सिर्फ आलोचना ही नहीं की, बल्कि अभिषेक को आउट करने की योजना भी साझा की। उनका सुझाव था कि डीप कवर पर फील्डर तैनात कर शरीर की लाइन पर गेंदबाजी की जाए। इसके अलावा, उन्होंने धीमी गति की गेंदों (स्लोअर डिलीवरी) को प्रभावी हथियार बताया। कोलंबो में खेले जाने वाले इस हाई-वोल्टेज मैच में आमिर के अनुसार यही रणनीति भारतीय बल्लेबाज़ को फंसाने में कारगर हो सकती है।

आंकड़े क्या कहते हैं?

आलोचना के बावजूद अभिषेक के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े प्रभावशाली हैं। उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 1,297 रन बनाए हैं, जो उन्हें टूर्नामेंट में शीर्ष रैंक वाले बल्लेबाज़ों में शामिल करता है। उनकी आक्रामक शैली ने कई मौकों पर भारत को तेज शुरुआत दी है। हालांकि, यह भी सच है कि टी20 क्रिकेट में जोखिम भरा खेल दोधारी तलवार की तरह होता है। अगर टाइमिंग सही हो तो मैच पलट सकता है, और चूक होने पर पारी जल्दी समाप्त हो सकती है।

बीमारी से जूझ रहे अभिषेक

भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले एक और चिंता की बात यह है कि अभिषेक फिलहाल अस्वस्थ बताए जा रहे हैं। यदि वह फिट नहीं हो पाते, तो टीम संयोजन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में उनकी उपलब्धता पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अभिषेक का जवाब: तैयारी पूरी

अभिषेक पहले भी स्वीकार कर चुके हैं कि तेज गेंदबाज उनके खिलाफ गति कम रखते हैं और विविधताओं का इस्तेमाल करते हैं। न्यूज़ीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ हालिया सीरीज के दौरान उन्होंने कहा था कि वह संभावित रणनीतियों को ध्यान में रखकर अभ्यास करते हैं। उनका मानना है कि अगर आक्रामक क्रिकेट खेलना है, तो हर तरह की गेंदबाज़ी के लिए तैयार रहना होगा। यही मानसिकता उन्हें बड़े मंच पर आत्मविश्वास देती है।

भारत-पाकिस्तान मैच पर असर

भारत और पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच होने वाला मुकाबला हमेशा भावनाओं और दबाव से भरा होता है। आमिर की टिप्पणी ने इस टकराव में नया मसाला जोड़ दिया है। अब देखना होगा कि अभिषेक मैदान पर बल्ले से जवाब देते हैं या आमिर की रणनीति कामयाब होती है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के इस महामुकाबले में सिर्फ रन और विकेट ही नहीं, बल्कि मानसिक बढ़त भी अहम भूमिका निभाएगी।

आयरलैंड के कप्तान स्टर्लिंग विश्वकप से बाहर हुए

नई दिल्ली। आयरलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने में चोट के कारण विश्वकप से बाहर हो गए हैं। स्टर्लिंग को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में जोश इंग्लिस का कैच पकड़ते समय ये चोट लगी। इसके बाद ही वह मैदान से बाहर चले गये। इस कारण लोरकान टकर ने टीम की कप्तानी की थी। वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन रन लेने के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई जिस कारण उन्हें रिटायर हर्ट होकर वापस जाना पड़ा। इसके बाद जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी जगह टीम में अब अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम टॉपिंग को टीम में शामिल किया है। टॉपिंग अभी चेन्नई में अभ्यास सत्र से गुजर रहे हैं। टीम के एक अन्य खिलाड़ी बेन कैलिट्ज़ भी फिट नहीं हैं। ऐसे में स्टर्लिंग के बाहर होने से आयरलैंड की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं।

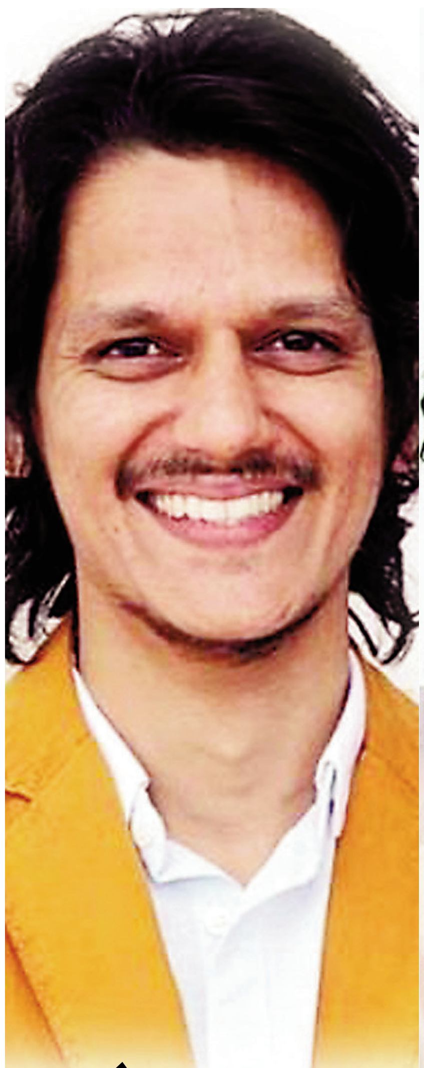

डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है

नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' की स्टार कास्ट ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डैशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया। उनकी एनर्जी और काम के प्रति जोश देखकर मजा आता है। रिया और नंदीश के साथ भी पहली बार शूटिंग की और बहुत मस्ती हुई। इस प्रोजेक्ट में कई 'पहली बार' वाली चीजें हुईं। अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर की। सबसे पहले उन्होंने शो की होस्ट जॉनी लिवर की बेटी जैमी लिवर के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था, जब आपने करियर भी शुरू नहीं किया था।' इसके बाद अभिनेता ने टीम की सराहना करते हुए कहा, 'यहां मौजूद सभी लोग, विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी सभी कलाकार। आप सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। ये सभी युवा कलाकार मुझे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। जैसा कि मैं कहता हूं, मेरा मुकाबला बढ़ रहा है। इनके साथ मुकाबला करके मैं खुद को जवान महसूस करता हूं। आप सभी युवाओं के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है।'

हमें कभी पांच फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता

एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी हाल ही में 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अपोजिट नजर आईं। अमर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि यह साइलेंट फिल्म उनके लिए कितनी खास थी? बातचीत के दौरान अदिति ने हिंदी फिल्मों में कम काम करने का कारण भी खुलकर बताया।

गांधी टॉक्स के लिए हामी भरने की सबसे बड़ी वजह क्या रही?

मेरा हमेशा से सपना रहा कि मैं किसी मूक फिल्म में काम करूं। जब गांधी टॉक्स मेरे पास आई, तो मैं सच में बेहद खुश हुई। फिल्म की टीम ने इसे और भी दिलचस्प बना दिया। जिस तरह किशोर (निर्देशक) ने इसका ढांचा बनाया, रहमान ने शानदार संगीत दिया और विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी व सिद्धार्थ जाधव जैसे बेहतरीन कलाकार मिले। सबने मिलकर इस फिल्म को खास बना दिया। इसके अलावा मेरे किरदार को लेकर किशोर ने साफ कहा था कि यह सिर्फ एक लव इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी का भावनात्मक हिस्सा भी है।

चार साल में हमने आपको ज्यादा हिंदी फिल्मों में नहीं देखा। क्या वजह रही?

बात बस इतनी सी है कि अगर मुझे अच्छा काम मिलेगा तो ही मैं हिंदी फिल्में करूंगी। सच्चाई यह है कि हम जैसे लोग जो बाहर से बॉलीवुड में आते हैं, हमें हर फिल्म के साथ बॉलीवुड में खुद को साबित करना पड़ता है और मैं यह बिना किसी शिकायत या नकारात्मकता के कह रही हूं। ऐसा कभी नहीं होता कि हमने पांच फिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए हों। हमें हर नई फिल्म में खुद को फिर से प्रूव करना पड़ता है। मैं 2011 से काम कर रही हूं और मेरा मानना है कि टैलेंट अपना रास्ता खुद बना लेता है। बाकी मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे देश के कई शानदार निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।

'कॉकटेल 2' के बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे शाहिद और रश्मिका

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि इस फिल्म के अलावा वह एक नई फिल्म में नजर आएंगे। 'कॉकटेल 2' में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब वह अनिल शर्मा के निर्देशन में बनने वाली नई फिल्म का हिस्सा होंगे। काम करते हुए बनी बॉन्डिंग वैरायटी इंडिया के मुताबिक 'कॉकटेल 2' में काम करते हुए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म से उनके लिए दूसरी फिल्म का रास्ता बना। बताया जाता है कि 'कॉकटेल 2' की शूटिंग के दौरान शाहिद और रश्मिका के बीच अच्छी बॉन्डिंग बन गई। जब उनसे नए प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया, तो वे एक-साथ काम करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। अनाम फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण होगा। इसे सुनील खेत्रपाल प्रोड्यूस करेंगे।

कब रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

फिल्म 'कॉकटेल 2' ने निर्देशक होमी अदजानिया हैं। यह 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसमें शाहिद और रश्मिका के अलावा कृति सेनन भी अहम किरदार में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज हो सकती है। शाहिद और रश्मिका का काम वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आने वाले हैं। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा के साथ 'रणबाली' में नजर आएंगी। यह फिल्म 11 सितंबर, 2026 को रिलीज होगी।

चिरंजीवी की अगली फिल्म में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने भी इसकी जमकर तारीफ की है। इसी बीच चिरंजीवी की अगली फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... ' चिरंजीवी ने अपनी अगली फिल्म फाइनल कर ली है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा। खास बात यह है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप भी नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अनुराग फिल्म में एक अहम किरदार निभाएंगे। चिरंजीवी इस प्रोजेक्ट के लिए निर्देशक बॉबी के साथ हाथ मिलाने जा रहे हैं। फिल्म का शुभारंभ फरवरी में किया जाएगा, जिसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू होने की संभावना है।

नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक

भारतीय सिनेमा में जब किसी अभिनेता को बड़े फिल्मकारों और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो वह अनुभव उनके करियर को बदलने वाला साबित होता है। इस कड़ी में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय को नीरज पांडे-रितेश शाह के निर्देशन और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिला, जो उनके लिए सीखने और प्रेरणा लेने वाली यात्रा बन गई। इंटरव्यू में उन्होंने अनुभवों को साझा किया। अक्षय ओबेरॉय ने कहा, ''नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा है। वह जिस जॉनर में फिल्म बनाते हैं, उसमें उनकी पकड़ और समझ अनोखी है। सेट पर हर दिन उनके साथ काम करना किसी मास्टरक्लास से कम नहीं होता। उनकी सटीकता, कहानी पर पकड़ और विजुअल बनाने का तरीका मुझे लगातार सीखने का अवसर देता रहा है। मेरा मानना है कि इस फिल्म ने मुझे एक बेहतर अभिनेता बनने में मदद की है और मेरी कला को और निखारा है।'' फिल्म के निर्देशक रितेश शाह को लेकर अक्षय ने कहा, ''उनके काम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदारों और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनके निर्देशन में हर सीन में एक वास्तविकता और वजन आता है। मैंने उनके साथ काम करते हुए हर सीन को अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से निभाने की कला सीखी। यह अनुभव मेरे लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी रहा।''

मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता था लेकिन....

भारतीय टेलीविज़न में ओवरनाइट सक्सेस बहुत कम लोगों को मिलती है और उन्हीं बेहद कम लोगों में एक नाम पुलकित सम्राट का भी शामिल है। जी हाँ, एक साधारण से टीवी ऑडिशन, जिसे उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट के साथ स्वीकार किया था, वही आगे चलकर ना सिर्फ उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, बल्कि उसी ने उन्हें हर घर का चहिता चेहरा भी बना दिया।

खुद को वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर देखनेवाले पुलकित सम्राट अपने करियर की शुरुआत टीवी नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि डेली सोप्स ज़्यादातर मेलोड्रामा तक ही सीमित रहते हैं। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और मंजूर था और उसी ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया। इस सिलसिले में पुलकित सम्राट कहते हैं, 'मुझे याद है मैंने साफ कहा था कि मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता, बल्कि मैं कुछ अलग और वर्सेटाइल करना चाहता था। लेकिन फिर कास्टिंग टीम ने मुझे समझाया कि यह किरदार बाकी टीवी रोल्स से अलग है। इसमें गहराई के साथ कुछ नया करने का मौका था और सबसे अहम बात यह थी कि मुझे एकता कपूर से मिलने का अवसर मिलने वाला था। इसी बात ने मुझे मुंबई आने के लिए राज़ी कर लिया और मैं रातों-रात दिल्ली से मुंबई आ गया।' गौरतलब है कि एकता कपूर पहले ही पुलकित की तस्वीरें देख चुकी थीं और उनसे मुलाकात के बाद वे निश्चिंत हो चुकी थी कि उनके सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लक्ष्य वीरानी वही होंगे। ऐसे में मुंबई आते ही उनकी ग्रूमिंग शुरू हुई। उन्हें नया हेयरकट दिया गया और स्क्रीन टेस्ट कराया गया और फुटेज देखते ही उनके नाम पर मोहर लगाते हुए एकता कपूर ने कहा, 'ओके, डन। रेडी।' हालांकि इस बड़ी सफलता के बीच भी पुलकित को रह-रहकर अपना परिवार याद आ रहा था, जिन्हें वे बिना बताए दिल्ली छोड़कर मुंबई चले आए थे। उनसे मिलने की तड़प और अपनी कामयाबी की खबर देने के लिए उन्होंने पीठ दर्द का बहाना बनाते हुए एक रात के लिए दिल्ली लौटने की इजाज़त मांगी और पहुँच गए अपने पैरेंट्स से मिलने। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने पैरेंट्स को देखते ही वे भावुक हो उठे। उस घटना को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'आंखों में आंसू लिए मैं उनके गले लगा। शब्द बहुत काम थे, बस थी तो भावनाएं। हालांकि कुछ ही घंटों बाद मैं फिर से मुंबई लौट आया लेकिन इस बार एक नए आत्मविश्वास और बदली हुई ज़िंदगी के साथ लौटा था।'

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में पुलकित की एंट्री बेहद खास रही थी। शो की जेनरेशन लीप के साथ उन्हें लॉन्च किया गया था और वे 'वो कृष्णा है' गीत के साथ सीधे दर्शकों के दिलों में उतर गए। गौर करनेवाली बात ये भी है कि यह किसी टीवी किरदार के लिए बनाए गए शुरुआती फुल-लेंथ लॉन्च सॉन्ग्स में से एक था। और इस तरह मौनी रॉय के साथ मिलकर वह नई पीढ़ी का चेहरा बने। इस सिलसिले में पुलकित कहते हैं, 'रातों-रात मैं एक जाना-पहचाना नाम बन चुका था और फिर उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

'ग्लोरी' से ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं पुलकित

'फुकरे' की लोकप्रियता के बाद 'तैश', 'सनम रे' और 'राहु केतु' में अलग-अलग तरह के किरदार निभाते हुए फिलहाल वे 'ग्लोरी' से न सिर्फ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखने जा रहे हैं, बल्कि पहली बार बॉक्सर का किरदार निभाते हुए अपने करियर को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। फिलहाल पुलकित सम्राट की यह कहानी बताती है कि कभी-कभी एक सही मौका पूरी ज़िंदगी बदल देता है, लेकिन उस मौके को आगे ले जाने के लिए मेहनत, धैर्य और सही फैसले सबसे ज़रूरी होते हैं।

प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार को इजहार करने का दिन है। इस दिन लोग प्यार करने वाले को फूल और तोहफे देते हैं और प्यार से बंधे रिश्ते को सेलिब्रेट करते हैं। वैलेंटाइन डे प्रेमियों के लिए हमेशा से ही एक खास दिन रहा है और दुनिया भर के प्रेमी इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हर 14 फरवरी को प्यार करने वाले प्यार भरे तोहफे और खत देकर इस दिन को मनाते हैं, फिर चाहे वो दोस्त हो, प्रेमी हो, माता-पिता हों या भाई बहिन हों। दुनिया की किसी किताब में ये नहीं लिखा कि हमें वैलेंटाइन डे को सिर्फ अपने प्रेमियों के साथ ही बिताना चाहिए। ये तो प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है, तो आप अपने जीवन में जिससे भी अधिक प्रेम करते हैं उसके साथ इस दिन को अपने जीवन का कुछ कीमती पल निकालकर प्यार से मना सकते हैं। अपने जज्बातों को शब्दों में बयां करने के लिए इस दिन का हर धड़कते हुए दिल को बेसब्री से इंतजार होता है। दुनियाभर के प्रेमी खासकर युवा पीढ़ी इस दिन को बड़े ही रोमांचक तरीके से मनाते हैं। इन दिन को एक खास नाम दिया गया है। वैलेंटाइन डे प्यार का दिन होता है इसमें लोग जिसे वो प्यार करते हैं उसे फूल, कार्ड और तोहफे देते हैं और उनके साथ वक्त बिताते हैं।

बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड के लिए वैलेंटाइन गिफ्ट

वैलेंटाइन डे का दिन प्यार करने वालों के लिए सबसे खास दिन होता है, इस खास दिन में अपने साथी को खास तोहफा देना बहुत ही जरूरी है, जो आपके प्यार की नींव को और भी मजबूत बना देगा। इन खास तोहफों से हम अपने साथी को ये एहसास दिलाते हैं कि वो हमारे लिए कितना स्पेशल है, इसलिए आज हम आपके लिए कुछ गिफ्ट ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड के लिए गिफ्ट सेलेक्ट करने में मदद मिलेगी। अपने बॉयफ्रेंड के लिए या लड़कों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही आसान है, क्योंकि जब एक लड़की उन्हें कुछ भी गिफ्ट करती है तो उनके लिए वो स्पेशल ही होता है, लेकिन लड़कियों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही मुश्किल है, उन्हें क्या अच्छा लगेगा और क्या नहीं ये कहना जरा मुश्किल है, इसलिए आपकी मुश्किलों को दूर करने कुछ गिफ्ट के ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको ये पता चल जाएगा कि किस तरह के गिफ्ट आप उन्हें दे सकते हैं, जिसे उन्हें यकीनन पसंद आ जाए।

1. **चॉकलेट्स :** ये गिफ्ट दोनों के लिए परफेक्ट गिफ्ट है। जब किसी अच्छी चीज की शुरुआत होती है तो सबसे पहले मुंह मीठा करने की बात याद आती है। उसी तरह वैलेंटाइन डे के मौके पर मीठा गिफ्ट हो जाए तो क्या कहना। जिस तरह लड़कियों को चॉकलेट्स बहुत ही पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी चॉकलेट्स अच्छा लगता है तो आप उन्हें अलग-अलग तरह के चॉकलेट्स एक डिब्बे में भरकर उन्हें पैक कर दे सकते हैं या ऑनलाइन आर्डर कर भेज सकते हैं।

2. **परफ्यूम :** हम सबको परफ्यूम बेहद पसंद होता है। आप कोई भी ब्रांडेड परफ्यूम को तोहफे के रूप में अपने साथी को भेंट कर सकते हैं, ये तोहफा उनको बहुत अच्छा लगेगा।

3. **वॉलेट :** वैसे तो आज कल सभी जेब में ऑनलाइन वॉलेट जैसे Mobikwik, Paytm, BHIM App इत्यादि अपने मोबाइल में रखते हैं पर वॉलेट भी अभी बंद नहीं हुआ है। आप चाहे तो अपने बॉयफ्रेंड को leather का stylist वॉलेट भी गिफ्ट में दे सकते हैं।

4. **गुलाब:** लड़कियों को rose बहुत ही पसंद होता हैं, चाहे वो natural हो या artificial अगर आपको natural गुलाब का फूल देना है तो आप बाजार से ताजे फूल के गुलदस्ते दे सकते हैं, ये लड़कियों को काफी रोमांटिक लगता है। अगर आपको artificial फूल देना है तो आप ऑनलाइन amazon या flipkart से खरीद कर भी दे सकते हैं।

5. **प्रिंटेड कॉफी मग :** आप coffee mug में अपने प्रेमी का फोटो या फिर I Love You लिखकर Print करवा सकते हैं। ये दिखने में बहुत ही सुंदर लगता है, जो चाहे लड़का हो या लड़की अपने प्यार को उपहार में दे सकता है। जब आप ये अपने चाहने वाले को देंगे तो उन्हें बहुत खुशी होगी और प्यार का रिश्ता भी मजबूत होगा।

6. **लेडीज पर्स :** यह वैलेंटाइन गिफ्ट खासकर लड़कियों या महिलाओं को देने के लिए जबरदस्त है। शायद ही कोई लड़की होगी, जिसको purse या handbag पकड़ना अच्छा न लगता हो। अगर आप ऑनलाइन वेबसाइट पर सर्च करेंगे तो आपको बहुत से variety के बढ़िया-बढ़िया purse देखने को मिलेंगे, उनमे से आप सेलेक्ट कर गिफ्ट कर सकते हैं।

जीवन के लिए आखिर क्यों जरूरी है प्यार ?

दुनिया में तमाम गुणा-भाग के बाद केवल प्रेम ही बचा रह जाता है। प्रेम खुशी है। प्यार की धूप-छांव में ही हम खिलते हैं और हमारे अपने खिलखिलाते हैं। फिर प्यार हर जगह है। जहां आप हैं, वहां प्यार है। आप ही तो प्यार हैं। प्यार के जितने रूप हैं, उतने ही आपके।

प्यार के बिना हमारा गुजारा नहीं है। दूसरों के साथ हमारा जोड़ प्यार के पुल पर ही टिका है। यह पुल जितना मजबूत और चौड़ा होता है, उतना ही सफर सुहाना बन जाता है। फिर हम भी मजे से चल पाते हैं। दूसरों को भी साथ चलने में दिक्कत नहीं होती। छोटे-मोटे हिचकोले पड़ते हैं तो भी संतुलन बना रहता है। सच तो यह है कि हम सब, दूसरों के लुटाए गए प्यार के कर्ज में डूबे हैं। हमें कुछ का ही प्यार दिखता है। बाकी के प्रेम को देखने की समझ नहीं होती या हम अनदेखी कर देते हैं। एक बार अपने आसपास नजर दौड़ाएं। हम कितनी ही चीजों से घिरे हैं। नीचे धरती, ऊपर आकाश, हवा-पानी, पेड़-पौधे सब हमें दिए ही जा रहे हैं।

अपनों से ही नहीं, बहुत-सी चीजों से भी हमारा नाता होता है। हर रिश्ते को जीना, उस प्रेम को भी देखना है, जो चुप रहता है। कोई दावा नहीं करता। प्रेम की नजर का ही कमाल है कि दूर के सूरज, चांद से भी रिश्ता महसूस होता है। हम अपने कमरे, कुर्सी और कंप्यूटर के लिए भी कृतज्ञ हो उठते हैं।

जरूरी है हर रिश्ता

सवाल है कि क्यों जरूरी है हर चीज को, हर व्यक्ति को प्रेम करना? मनोविज्ञानी मानते हैं कि पहले की तुलना में अब ऐसी कई चीजें हैं, जो हमें खराब एहसास कराती हैं। रिश्तों में तनाव बढ़ रहे हैं। आगे निकलने की होड़ है। दुनियाभर में एक-दूसरे से नफरत बढ़ रही है। मनों में उदासी बढ़ती जा रही है। कुछ समस्याएं इसलिए हैं कि हम दूसरों को प्यार नहीं करते। बहुत-सी इसलिए हैं कि हम खुद से प्यार करना नहीं जानते। वियतनामी बौद्ध गुरु तिक नत हन्ह कहते हैं कि हमारी खुशियां इस पर निर्भर करती हैं कि हम दिल से कितने आजाद हैं। अपने ही फायदे-नुकसान से घिरा, सहमा मन, प्यार कर ही नहीं सकता। तब हम खुद को भी चोट पहुंचाते हैं, दूसरों को भी दुखी करते रहते हैं। हर समय दूसरों का साथ छूटने का डर सताता रहता है।

दिलों को जोड़ता है प्यार

हर रिश्ते को जीना इसलिए जरूरी है कि प्यार दिलों को जोड़ता है। कड़वे जख्म भर जाते हैं। प्यार की ठंडक से भीतर का उबाल शांत होता है। हम दूसरों को माफ करना सीखते हैं। लॉ ऑफ अट्रेक्शन से जुड़ी 'सीक्रेट' एक चर्चित किताब है। लेखिका रोंडा बायन कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके हर चीज, हर व्यक्ति से प्यार करें। ध्यान केवल प्यार पर रखें। पाएंगे कि जो प्यार आप दे रहे हैं, वह कई गुणा बढ़कर आप तक लौट रहा है।

रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार

दूसरों के साथ हमारे रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार। यह बड़ी चतुराई से अपनी जगह बनाता है। अहंकारी अपने फायदे के लिए ही दूसरों के पीछे भागता है। बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों की अनदेखी कर देता है। प्रेम हंसाता है तो अहंकार चोट पहुंचाता है। अहंकार गले लगाकर भी दूसरे को छोटा ही बनाए रखता है। यह केवल दूसरों से पाने की चाह रखता है। शरीर से परे मन का प्रेम ही हमें दूसरों के प्रति कृतज्ञ बनाता है। प्रेम की कक्षा में हम जितना आगे कदम बढ़ाते हैं, भेद खत्म होते चले जाते हैं। प्रेम हमें तो हल्का करता ही है, दूसरों को भी जीवन से भर देता है। ओशो कहते हैं कि प्रेम के तीन स्तर हैं—शरीर, मन और आत्मा। सच्चा प्रेम समय और स्थान से परे है। वह देने में खुश होता है। भरे बादलों की तरह सब पर बरसता है। सब रिश्तों को जीने का मतलब यही है कि हम हर तरह का प्यार देख-समझ सकें। जब भीतर बेचैनी बढ़ने लगे तो बाहर से जुड़ जाएं। दूसरों को बांटें। जब बाहर के प्रेम से मन भर जाए तो भीतर की ओर लौट जाएं। भीतर ध्यान बना रहे और बाहर प्रेम। हम प्रेम करें। बस प्रेम करें या फिर प्रेम की बातें।

क्यों मनाया जाता है वैलेंटाइन डे ?

हम आपको बता दें कि हर त्यौहार के पीछे कोई न कोई कहानी जुड़ी है, चाहे वह दीवाली या फिर ईद हो, तो इसी तरह वैलेंटाइन डे से भी एक कहानी जुड़ी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस आलेख में बताएंगे। इससे आपको वैलेंटाइन डे के बारे में पूरी जानकारी मिल सकेगी।

ऐसा माना जाता है की वैलेंटाइन डे का नाम रोम के एक पादरी संत वैलेंटाइन के नाम पर रखा गया है, दरअसल रोम में तीसरी सदी में क्लॉडियस नामक राजा का राज्य था। रोम के राजा क्लॉडियस का मानना था कि विवाह करने से पुरुष की बुद्धि खत्म हो जाती है, इसके चलते क्लॉडियस ने अपने राज्य में ये आदेश दिया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी शादी नहीं करेगा और उसने ये भी कहा कि अगर मेरा कोई सैनिक या अधिकारी शादी करेगा तो उसे सजा दी जाएगी। राजा के इस फैसले से सभी सैनिक काफी दुखी थे, परंतु राजा के डर से किसी ने कुछ भी नहीं कहा।

और सभी सैनिक राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए मजबूर हो गए, परंतु संत वैलेंटाइन ने इस बात का विरोध किया और पूरे राज्य में लोगों को शादी करने के लिए प्रेरित किया। संत वैलेंटाइन ने रोम में बहुत सारे सैनिकों और अधिकारियों की शादी करवाई और जब राजा को इस बात का पता चला तब उसे इस बात का बहुत गुस्सा आया और उसने संत वैलेंटाइन को बंदी बनाने का आदेश दे दिया और उसे फांसी की सजा सुना दी गई। अब संत वैलेंटाइन अपनी मौत का इंतजार कर रहे थे, इसी बीच संत वैलेंटाइन को एक अंधी लड़की से प्यारा हो गया, जो कि जेलर की बेटी थी। वह अपनी मौत की पूर्व संध्या पर कुछ लिखना चाहता था, लेकिन वहां लिखने का कोई साधन उपलब्ध नहीं था।

कहा जाता है कि वैलेंटाइन ने उसे स्याही में एक सोननेट लिखा है, जो कि violets से निचोड़ा हुआ था। उसने अंतिम बार उस अंधी लड़की को फिर से देखा और उन दोनों में रोमांस हुआ, जो उनके जीवन का अंतिम पल था और अगले दिन वैलेंटाइन को रोमन के जल्लादों द्वारा 14 फरवरी को फांसी दे दी गई। इस बलिदान की वजह से 14 फरवरी को वैलेंटाइन के नाम से रखा गया और संत वैलेंटाइन की याद में हर साल 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैसे माने तो प्यार करने वाले के लिए हर दिन खास होता है और अपने साथी से प्यार जताने के लिए कोई तरीख या दिन मायने नहीं रखता है, लेकिन दौड़ती हुई जिंदगी के लिए आज का दिन मोहब्बत के नाम कर दिया गया।

इसके बारे में कुछ रोचक तथ्य

- हर साल वैलेंटाइन डे 14 फरवरी को मनाया जाता है।
- हर साल लगभग,1 बिलियन वैलेंटाइन डे कार्ड का आदान-प्रदान किया जाता है
- वैलेंटाइन डे पर हर साल इतनी कैंडी बनाई जाती है कि Arizona से Roam, इटली और वापस Arizona तक लाया जा सकता है। इन दिल के आकार वाली कैंडी का उत्पादन लगभग 8 मिलियन है।
- क्रिसमस के बाद वैलेंटाइन डे कार्ड भेजने के मामलों में वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा दिन हैं।
- फिनलैंड के लोग वैलेंटाइन डे को, 'मित्र दिवस' के रूप में मनाते हैं। और इस दिन वहां मित्रों को याद किया जाता है।
- हर साल वैलेंटाइन डे पर इटली का वेरोना शहर 1000 पत्र प्राप्त करता है, जिन्हें जूलियट के पत्ते पर भेजा जाता हैं। यह वह जगह है, जहां रोमियो और जूलियट रहते थे।
- भारत में वैलेंटाइन डे का आरंभ 1992 में हुआ था, लेकिन भारत के लोगों ने इस दिन को नफरत ज्यादा दी।
- ईरान सरकार ने वैलेंटाइन डे 2011 में बैन लगा दिया था, यहां लाल गुलाब हार्ट शेप और इससे जुड़े सभी चीजे को बैन कर दिया था।
- जापान में सिर्फ पुरुष ही वैलेंटाइन डे मनाते है।
- मलेशिया में सिर्फ मुस्लिम ही वैलेंटाइन डे को मना सकते हैं।
- 2011 में वैलेंटाइन डे के दिन मैक्सिको में 39 हजार 897 लोगों ने एक साथ किस किया था, जो आज तक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।
- इस दिन के मौके पर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले लाल गुलाब को प्यार का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि लाल रंग प्यार को रोमांटिक भावनाओं को प्रदर्शित करने वाला रंग माना जाता है।
- एक अनुमान के अनुसार वैलेंटाइन डे के मौके पर पूरी दुनिया में लगभग 73 प्रतिशत पुरुष और 27 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रेम के इजहार के लिए फूल खरीदती हैं।
- पहला दर्ज वैलेंटाइन सन् 1415 फरवरी में मनाया गया था, इस दिन ऑरलियन्स के अंग्रेजी ड्यूक ने अपनी पत्नी को प्रेम पत्र भेजा था, यह पत्र उन्होंने लंदन टावर के जेल में बैठकर लिखा था। इस पत्र को आज भी ब्रिटिश संग्रहालय मे देखा जा सकता है।
- दक्षिण कोरिया एक ऐसा देश है, जहां हर माह की 14 तारीख को वैलेंटाइन के रूप मे मनाया जाता है।
- वर्ष 1537 मे इंग्लैंड के राजा हेनरी VII ने पहली बार 14 फरवरी को आधिकारिक तौर पर संट वैलेंटाइन डे के दिन छुट्टियों की घोषणा की थी।

भारत के इतिहास में अमर हो गई प्यार की ये कहानियां

अमर प्रेम का प्रतीक ताजमहल

वेलेंटाइन वीक चल रहा है। हर दिन किसी खास चीज को लेकर मनाया जाता है। गुलाब देने से लेकर प्रपोज करने तक हर दिन बेहद खास होता है। भले ही भारतीय समाज में वेलेंटाइन डे को अच्छी दृष्टी से न देखा जाता हो,

लेकिन इसी भारत में बहुत सी प्यार की कहानियां है। जिनके प्रमाण आज भी है। आगरा का ताजमहल हो या मांडवा का किला ये सब अमर प्यार की जीती जागती तस्वीरें पेश करते हैं। तो चलिए जानें ऐसी ही कुछ ऐतिहासिक प्रेम कहानियों के बारे में जो भारत के गौरवशाली इतिहास से निकली हुई हैं।

शाहजहां और मुमताज की मोहब्बत

प्यार की निशानी के रूप में पूरी दुनिया में मशहूर ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज के अमर प्रेम की कहानी कहता है। शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए सफेद संगमरमरों का किला बनवाया जो आज के समय ताजमहल के नाम से मशहूर है। ताजमहल में बादशाह और उनकी बेगम की कब्र बनी हुई है।

पृथ्वीराज चौहान और संयुक्ता का प्रेम

राजपूतों के शौर्य से तो पूरा इतिहास भरा पड़ा है। इसी में से एक थे पृथ्वीराज चौहान। चौहान राजवंश के राजा पृथ्वीराज को अपने दुश्मन कन्नौज के राजा जयचंद की बेटी संयुक्ता से प्रेम हो गया। जयचंद को जब इस बारे में पता चला तब वो काफी क्रोधित हुए और संयुक्ता के स्वंयवर का आयोजन किया। इस स्वयंवर में उन्होंने कई राजकुमारों को बुलाया लेकिन जयचंद ने पृथ्वीराज को निमंत्रण नहीं दिया और अपने दरबार के बाहर उसका एक पुतला बनवाकर दरबान के तौर पर खड़ा कर दिया। संयुक्ता से जब वरमाला डालने के लिए कहा, तब वो उस सभा में मौजूद सभी राजकुमारों को छोड़ कर द्वार पर चली गई और पृथ्वीराज के पुतले को माला पहना दी। उस पुतले के पीछे पृथ्वीराज पहले से मौजूद थे और सबके सामने वो संयुक्ता को अपने साथ भगा कर ले गए।

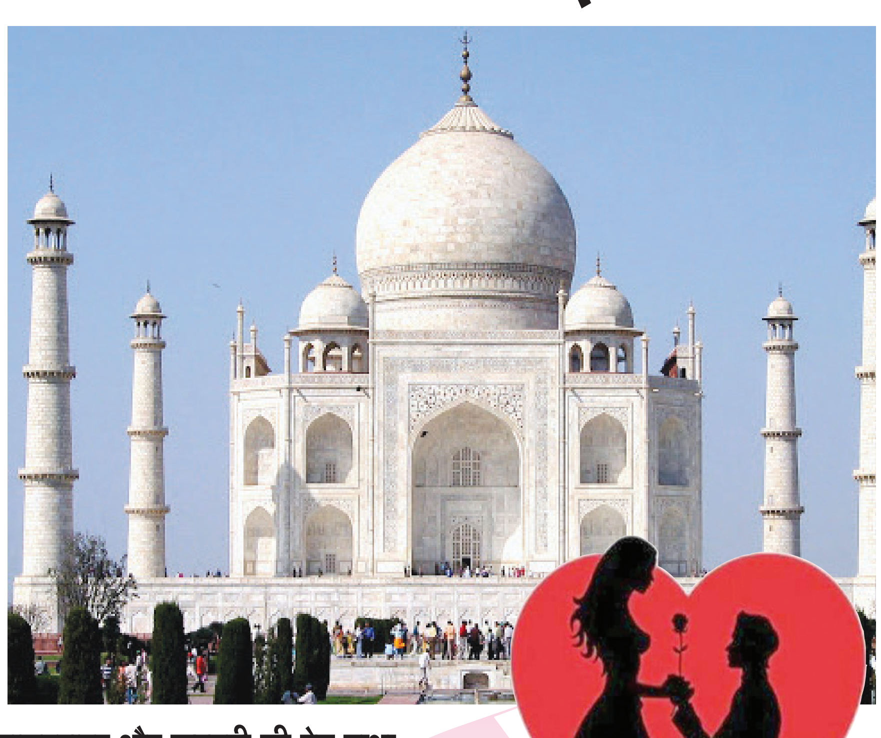

बाजबहादुर और रूपमती की प्रेम गाथा

मध्यप्रदेश के मालवा राज्य के राजा बाजबहादुर की प्रेम गाथा यहां के किलों में आज भी गूंजती है। शिकार पर निकले हुए राजा को एक साधारण स्त्री रूपमती से प्रेम हो गया। दुनिया की परवाह न करते हुए बाजबहादुर ने रूपमती से विवाह किया और उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकारा।

बाजीराव-मस्तानी की मोहब्बत-ए-दास्तां

मराठों के जांबांज योद्धा बाजीराव की प्रेम कहानी पर फिल्म बनने के बाद लोगों का ध्यान इनकी अद्भुत प्रेम कहानी पर गया। बाजीराव ने बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल की बेटी मस्तानी से प्रेम हो गया। हांलाकि उनके इस विवाह को समाज की मान्यता नहीं मिली। लेकिन जीवन के अंत तक दोनों की सांसे एक दूसरे से बंधी रहीं।

बिंबिसार और आम्रपाली की प्रेम कहानी

भारत के शूरवीर राजाओं की प्रेम कहानियां भी बहुत ही अद्भुत हैं। ऐसी ही एक प्रेम कहानी राजा बिंबिसार की है। कहते हैं कि राजा बिंबिसार को राज्य की सबसे खूबसूरत नर्तकी से प्रेम हो गया था। युद्ध के दौरान घायल बिंबिसार की सेवा आम्रपाली ने एक साधारण सैनिक समझ कर की थी और नर्तकी के रूप से मोहित होकर राजा ने उससे विवाह कर लिया था।

जानें इन देशों में कैसे मनाया जाता है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार का दिन है, प्यार करने वालों का दिन है। मोहब्बत के इजहार का दिन है, लेकिन भारत में हर साल इस दिन को मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे है जहां इस त्यौहार को मनाने के लिए तैयारियां काफी पहले से शुरू हो जाती हैं। अलग-अलग देशों में वैलेंटाइन डे सेलीब्रेट करने के अपने अलग तरीके और अपनी अलग-अलग परंपराएं हैं। जानें कैसे इन 10 देशों में वैलेंटाइन डे मनाने का अलग-अलग रिवाज है-

इटली: इटली में वैलेंटाइन डे स्प्रिंग फेस्टिवल के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर लोग बगीचों में इकट्ठा होते हैं और संगीत का आनंद उठाते हैं। कुंवारी लड़कियों सुबह ही उठ जाती है। यहां परपंरा है कि सुबह-सुबह जो पुरुष महिला को दिखा, संभवत: वो ही महिला का होने वाला पति होगा।

डेनमार्क: 1990 से डेनमार्क में वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैलेंटाइन डे पर यहां पुरुष महिलाओं को एनोनिमस कार्ड भेजते हैं, जिसे जोकिंग लेटरक कहा जाता है। जिसे महिलाओं को उनके नाम का अंदाजा लगाना होता है। जो महिला भेजने वाले का नाम पहचान जाती है उसे बाद में ईस्टर एग दिया जाता है।

फ्रांस: फ्रांस को दुनिया की सबसे रोमांटिक जगह है। यहां वैलेंटाइन डे पर एक परंपरा है, जिसमें लड़के-लड़की को जोड़ा बनाया जाता है। अगर पुरुष को महिला पसंद नहीं तो वह उसे छोड़कर दूसरी महिला को पसंद कर सकता है।

दक्षिण कोरिया: दक्षिण कोरिया में हर महीने की 14 तारीख को प्यार के दिन के तौर पर सेलीब्रेट किया जाता है। वैलेंटाइन डे के मौके पर महिलाएं पुरुषों को चॉकलेट्स और तोहफे देती हैं और अगले महीने 14 मार्च यानी व्हाइट डे पर पुरुष महिलाओं को रिटर्न गिफ्ट देते हैं।

वेल्स: यहां के लोग 25 जनवरी को वैलेंटाइन डे मनाते है। इस मौके पर एक दूसरे को लकड़ी के चम्मच तोहफे में देते हैं, इन्हें लव स्पून्स कहते हैं। खास बात ये होती है कि चम्मच के डिजाइन में कोई न कोई संदेश छिपा होता है।

ब्राजील: ब्राजील में फूल, चॉकलेट्स, कार्ड और तोहफों के साथ मनाया जाता है। यहां 12 जून को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है।